जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 25 जून, 2023

विचार बिन्दु

महान ध्येय का मौन में ही सृजन होता है। –साने गुरूजी

ज्ञान, समझ व युक्ति जीवन को सुखी और हितकारी बनाने के लिए अनिवार्य है

ज्ञान, समझ और युक्ति जीवन के सभी पहलुओं से जुडे तीन महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं। ज्ञान वस्तुतः आंकडों से आंकडों, या आंकडों से सूचना या सूचना से सूचना के संयोग का ऐसा संग्रह है जिसका सन्देश स्पष्ट होता है। ज्ञान के कम से कम तीन प्रकार हैं:– शोध आधारित–ज्ञान, अनुभवजन्य–ज्ञान और पारंपरिक ज्ञान। कार्य–संपादन में इन तीनों का महत्वपूर्ण योगदान है। अच्छा नेतृत्व नवीन ज्ञान को जीवन भर सीखता रहता है। आधुनिक वैज्ञानिक सन्दर्भ में ज्ञान के उत्पादन के चार तरीके हैं:– थ्योरी, ऑब्जरवेशन, एक्सपेरिमेंट और मॉडलिंग। यहाँ युक्ति, जिसकी बात हम आगे करेंगे, को मॉडलिंग के समकक्ष माना जाता है क्योंकि पूर्व में उपलब्ध आंकडों के आधार पर मैथमेटिकल–मॉडलिंग के द्वारा भविष्य की स्थिति का ज्ञान किया जाता है।

ज्ञान एक मूल्यवान संपत्ति है और यह व्यक्ति की शक्ति, प्रभाव और उपयोगिता को बढ़ाता है। आज के कार्यबल में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लगातार नया ज्ञान सीखना महत्वपूर्ण है। नवाचार और रचनात्मकता में ज्ञान एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रभावी संचार के लिए ज्ञान भी आवश्यक है। जिन लोगों को किसी विषय की गहरी समझ होती है, वे आसानी से दूसरों को समझा सकते हैं, अपने विचार साझा कर सकते हैं, और समस्याओं के हल करा सकते हैं। पर ज्ञान से आगे की यात्रा और भी महत्वपूर्ण है।

किसी कार्य को सम्पादित करते समय ज्ञान का उपयोग करने से अनुभव प्राप्त होता है। जीवन के विविध क्षेत्रों में विविध प्रकार के अनुभव प्राप्त होते रहते हैं, जिससे ज्ञान से आगे हमारी समझ या विजडम बढ़ती रहती है। विजडम को भारतीय दर्शन में बुद्धिमत्ता, मनीषा, मतिमानता, प्रज्ञा, प्रज्ञता, बुद्धिमानी, ज्ञान, ज्ञान–परिपूर्णता, ज्ञानज्ञता–कर्मज्ञता, समझ आदि कहा जाता है। प्राचीन दृष्टिकोण के साथ ही पिछले पाँच दशकों के दौरान साइंस ऑफ़ विजडम पर अनुसंधान में भी भारी बढ़ोत्तरी हुई है। विजडम को परिभाषित करने के अनेक प्रयत्न हुये हैं किन्तु अभी तक सर्वमान्य परिभाषा का निर्धारण नहीं हो पाया है। विजडम व्यक्तित्व की सामाजिक–मनोवैज्ञानिक विशेषता मात्र नहीं है बल्कि यह एक न्यूरोबायोलॉजिकल विशेषता है जो समाजोन्मुखी व्यवहार, भावनात्मक–नियमन और आध्यात्मिकता जैसे विशिष्ट घटकों से मिलकर बनती है। इस बात को आगे और भी स्पष्ट करेंगे।

हाल ही में लोगों में विजडम के घटकों को बढ़ाने के लिये व्यक्तिगत हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन मेटा–एनालिसिस द्वारा किया गया। इस अध्ययन में ऐसे क्लिनिकल ट्रायल्स को समाविष्ट किया गया जो विजडम बढ़ाने के लिये अभी तक क्रियान्वित किये गये थे। इसमें 7096 व्यक्तियों से जुड़े 57अध्ययनों के आंकडे समाहित किये गये थे। विजडम के सभी घटकों से संबंधित आंकडे तो नहीं मिल पाये किन्तु समाजोन्मुखी–व्यवहार (प्रोसोशलबेहवियर) से संबंधित 29, भावनात्मक विनियमन (इमोशनलरेगुलेशन) से संबंधित 13 और आध्यात्मिकता (स्पिरिचुअलिटी) से संबंधित 15 अध्ययन शामिल किये गये थे। मेटा–एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि आध्यात्मिकता, भावनात्मक–नियमन और समाजोन्मुखी व्यवहार को बढ़ाने के लिये किये गये हस्तक्षेप व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देते हैं (देखें, ई.ई. ली इत्यादि, जामा साइकेइट्री, 77(9):925–935, 2020)।

शोधकर्ताओं को मेटा–एनालिसिस में सम्मिलित करने हेतु विजडम बढ़ाने के उपायों पर ऐसे अध्ययन नहीं मिले जो विजडम के सभी घटकों की समग्रता को एकीकृत रूप से समाहित करते हुये किये गये हों। इस मेटा–एनालिसिस में सम्मिलित समीक्षा के अनुसार विजडम को मापने के लिये कई दृष्टिकोण उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिये विजडम को दो रूपों में देखा जा सकता है–पहला उपयोगी अंतर सैद्धांतिक बुद्धिमत्ता (थ्योरेटिकलविजडम या जीवन के यथार्थ की समझ; प्रकृति और मानव के रिश्तों की समझ आदि) और दूसरी व्यावहारिक बुद्धिमत्ता (प्रैक्टिकलविजडम / फ्रोनेसिस, सही कारणों के लिये, सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता) सम्मिलित है। इन दोनों प्रकारों में सम्मिलित घटकों को मापने की विधियां और क्षमता वैज्ञानिक विकसित कर चुके हैं। परन्तु सैद्धांतिक ज्ञान (गहन समझ) की तुलना में व्यावहारिक ज्ञान (व्यावहारिक समझ) को प्रश्नावली के माध्यम से अधिक सुगमता से मापा जा सकता है। इस मेटा–एनालिसिस में व्यावहारिक समझ के सम्बन्ध में समाजोन्मुखी व्यवहार और भावनात्मक विनियमन को लिया गया और सैद्धांतिक समझ के संबंध में आध्यात्मिकता को शामिल किया गया। बुद्धिमत्ता के अन्य घटकों से जुडे इंटरवेंशन वाले अध्ययनों की कमी के कारण निर्णय लेने की क्षमता, अनिश्चितता से निपटने की क्षमता, और सहिष्णुता जैसे घटक अध्ययन में शामिल नहीं किये जा सके। फिर भी जिन तीन घटकों को शामिल कर यह अध्ययन किया गया वह नया रास्ता दिखाने वाला है क्योंकि अध्ययन में सम्मिलित तीनों घटक अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। विजडम जैसे विषय यदि एम्पिरिकल रिसर्च की सीमाओं से परे ना भी हों तो भी काफी चुनौतीपूर्ण हैं।

> **युक्ति एक सार्वभौमिक प्रबंधकीय सिद्धांत है। प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक, जो युक्ति-व्यपाश्रय सिद्धांत के जनक माने जाते हैं, के अनुसार अनेक कारणों की समग्रता और एकीकरण से उत्पन्न भावों को जो बुद्धि देखती है, वह युक्ति है। युक्ति से वर्तमान, भूत और भविष्य, तीनों कालों को जाना जा सकता है।**

प्रज्ञा के संबंध में यह बताना भी उपयोगी है कि आध्यामिकता इसका एक महत्वपूर्ण घटक है (देखें, डी.वी. जेस्ते इत्यादि, जर्नल ऑफ़ साइकियाट्रिक रिसर्च, 132:174–181, 2021)। आध्यामिकता और धार्मिकता में अंतर समझना जरूरी है। आध्यात्म हमें प्रकृति के समीप ले जाता है। आध्यामिकता व्यक्ति को व्यक्ति के समीप ले जाती है। आध्यामिकता प्राकृतिक तंत्रों के समीप भी ले जाती है। आध्यात्म वस्तुतः आत्मावलोकन और आत्म–समीक्षा के अवसर प्रदान करता है। आत्म–समीक्षा में यह भी शामिल है कि प्रकृति के साथ हमारे क्या संबंध हैं और हमें प्रकृति को बेहतर करने में हमारा क्या योगदान है। धार्मिकता एक अलग विषय है। धर्म की त्रुटिपूर्ण किन्तु बड़ी लोकप्रिय व्याख्या लोगों के बीच में मिलती है। ध्यान दीजिये, आध्यामिकता में किसी एक धर्म के प्रति निष्ठा महत्वपूर्ण नहीं है। आध्यात्मिकता जहां एक और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के जैसा मानने का विचार देती है वहीं दूसरी ओर धर्म की समकालीन स्थिति यह है कि सारा विश्व अलग–अलग जाति धर्म और संप्रदाय में बंट गया है। आत्मवत्सर्वभूतेषु का सिद्धांत आध्यात्म की मूल आत्मा है। दरअसल एक रिलीजियस व्यक्ति आध्यात्मिक भी हो सकता है, लेकिन एक आध्यात्मिक व्यक्ति धर्म के लोकप्रिय स्वरुप के अनुसार धार्मिक भी हो ऐसा आवश्यक नहीं है। यहाँ यह भी समझना आवश्यक है कि भारतीय दर्शन में धर्म शब्द का मूल अर्थ उस शब्द से नहीं है जिसे दुनिया रिलीजन कहती है। असल में धर्म का मूल अर्थ व्यक्ति के नियत कर्तव्यों और उनके पालन से है।

प्राचीन सांस्कृतिक एवं धार्मिक साहित्य में भी समझ के वैज्ञानिक स्वरूप देखे जा सकते हैं। उदाहरण के लिये वैज्ञानिकों द्वारा गीता का अध्ययन कर उसमें विजडम, प्रज्ञा, ज्ञान आदि पर 10 घटक खोजे गये हैं। इनमें से जीवन का ज्ञान, भावनात्मक विनियमन (इमोशनलरेगुलेशन) या आत्म–नियंत्रण, इच्छाओं पर नियंत्रण, मध्यम–मार्ग (मॉडरेशन या टेम्पेरेंस) निर्णायकता, आत्मा और उसके विषय में ज्ञान, ईश्वर पर विश्वास, कर्म–योग, आत्म–संतोष, प्राणियों के प्रति दया, दान, योग इत्यादि ऐसे विषय हैं जो केवल दर्शन या धर्म के विषय नहीं हैं बल्कि क्लिनिकल ट्रायल्स में भी उपयोगी पाये गये हैं। वर्तमान और अद्यतन शोध की स्थिति यह है कि विजडम, बुद्धिमत्ता या प्रज्ञा के कम से कम सात घटक पहचाने जा चुके हैं। इनमें (1) सहिष्णुता एवं वैचारिक विविधता को स्वीकार करना, (2) अनिश्चितता के रहते हुये भी निर्णय लेने की क्षमता, (3) भावनात्मक विनियमन या इमोशनलरेगुलेशन, (4) समाजोन्मुखी व्यवहारया प्रोसोशल बिहेवियर जिसमें आत्म–नियंत्रण, दया, सहायता और करुणा आदि शामिल हैं, (5) आत्म–समीक्षा, (6) उचित सलाह देने में तत्परता या सोशल एडवाइजिंग तथा (7) आध्यात्मिकता शामिल हैं। जिस व्यक्ति में यह सभी सातों क्षमतायें (प्रज्ञा के घटक) पाये जाते हैं वह उन परिस्थितियों से बड़ी आसानी से बाहर निकल जाता है जिनमें प्रज्ञा में कमी वाले व्यक्ति उलझ जाते हैं।

वस्तुतः प्रज्ञा का मूल उद्देश्य स्वयं की और समाज की जिंदगी में बेहतरी लाना है। यहां एक प्रश्न उठता है कि यह विजडम, बुद्धिमत्ता या प्रज्ञा तो दुधारी तलवार हो सकती है। कोई ऐसा व्यक्ति भी हो सकता है जिसमें तिकड़मी बुद्धिमत्ता या एविल–विजडम हो। दरअसल ऐसा नहीं होता। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि प्रज्ञा व्यक्ति को सदैव आत्म–नियंत्रित, आत्म–समीक्षक, और समाजोपयोगी ही बनाती है। प्रज्ञावान व्यक्ति अपने जीवन को सदैव बेहतर बनाता है और एक ऐसी आयु प्राप्त करता है जिसे आयुर्वेद में सुखायु कहा जाता है। सुखायु के साथ–साथ प्रज्ञावान व्यक्ति एक ऐसी आयु भी प्राप्त करता है जिसे आयुर्वेद में हितायु कहा जाता है। सुखायु और हितायुप्रज्ञावान व्यक्ति के लिये ही संभव है। शातिर दिमाग, तिकड़मी या चलता–पुर्जा व्यक्ति प्रज्ञावान नहीं होता। तिकड़म के लिये उसके पास जानकारी बहुत हो सकती है परंतु प्रज्ञाविहीन कोरी जानकारी सुखायु और हितायु नहीं प्रदान कर सकती।

अब हम ज्ञान और समझ से आगे चलकर युक्ति की बात करते हैं जो ज्ञान और समझ सेभी आगे समस्याओं के हल का रास्ता है। यह लोगों को लीक से हटकर सोचने और समस्याओं के समाधान हेतु विविध विकल्प देते हुए श्रेष्ठ विकल्प चुनने में मदद करती है। युक्ति एक सार्वभौमिक प्रबंधकीय सिद्धांत है। प्राचीन भारत के महर्षि–वैज्ञानिक आचार्य चरक, जो युक्ति–व्यपाश्रय सिद्धांत के जनक माने जाते हैं, के अनुसार अनेक कारणों की समग्रता और एकीकरण से उत्पन्न भावों को जो बुद्धि देखती है, वह युक्ति है। युक्ति से वर्तमान, भूत और भविष्य, तीनों कालों को जाना जा सकता है। युक्ति के द्वारा धन–संपत्ति, धर्म और कत्तर्व्यपालन और उपभोग और आनंद प्राप्त किया जाता है (च.सू.11.25): बुद्धिःपश्यति या भावान्बहुकारणयोगजान्। युक्तिस्त्रिकाला सा ज्ञेयात्रिवर्गःसाध्यतेयया।। ध्यान दीजिये, यहाँ आचार्य चरक ने युक्ति को परिभाषित तो किया ही है, साथ ही युक्ति के लक्षण और व्यापक सार्वभौमिकता का दर्शन भी स्पष्ट किया है। युक्ति के द्वारा अर्थ, धर्म और काम की सिद्धि का सिद्धांत वस्तुतः जीवन में पुरुषार्थ साधने की रणनीति है। संक्षेप में कहें तो पूर्व में प्राप्त समग्र अनुभव और जानकारी के द्वारा अज्ञात को जान लेने वाली बुद्धि ही युक्ति है।

युक्ति केवल कोरा दर्शन नहीं बल्कि एक ठोस प्रायोगिक साधन है। एक उदाहरण से युक्ति का ठोस प्रायोगिक महत्त्व और भी स्पष्ट हो जायेगा। सामान्य–विशेष सिद्धान्त के अनुसार एक जैसे भावों (द्रव्य, गुण और कर्म) को समान प्रकार के भावों से मिलाने पर बढ़त होती है और विशेष या असमान भावों को मिलाने पर ह्रास या घटत होती है। यह विज्ञात अर्थ है। इस सिद्धान्त के अनुसार एक बात स्पष्ट होती है कि घर में गुस्सैल किशोर या किशोरी के गुस्से को ठंडा करने के लिये यदि माता–पिता गुस्से और चिड़चिड़ाहट से पेश आते हैं तो किशोरों का गुस्सा और ज्यादा भड़केगा। इसके विपरीत यदि गुस्सैल किशोर या किशोरी से माता–पिता स्नेहपूर्वक व्यवहार करें उनका गुस्सा भी शांत हो जाता है। यह युक्ति है।

दैनिक जीवन में समस्या–समाधान हेतु ज्ञान, समझ और युक्ति एक साथ और उत्तरोत्तर श्रेणीबद्ध रूप दोनों प्रकार से उपयोगी हैं। ज्ञान जानकारी और तथ्य प्रदान करता है जो हमें समस्या को समझने और संभावित समाधानों पर मंथन करने में मदद कर सकता है। समझ हमें पिछले अनुभव और स्थिति के आधार पर बुद्धिमानी से निर्णय लेने में मदद करती है। युक्ति हमें आगा–पीछा देखकर एक जटिल समस्या को छोटे, आसानी से प्रबंधन–योग्य चरणों में तोड़ने में मदद करती है, जिसे समस्या को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए लागू किया जा सकता है। इन तीन बहुआयामी संसाधनों के बिना जीवन में हर क्षण आने वाली जटिल समस्याओं का प्रभावी समाधान निकालना लगभग असंभव हो जाता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अजयसर में सेही के हमले से तेंदुए की मौत, शव पर मिले चार कांटे

अजमेर, (कासं)। शहर के अजयसर के जंगलों में एक तेंदुए का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। वन विभाग के द्वारा तेंदुए का शनिवार को पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार किया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार सेही के हमले से तेंदुए की मौत हुई है। पोस्टमार्टम के दौरान तेंदुए के शरीर से करीब 3 से 4 कांटे भी मिले हैं। तेंदुए का शव 10 दिन पुराना बताया जा रहा है।

- **वन विभाग ने मेडिकल बोर्ड से करवाया पोस्टमार्टम**

गौरतलब है कि 23 जून की शाम 6 बजे के करीब अजयसर फॉरेस्ट एरिया में ग्रामीणों को तेंदुए का सड़ा–गला शव दिखाई दिया। ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलने पर रेंजर देशराज मेघवाल टीम के साथ पहुंचे, जहां उन्हें तेंदुए का सड़ा गला शव मिला। रेंजर देशराज मेघवाल ने बताया कि तेंदुए का शव 10 दिन पुराना है। मौके पर जायजा लेने के बाद बॉडी को घुघरा नर्सरी में ले जाया गया। रेंजर मेघवाल ने बताया कि तेंदुए की बॉडी ज्यादा सड़ जाने के कारण जेंडर का खुलासा नहीं हो पाया है। शनिवार को नर्सरी में तेंदुए का पोस्टमार्टम करवाया गया है और पोस्टमार्टम के दौरान तेंदुए के शरीर पर 3 से 4 सेही के काटे मिले है। मौके से भी कई काटे मिले थे। पोस्टमार्टम के दौरान डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. राजकुमार सहित अन्य डॉक्टर्स सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

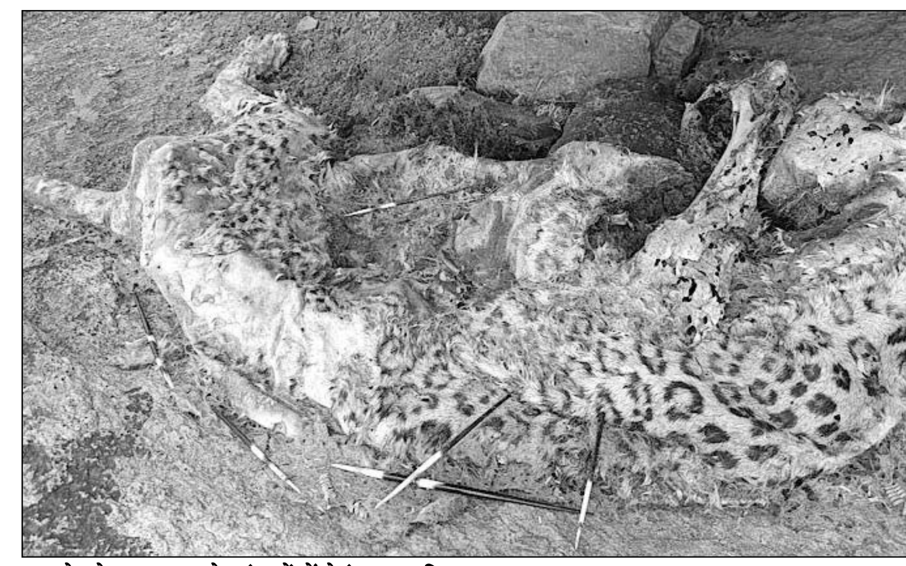

अजमेर के अजयसर के जंगलों में तेदुंआ मृत मिला।

महिला से किसी और के बिजली बिल की बकाया राशि वसूली जा रही है

देवली, (निसं)। विद्युत विभाग की मनमानी जनता के लिए दमनकारीनीति साबित होती जा रही है। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को सामने आया है। यहां विद्युत विभाग किसी अन्य व्यक्ति के नाम की बकाया राशि एक महिला से जबरन वसूल करने की हठधर्मिता अपनाए हुए है।

मामला यह है कि जयपुर डिस्कॉम ने 2009 में विद्युत उपभोक्ता धर्म चंद पुत्र रामेश्वर लाल कुमावत निवासी जयपुर रोड देवली के नाम पर 25632 रुपये की बकाया राशि निकाल रखी है। इस बकाया राशि को विभाग के अधिकारी एक अन्य विद्युत महिला उपभोक्ता संतरा देवी से जबरन वसूल करना चाह रहे हैं। जबकि पीड़ित महिला का धर्म चंद कुमावत से दूर–दूर तक कोई रिश्ता नहीं है। बस गुनाह इतना है कि 2010 में संतरा देवी ने धर्म चंद कुमावत से मकान बनाने के लिए आवासीय भूमि खरीदी थी। 2009 में धर्म चंद कुमावत विद्युत विभाग की बकाया राशि चुकाए बगैर ही लापता हो गया। विद्युत विभाग वाले जिसकी तलाश कर रहे हैं। लेकिन धर्म चंद कुमावत अब तक विद्युत विभाग गर्मियों के पकड़ में नहीं आया जिसका खामियाजा संतरा देवी को भुगतना पड़ रहा है। इसलिए कि विद्युत विभाग का यह मानना है कि संतरा देवी ने धर्म चंद कुमावत से भूखंड खरीदा है उस पर 2009 से विद्युत विभाग की बकाया राशि चल रही है। इस पर संतरा देवी ने उक्त व्यक्ति के नाम की राशि जमा कराने से इंकार कर दिया तो विद्युत विभाग के अधिकारियों ने संतरा देवी के नाम का विद्युत कनेक्शन काटकर उसे अंधेरे में रहने के लिए मजबूर कर दिया है। साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों ने महिला उपभोक्ता को चेतावनी दी है कि जब तक संतरा देवी धर्म चंद कुमावत के नाम की बकाया राशि जमा नहीं करा देती तब तक अधिकारी संतरा देवी के घर का विद्युत लाइन नहीं जोड़ेंगे। जबकि धर्मचंद का विद्युत खाता संख्या 181100 47 है और संतरा देवी का विद्युत खाता संख्या 21010 194 हैं।

- **बिजली विभाग के अधिकारियों ने नियमित बिल जमा कराने वाली महिला का विद्युत कनेक्शन काट दिया**

इस मामले में यह सामने आई की जयपुर डिस्कॉम ने 13 साल बाद उक्त भूमि के पूर्व मालिक के नाम बकाया राशि को वर्तमान भूमि की मालिकान संतरा देवी नामक एक महिला से वसूलने की योजना बनाई है। उक्त दौरान की विद्युत बकाया राशि चुकाने का नोटिस धर्म चंद के नाम से जारी करके विद्युत उपभोक्ता संतरा देवी पर उक्त व्यक्ति की बकाया राशि को चुकाने का दबाव बनाया जा रहा है। जबकि दोनों ही विद्युत विभाग के अलग–अलग उपभोक्ता हैं।

पीड़ित महिला का कहना है कि उनके नाम से विद्युत कनेक्शन पर जो बिल हर महा जारी किया जाता है उसे वह कनेक्शन लिए जाने से लेकर अब तक नियमित रूप से जमा कराती हुई आई है। विद्युत विभाग में उनके नाम कोई बकाया राशि नहीं है। यह विभाग भी मानता है। इसके बावजूद अधिकारी ने संतरा देवी के नाम के कनेक्शन को काट दिया इसलिए कि 2009 की बकाया राशि धर्मचंद पुत्र रामेश्वर लाल कुमावत के नाम से बकाया चल रही है। जो पहले उक्त निवास का मालिक हुआ करता था।

दिनेश कुमार जैन सहायक अभियंता जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का कहना है कि धर्म चंद कुमावत के नाम 2009 से 25632 की बकाया राशि चल रही है। धर्म चंद कुमावत का मकान भूमि 2010 में संतरा देवी ने खरीद लिया। 2016 में विभाग को अंधेरे में रखते हुए संतरा देवी ने अपने नाम से नया कनेक्शन जारी करवा लिया था। विभाग के नियम अनुसार जिस भूमि या भवन पर विभाग का बकाया रहता है और उसका बेचान हो जाता है, तो इस पर खरीददार से विद्युत का बकाया वसूली किए जाने के नियम हैं। इसीलिए संतरा देवी का विद्युत कनेक्शन काटकर धर्मचंद की बकाया राशि संतरा देवी से वसूली किए जाने की कार्रवाई की है।

बूंदी का किला जल्द ही रात में भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा

बून्दी, (निसं)। बूंदी का ऐतिहासिक किला जल्द ही रात के समय भी पर्यटकों और आमजन के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाएगा। किले पर जल्द ही फसाड लाइट्स लगाने का काम प्रारंभ होने वाला है। इसके लिए टेण्डर प्रक्रिया पूरी हो गई है। बूंदी के स्थापना दिवस के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को अपने ट्विटर और फेसबुक पेज पर लाइट्स लगने के बाद के प्रस्तावित लुक की फोटो साझा कीं।

- **बूंदी किले पर जल्द शुरू होगा फसाड लाइट्स लगाने का काम**
- **लोकसभा अध्यक्ष ने फेसबुक पर साझा किया लाइट्स लगने के बाद लुक**

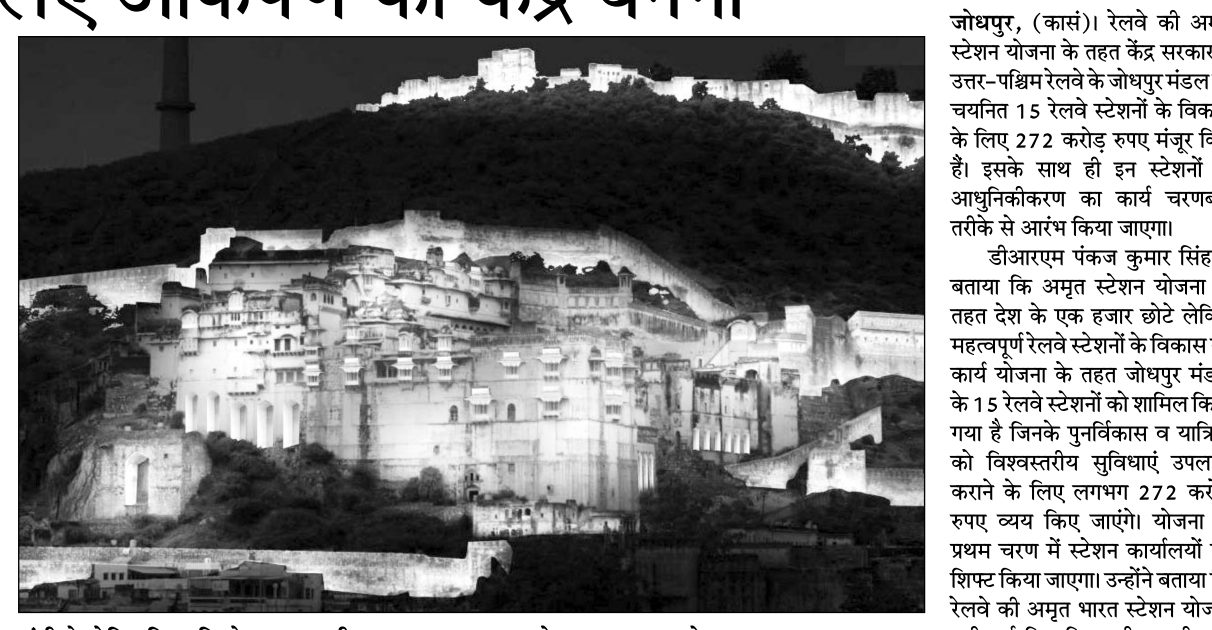

बूंदी के ऐतिहासिक किले पर जल्द ही फसाड लाइट्स लगाने का काम शुरु होगा।

गौरवशाली विरासत और अद्भुत स्थापत्य कला संजोए बूंदी के किले, बावड़ियों व अन्य ऐतिहासिक स्थलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक देश–विदेश से आते हैं। दिन में इन पर्यटन स्थलों पर रौनक रहती है, लेकिन रात में जैसे यह अंधेरे में खो जाते हैं। फसाड लाइट्स के माध्यम से राज के समय इनकी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश पर कार्ययोजना तैयार की गई थी। इसके पीछे उद्देश्य था कि रात के समय भी यह किले और ऐतिहासिक स्थल आकर्षण का केंद्र रहे। पर्यटकों के साथ आसपास के जिलों, नगरों, कस्बों और गांवों के लोग भी इन्हें देखने के लिए बूंदी आए। विभिन्न एजेंसियों और स्थानीय लोगों से चर्चा के बाद यहां फसाड लाइट्स लगाने की प्लानिंग की गई। अब इसको लगाने के टेंडर भी हो गए हैं। बहुत जल्द फसाड लाइट्स लगने का काम पूरा हो जाएगा।

बूंदी के किले पर फसाड लाइट्स लगाने काम गुणवत्ता के साथ हो इसके लिए स्पीकर बिरला के निर्देश पर विशेष ध्यान दिया गया है। लाइट्स लगाने की प्लानिंग का पूरा काम ऐसी कम्पनी को सौंपा गया जो अमृतसर में हरमंदिर साहिब (गोल्डन टेंपल), जयपुर में हवा महल, कृष्ण जन्मभूमि मथुरा, ग्वालियर के किले सहित देश के अनेक प्रमुख स्थलों पर कार्य कर चुकी है। स्पीकर बिरला के प्रयासों से केशवरायपाटन मंदिर परिक्षेत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत 70 करोड़ रूपए के विकास कार्य होंगे। इस कार्यों की भी डीपीआर निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। स्पीकर बिरला ने शनिवार को केशवरायपाटन मंदिर परिक्षेत्र का संभावित लुक भी बूंदी के स्थापना दिवस पर शनिवार को ट्विटर और फेसबुक पर साझा किया।

जोधपुर मंडल के 15 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

जोधपुर, (कासं)। रेलवे की अमृत स्टेशन योजना के तहत केंद्र सरकार ने उत्तर–पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर चयनित 15 रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 272 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इसके साथ ही इन स्टेशनों के आधुनिकीकरण का कार्य चरणबद्ध तरीके से आरंभ किया जाएगा।

डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि अमृत स्टेशन योजना के तहत देश के एक हजार छोटे लेकिन महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों के विकास की कार्य योजना के तहत जोधपुर मंडल के 15 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है जिनके पुनर्विकास व यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगभग 272 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। योजना के प्रथम चरण में स्टेशन कार्यालयों को शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना इसी वर्ष क्रियान्वित की जाएगी तथा इन स्टेशनों का सर्वे करवा लिया गया है। पुनर्विकास होने के बाद इन स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। डीआरएम ने बताया कि रेल मंत्रालय की अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के तहत जोधपुर मंडल के 15 प्रमुख स्टेशन नागौर, नोखा, बाड़मेर, मेड़ता हैं. रोड, मारवाड़, भीनमाल, डीडवाना, गोटन, सुजानगढ़, जालौर, रामदेवरा, बालोतरा, रेन, फलोदी, डेगाना और देशनोक शामिल हैं।

राशिफल रविवार 25 जून, 2023

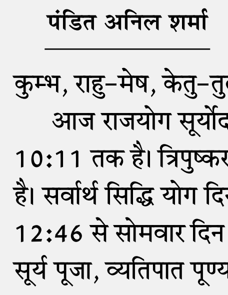

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रातः 10:11 तक, व्यतिपात योग सोमवार प्रातः 6:06 तक, चन्द्रमा आज सांय 4:52 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–कर्क, बुध–मिथुन, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से दिन 12:26 तक है। रवियोग दिन 10:11 तक है। त्रिपुष्कर योग दिन 10:11 से रात्रि 12:26 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:11 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 12:46 से सोमवार दिन 1:15 तक रहेगी। आज विवस्त सप्तमी, सूर्य पूजा, व्यतिपात पूण्य, भानु सप्तमी है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:21 से 9:04 तक, लाभ–अमृत 9:04 से 12:31 तक, शुभ 2:12 से 3:55 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:34, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर–परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ मनोरंजन के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों को सुविधानुसार करने का प्रयास करें। वाणि पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
व्यक्तिगत कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। मनोरंजन में समय व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। स्थाई सम्पत्ति से धन लाभ होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 73 संख्या: 323 प्रभात जयपुर, रविवार 25 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Lost Snake Charmer

"Tonight it's my wife's turn to keep the basket with her; she will keep the basket in her rajai with herself to keep the snakes warm.

Stories of Kanipa and Gorakhnath

Elevating the Power of Design

One stop shop for artistes, art lovers & design enthusiasts

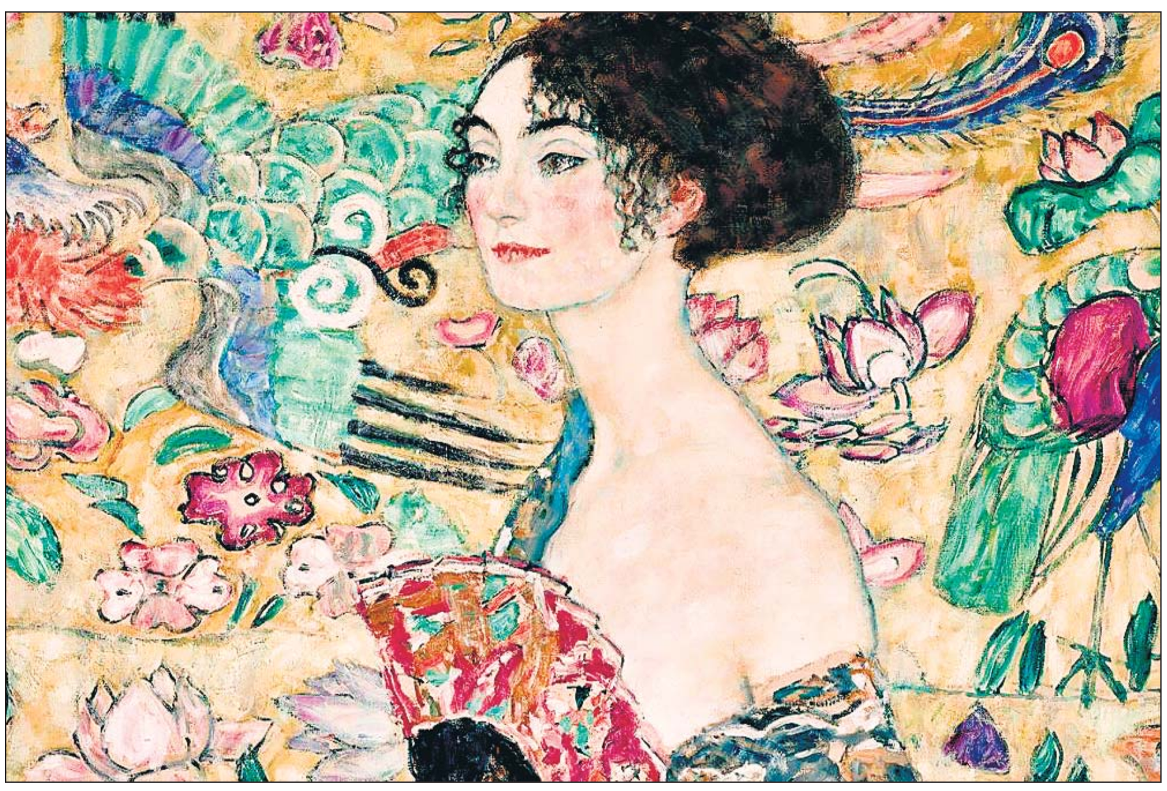

गुस्टाव क्लिम्ट की अंतिम कलाकृति इस माह के अंत तक नीलाम होने वाली है और पूरी संभावना है कि यह यूरोप की सबसे महंगी पेंटिंग बन सकती है। विएना के इस कलाकार ने सन् 1918 में अपनी मृत्यु से ठीक पहले ''लेडी विद फैन'' नाम की यह पेंटिंग पूरी की थी। गत 30 साल से यह ऑक्शन के लिए नहीं आई है। अब लंदन में सॉथबीज़ इसकी नीलामी करने जा रहा है और उम्मीद है कि यह तकरीबन 8 करोड़ डॉलर में बिकेगी। गुस्टाव क्लिम्ट अपने अंतिम वर्षों में एक प्रतिष्ठित पेंटर बन चुका था और पोर्ट्रेट बनाने में उसे महारथ प्राप्त थी। लेकिन ''लेडी विद फैन'' उसकी अन्य कलाकृतियों से अलग है। विशेषज्ञ कहते हैं कि, क्लिम्ट को यह पेंटिंग बनाने का कॉन्ट्रैक्ट किसी ने दिया नहीं था, उसने सिर्फ अपनी खुशी के लिए यह कलाकृति बनाई थी। विएना की महिलाओं को मादक अंदाज़ में दर्शाना उसका प्रिय विषय था। सॉथबीज़ की हैलेना न्यूमैन ने कहा कि, पोर्ट्रेट में चित्रित महिला किसी की बेटी नहीं थी जो क्लिम्ट के पास अपना पोर्ट्रेट बनवाने गई थी, बल्कि यह तो क्लिम्ट का एक्सपैरिमैंट था, जिसमें वह सीमाओं को तोड़ देना चाहता था। अपने पूरे करियर में क्लिम्ट अपने समकालीन कलाकारों के बीच विवादों का केन्द्र बना रहा। उसने ''विएना सिसेशन मूवमैंट'' की स्थापना की और अकैडमिक आर्ट के खिलाफ बगावत की थी। उसने अलंकारिक शैली को ज्यादा तवज्जो दी। इसका जिक्र एनसायक्लोपीडिया ब्रिटैनिका में भी है। उसकी कलाकृतियों में ब्राइट पैटर्न व रंग नज़र आते हैं, जो तत्कालीन पारम्परिक शैली से अलग थे। यह पेंटिंग भी अपवाद नहीं है, जिसकी पृष्ठभूमि में रंग बिरंगी चिड़ियाँ, कमल के फूल दिखाई दे रहे हैं, तथा पेंटिंग में नजर आ रही स्त्री ने किमोनो पहन रखा है। पेंटिंग हाल ही में विएना के अपर बैलवडियर म्यूज़ियम में प्रदर्शित की गई थी। क्लिम्ट ने 1890 के दशक में एशियन आर्ट की पढ़ाई की थी और खासकर जापानी कला में उसे बहुत ज्यादा दिलचस्पी थी। क्लिम्ट ने चीन, कोरिया, पर्शिया व भारतीय कला शैली का भी अध्ययन किया था। ''लेडी विद फैन'' में चीन व जापान का प्रभाव नज़र आता है। इसमें जापान के वुड ब्लॉक पोर्ट्रेट का असर भी देखा जा सकता है, उनमें भी महिला को ऐसी ही मुद्राओं में दर्शाया जाता है।

अमेरिका के प्यू रिसर्च सैन्टर का सर्वे काफी रोचक है

सर्वे के अनुसार, हालांकि, ज्यादातर अमेरिकी भारत के बारे में अच्छा सोच रखते हैं, पर, कईयों ने मोदी का नाम नहीं सुना

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **59 प्रतिशत युवा अमेरिकी, जिनकी आयु तीस वर्ष से कम है, ने सर्वे में बताया कि, वे नहीं जानते मोदी कौन हैं।**
- **जब अमेरिका वासियों को भारत का झण्डा दिखाया गया तो, केवल 41 प्रतिशत लोग सही उत्तर दे सके कि, यह हिन्दुस्तान का झण्डा है।**
- **51 प्रतिशत अमरीकियों का भारत के प्रति सकारात्मक सोच, पर 44 प्रतिशत का नकारात्मक सोच है।**
- **डेमोक्रेटिक पार्टी या डेमोक्रेटिक सोच से इत्तफाक रखने वाले लोग भारत के प्रति ज्यादा सकारात्मक सोच रखते हैं, रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों की तुलना में।**
- **23 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं, भारत का प्रभाव बढ़ा है विश्व में, पर 11 प्रतिशत मानते हैं कि, प्रभाव घटा है। 64 प्रतिशत मानते हैं, प्रभाव में खास परिवर्तन नहीं हुआ है।**

नई दिल्ली, 24 जून। भारतीय प्रधानमंत्री शुक्रवार को अमेरिका पहुंचे, पर उससे पहले हुए एक सर्वे में मोदी के बारे में पूछे जाने पर अधिकांश युवा अमेरिकन का यही जवाब था, कौन हैं मोदी?

मोदी की यात्रा से पूर्व प्यू रिसर्च सेंटर ने एक सर्वे करवाया, जिसमें पाया कि हालांकि अमेरिकन लोग आमतौर पर भारत को पसंद करते हैं, पर अधिकांश ने मोदी के बारे में नहीं सुना था, और जिन्होंने उनके बारे में सुन रखा था वे उनमें भरोसा नहीं करते हैं। अमेरिका के 40 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्होंने कभी भी मोदी के बारे में नहीं सुना। यही नहीं 30 वर्ष से कम उम्र के 59 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे मोदी को नहीं जानते और 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के 28 प्रतिशत लोगों ने भी मोदी के प्रति अनभिज्ञता जताई। उच्च शिक्षित की तुलना में ऐसे कम शिक्षित व्यस्कों की संख्या ज्यादा है जिन्होंने मोदी के बारे में कभी नहीं सुना।

लेकिन सरकार द्वारा मोदी का जो भारी स्वागत किया गया है और उसको मीडिया में जो शानदार कवरेज मिला है और मोदी और बाइडन के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ताओं व दोनों देशों के बीच हुए रक्षा, स्पेस व तकनीकी समझौता से इस धारणा में थोड़ा बदलाव आ सकता है। इसके अलावा सर्वे कहता है कि जिन्होंने मोदी के बारे में सुन रखा था व उनमें से अधिकांश के प्रति नकारात्मक धारणा रखते थे। शोध में शामिल 37 प्रतिशत लोगों को विश्व मामलों में कुछ सही कर पाने की उनकी क्षमता पर संदेह है, सिर्फ 25 प्रतिशत को उन पर भरोसा है। अधिकांश अमेरिकन्स भारतीय झंडे के बारे में नहीं जानते, वर्ष 2022 में अमेरिकन की अन्तर्राष्ट्रीय मामलों पर जानकारी के लिए हुए टैस्ट में तिरंगे झंडे की तस्वीर दिखाई गई थी, तब सिर्फ 41 प्रतिशत ने सही जवाब दिया था। स्नातक डिग्री या उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों के भारतीय झंडे की सही पहचान करने की संभावना ज्यादा थी। साथ ही बुजुर्गों की तुलना में युवा वर्ग भारतीय झंडे को सही पहचान करने में ज्यादा सक्षम है। सर्वे के अनुसार कंजर्वेटिव रिपब्लिकन्स की तुलना में 16 प्रतिशत उदार डैमोक्रेट्स ने भारतीय झंडे को पहचाना।

अमेरिका के लगभग 51 प्रतिशत वयस्क भारत के प्रति अच्छी राय रखते है वही इससे कुछ कम 44 प्रतिशत की राय भारत के प्रति अच्छी नहीं है। शिक्षा के अनुसार भी सोच प्रभावित हुई है। स्नातक या उससे ज्यादा शिक्षित 55 प्रतिशत अमेरिकन्स भारत के प्रति सकारात्मक सोच रखते है वही कॉलेज जाने वाले 50 प्रतिशत लोगों की सोच भी ऐसी है।

डैमोक्रेट्स व डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रति झुकाव रखने वाले लोगों (56 प्रतिशत) की रिपब्लिकन्स या रिपब्लिकन रूझान वाले लोगों (48 प्रतिशत) की तुलना में भारत के प्रति ज्यादा सकारात्मक सोच है। भारत की वैश्विक स्थिति को देखते हुए 64 प्रतिशत अमेरिकन मानते हैं कि विश्व में भारत का प्रभाव नहीं बदला है पर 23 प्रतिशत मानते हैं कि भारत का प्रभाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक के बाद तमिलनाडू भी ''ओपन मार्केट'' से चावल खरीदने को मजबूर हुआ

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **दोनों राज्यों को बी.पी.एल. परिवारों को ''फ्री'' चावल देने की उनकी स्कीम के लिये फूड कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया (एफ.सी.आई.) ने चावल देने से इन्कार कर दिया है।**
- **केन्द्र सरकार के दबाव में एफ.सी.आई. ने यह निर्णय लिया है, अतः यह दोनों राज्यों में यह राजनीतिक मुद्दा बन रहा है।**
- **केन्द्रीय सरकार पर, दक्षिण भारत विरोधी रवैया व सोच रखने का आरोप लगा रही हैं स्थानीय पार्टियाँ।**
- **भाजपा की दक्षिण भारत में जड़ें जमाने की चेष्टा को इस प्रचार से धक्का लगेगा।**

नई दिल्ली, 24 जून। कर्नाटक के गरीब लोग फिलहाल 10 किग्रा मुफ्त चावल पाने से वंचित हो गये हैं क्योंकि भारतीय खाद्य निगम ने, ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत, राज्य को चावल बेचने से इनकार कर दिया है। कर्नाटक सरकार अपने चुनावी वादे को पूरा करने, अन्न भाग्य 2.0 स्कीम लागू करने के लिये, चावल की अतिरिक्त मात्रा की तलाश में है। यह स्थिति केवल कर्नाटक की ही नही है, ठीक यही स्थिति इसके पड़ोसी राज्य तमिलनाडु की भी है। फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफ.सी.आई.) ने इस राज्य को भी ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत चावल बेचने से इनकार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में भी एक ऐसी पार्टी का शासन है, जो केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा की विरोधी है।

तमिलनाडु को केन्द्र सरकार द्वारा सामान्य रूप से 2.97 लाख टन चावल आवंटित किये जा रहे है जिससे केन्द्र खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पी.डी.एस. के अन्तर्गत चावल देने की अपनी बाध्यता का निर्वहन कर सके, लेकिन राज्य को अपनी मुफ्त चावल योजना को आसानी से संचालित करने के लिये 50,000 टन अतिरिक्त चावल की आवश्यकता है।

केन्द्र सरकार का कहना है कि राज्यों को अतिरिक्त चावल नहीं बेच सकती, क्योंकि उसे किसी भी आकस्मिक परिस्थिति तथा कीमतों को यथास्थिति में बनाये रखने के लिये चावल के बड़े एवं सुरक्षित भंडार की आवश्यकता है। ठीक कर्नाटक की तरह ही, तमिलनाडु भी वहन करने योग्य मूल्य पर चावल की तलाश के लिये मजबूर हो गया है। इस समय तमिलनाडु सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन नैशनल को-ऑपरेटिव कन्ज्यूमर्स फैडरेशन ऑफ इंडिया (एन.सी.सी.एफ.) तथा अन्य राज्यों, जैसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा छत्तीसगढ़ से चावल खरीदने के लिये मोल-भाव कर रहा है। तमिलनाडु को अपनी अपेक्षित वार्षिक जरूरत को पूरा करने के लिये, कुल मिलाकर 6 लाख टन अतिरिक्त चावल खरीदने की जरूरत है।

जब कॉर्पोरेशन को विभिन्न स्रोतों से चावल के भाव की जानकारी मिल जायेगी, उसके बाद ही तमिलनाडु सरकार चावल खरीद के बारे में कोई निर्णय ले पायेगी। तमिलनाडु पहले भी अन्य राज्यों से चावल खरीदता रहा है। दिसम्बर 2022 से मार्च 2023 के बीच, इस राज्य ने अकेले एन.सी.सी.एफ. से ही 3 लाख टन चावल खरीदे थे। हो सकता है कि केन्द्र चावल बेचने से इन्कार करने के मामले में सही हो तथा उसे पास ऐसा करने के उचित कारण हों, लेकिन लोकसभा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

अमेरिकन ड्रोन मदद करेंगे भारतीय सेना की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। हिमालय के दूरस्थ क्षेत्रों में, भारत के लिए ''हाई प्राइऑरिटी मिशन'' पर तैनात ड्रोन आकाश में चक्कर लगा रहे हैं, चीन व भारत की सीमा पर चीन की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए। तीन अरब डॉलर की इस खरीद की घोषणा मोदी के वॉशिंगटन दौरे के दौरान की गई। वॉशिंगटन स्ट्रीट जर्नल ने कहा, कुछ

- **विवादास्पद भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ करने वाले चीन के सैनिकों को ट्रैक करने के लिये भारतीय सेना को जल्दी ही अमेरिकन ड्रोन मिल जाएंगे। प्र.मंत्री मोदी ने इस संबंध में 3 अरब डॉलर की डील पर हस्ताक्षर किए हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल ''कॉर्नर्ड'' हुए पटना सम्मेलन में

यह घटना उल्लेखनीय है, क्योंकि यह उस माहौल का प्रतीक है, जो पटना के ''विपक्ष सम्मेलन'' में दिखा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **नेताओं का रूख अड़ियल नहीं था, वरन् काफी लचीला था, नेता आपस में एडजस्टेमैंट करने के मूड में दिखे।**
- **उदाहरण के लिये, कांग्रेस को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सबसे पहले बोलने का मौका दिया गया, पर खड़गे सबके बाद बोले।**

नई दिल्ली, 24 जून। बिहार की राजधानी पटना में कल हुई 16 गैर एन.डी.ए. विपक्षी नेताओं की चार घंटे तक चली मीटिंग में 32 नेताओं के शब्दों में 2024 के आम चुनावों में भाजपा को हराने की अभूतपूर्व इच्छा साफ दिखाई दे रही थी।

मीटिंग का संदेश और भी ज्यादा सारगर्भित एवं विश्वसनीय हो सकता था, लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविन्द केजरीवाल की भूमिका ने संदेह पैदा कर दिया। उनकी इस मांग ने मीटिंग में असामंजस्यपूर्ण स्थिति ला दी कि कांग्रेस को इस मीटिंग में ही अध्यादेश के मुद्दे पर अपना रूख स्पष्ट कर देना चाहिये। गनीमत यही रही कि उन्होंने अपनी इस धमकी पर अमल नहीं किया कि अगर कांग्रेस उनकी मांग नहीं मानी तो वे वॉकआउट कर जाएंगे। केजरीवाल के इस अपवाद को छोड़कर, मीटिंग में हर प्रकार से लचीलापन, सद्भाव एवं ईमानदारी दिखाई दी क्योंकि ज्यादातर नेता सीटों के समायोजन में कुछ लेने तथा कुछ देने के लिये तैयार थे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भाजपा से होने वाली चुनावी लड़ाई सीधी तथा वन-टु-वन हो जाए।

सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, सबसे पहले कांग्रेस से बोलने को कहा गया लेकिन पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने, सभी नेताओं को सुनने के बाद, अंत में बोलना ज्यादा उचित समझा। सबसे पहले बिहार के मुख्यमंत्री तथा जे.डी. (यू) प्रमुख नीतीश कुमार बोले तथा उन्होंने इस मीटिंग को विशाल विपक्षी एकता की दिशा में पहला कदम बताया। उन्होंने कहा, वर्ष ''2024 नजदीक आने पर, इस गठबंधन में और भी पार्टियाँ शामिल होंगी।'' आर.जे.डी. प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि किसी भी राज्य की सबसे बड़ी पार्टी को नेतृत्व करना चाहिये तथा अन्य पार्टियों को अपना समर्थन प्रदान करना चाहिये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणा में अकेले लड़ेगी भाजपा लोकसभा चुनाव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा की सभी दस लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है, वो अपने सहयोगी दल, सन् 2018 में गठित, जननायक जनता पार्टी (जे.पी.पी.) को एक भी सीट नहीं देगी।

- **भाजपा ने तय किया है कि, चौटाला की जननायक जनता पार्टी को एक भी सीट नहीं दी जाएगी। पार्टी नेतृत्व को लगता है, हरियाणा में चौटाला की पार्टी की वजह से भाजपा की छवि खराब हुई है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्री सीमैंट देश में सबसे बड़ी कम्पनी बनी कॉरपोरेट घोटालों की दृष्टि से?

श्री सीमैंट का यह घोटाला 23 हजार करोड़ रू. से अधिक का माना जा रहा है

- **अब तक हुई जांच से पता चला है कि, कंपनी में प्रतिवर्ष 1400 करोड़ रूपए का फर्जीवाड़ा किया गया। कई प्रकार की टैक्स चोरी करने के लिए सरपंच, ग्राम पंचायत और स्थानीय निकाय से फर्जी एग्रीमैंट्स भी किए गए। इन फर्जी एग्रीमैंट्स के जरिये केन्द्र और राज्य सरकार को करोड़ों का चूना लगाया गया है।**

अजमेर/ब्यावर/मसूदा, 24 जून (निसं)। श्री सीमेंट लिमिटेड कंपनी के अंधेरी देवरी प्लांट (मसूदा), पाली जिले के रास, नवलगढ़ के गोठड़ा प्लांट व जयपुर, उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़ सहित 24 स्थानों पर हुई आयकर विभाग की कार्यवाही में 23 हजार करोड़ रुपए के बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है।

श्री सीमेंट ग्रुप के काले कारोबार का खुलासा, देश का सबसे बड़ा कॉरपोरेट घोटाला माना जा रहा है, जिसमें, 23000 करोड़ रुपए के फर्जीवाड़े के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। आयकर विभाग द्वारा की गई छापे की कार्यवाही में सामने आया है कि, प्रतिवर्ष 1400 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया। सरपंच, ग्राम पंचायत और स्थानीय निकाय से फर्जी एग्रीमेंट भी किए गए। फर्जी एग्रीमेंट से केंद्र और राज्य सरकार को भी चूना लगाया गया है। आयकर विभाग के छापे के बाद से ग्रुप संचालक फरार हैं और प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है।

आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, इस ग्रुप के सदस्यों से जब इस मामले में पूछताछ की गई तो उन्होंने इस संबंध में जानकारी होने से इन्कार कर दिया। वहीं, ग्रुप के चेयरमैन एच.एन. बांगड़ और वाइस चेयरमैन प्रशांत बांगड़ छापेमारी के बाद से बाहर निकल गए हैं।

आयकर विभाग की कार्रवाई से मचे हड़कंप के बाद से मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज अखौरी, नितिन देसाई फरार हैं। डायरेक्टर श्रीकांत सोमानी और सी.एफ.ओ. सुभाष जाजू भी फरार हैं। ग्रुप के संचालक व ग्रुप के चेयरमैन एच.एम. बांगड़ तथा वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत बांगड़ जवाब नहीं दे पा रहे हैं कि, आखिर एक दशक से कोई टैक्स क्यों नहीं भरा। ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट अरविंद खींचा को भी छापेमारी के दौरान कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया लेकिन वे भी अधिकारियों के सामने नहीं आए। मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज अखोरी, डायरेक्टर नितिन देसाई, डायरेक्टर श्रीकांत सोमानी और सी एफ ओ सुभाष जाजू से भी आयकर अधिकारियों का कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

आयकर अधिकारियों ने फरार हुए कॉरपोरेट के अधिकारियों से संपर्क करने का भरसक प्रयास किया और इनके बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया परंतु ग्रुप के किसी भी सदस्य के पास इनकी जानकारी नहीं होने से अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि फरार हुए अधिकारी कहां और किस जगह पर हैं। बहरहाल आयकर विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। जानकार सूत्रों की मानें तो, आयकर विभाग जल्द ही रियल एस्टेट, माइंस और अन्य बड़े व्यापारियों पर भी छापेमारी कर सकता है।

आयकर विभाग ने हाल ही में अपने तकनीकी संसाधनों को मजबूत करते हुए एक सॉफ्टवेयर का निर्माण कराया है, जिसमें कुछ ही दिनों की जांच पड़ताल में पता चल जाता है कि, सरकार को कितने राजस्व की हानि पहुंचाई जा रही है। देश के इस सबसे बड़े कॉरपोरेट घोटाले को लेकर संभवतः सोमवार को आयकर विभाग द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा।

खड़गे की नई टीम की घोषणा शीघ्र ही होगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी नई टीम के गठन के लिए तैयार हैं, जिसमें युवाओं को जिम्मेदारी देने के साथ-साथ तकरीबन आधा दर्जन राज्य अध्यक्षों को बदला जा सकता है।

- **सूत्रों का कहना है कि, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने अधिकांश पदों पर नियुक्तियाँ फाइनल कर ली हैं। नई टीम का गठन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।**

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, विचार-विमर्श की प्रक्रिया पूरी हो गई है और खड़गे सभी वर्गों व क्षेत्रों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंत्रियों की एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी गलत, मुख्यमंत्री कंट्रोल करें : रंधावा

मंत्री-विधायकों की बयानबाजी पर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी हुए सख्त, मुख्यमंत्री और डोटासरा से की चर्चा

■ रंधावा बोले, ''मंत्री समझ लें, वे मंत्री बाद में है, पार्टी के विधायक पहले'

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस में कभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधायक राजेंद्र पारीक के बीच विवाद के वीडियो सामने आते हैं, कभी विधायक भरत सिंह मुख्यमंत्री को पत्र लिखते हैं, कभी आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह और पूर्व मंत्री नसीम अख्तर के बीच विवाद सामने आता है और अब नगरीय विकास मंत्री मंत्री शांति धारीवाल और खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के बीच बयानबाजी सामने आई है।

चुनावी वर्ष में हो रही नेताओं की इस बयानबाजी को लेकर राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने नाराजगी जताई है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मंत्रियों की बयानबाजी पर रोक लगाने को कहा है। इसी के साथ रंधावा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी से भी इस पूरे मामले में रिपोर्ट मांगी है। रंधावा का कहना है कि मंत्रियों को समझ लेना चाहिए कि वह मंत्री बाद में हैं ,पार्टी के विधायक पहले हैं। ऐसे में इस तरह एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी सही नहीं है।

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पिछले दो दिन के दौरान शांति धारीवाल और प्रतापसिंह खाचरियास की बयानबाजी को लेकर कहा है कि मंत्रियों की एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी ठीक नहीं है। मैंने मुख्यमंत्री से कहा है, आपके मंत्रियों को कंट्रोल करिए। मंत्रियों को कंट्रोल करना चीफ मिनिस्टर का काम है। सरकार के लेवल पर सीएम और संगठन के लेवल पर मैं इस पूरे मामले को देख रहा हूं।

रंधावा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से इस मामले पर चर्चा की है। मुलाकात के दौरान संगठन की चर्चा के साथ ही रंधावा ने आपस में मंत्रियों के मतभेदों को सार्वजनिक मंच पर रखने से बचने की हिदायत दी। बताया जाता है कि सीएम ने मंत्रियों को बयानबाजी पर लगाम लगाने की हिदायत दी है। इसके बाद हमलावर नजर आ रहे खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास के तेवर बदल गए हैं। एक दिन पहले खाचिरयावास ने मंत्री शांति धारीवाल को बीजेपी कार्यकर्ता तक बता दिया था। आज खाचरियावास ने उस मुद्दे पर चुप्पी साध ली है।

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने गुरुवार को उदयपुर में कहा था कि जयपुर बहुत बड़ा शहर है, लेकिन पिछड़ रहा है। प्रदेश में स्मार्ट सिटी में चार शहर कोटा, अजमेर, जयपुर और उदयपुर लिए गए हैं। सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ काम जयपुर का है। मैं वहीं का हूं, लेकिन मैं कुछ नहीं कर सका। तीन-तीन मंत्री, छह-छह विधायक हैं। यही सबसे बड़ी प्रॉब्लम है। अगर न मंत्री होते, न विधायक होते तो काम समय पर पूरे हो जाते। उन मंत्री-विधायकों के आपसी विवाद जो पैदा हो जाते हैं, इसलिए काम अटक जाते हैं। वो कहता है कि यह योजना लाओ, इसको बदलो, इसको करो, उसी में मामला उलझता जाता है।

धारीवाल के बयान के बाद खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने शांति धारीवाल पर पलटवार करते हुए उन्हें बीजेपी कार्यकर्ता तक बताते हुए कहा था कि धारीवाल कांग्रेस को हराना चाहते हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए, माफी मांगनी चाहिए। प्रतापसिंह शुक्रवार को जयपुर में मीडिया से बात कर रहे थे। खाचरियावास ने कहा, ''धारीवाल ने 22 जून को जिस तरह की भाषा बोली उससे यह लग रहा है कि उनके नेता सोनिया गांधी और अशोक गहलोत नहीं, गुलाबचंद कटारिया हैं। धारीवाल बीजेपी के कार्यकर्ता बनकर बात कर रहे रहे थे। उन्होंने संकल्प ले रखा है, कैसे गलत बयान देना है। जिस तरह की भाषा धारीवाल बोल रहे हैं, वह कांग्रेस कार्यकर्ता की नहीं हो सकती। धारीवाल को शर्म आनी चाहिए, पार्टी विरोधी बयान देने के लिए माफी मांगनी चाहिए। धारीवाल को पार्टी से अनुशासनहीनता का नोटिस मिला हुआ है, इसके बावजूद इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। वह कांग्रेस विरोधी है। धारीवाल से जयपुर के किसी दूसरे नेताओं को डर लगता होगा, मुझे नहीं लगता, वह जवाब देंगे तो मैं उनको पलट कर जवाब दूंगा।''

दलित युवती से गैंगरेप मामले से नाराज कांग्रेस देहात महासचिव नायक का इस्तीफा

■ खाजूवाला में दलित युवती के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के प्रकरण में कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के रवैये से नाराज थे नायक

सीताराम नायक

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला में दलित युवती के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के प्रकरण में कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के रवैये से नाराज कांग्रेस के देहात महासचिव सीताराम नायक ने महासचिव व कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को भेज दिया।

यहां पत्रकार वार्ता में इस्तीफे के बारे में जानकारी देते हुए सीताराम नायक ने कहा कि दलित युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या के प्रकरण में पूरी कांग्रे पार्टी के मौन रहने व आपदा मंत्री गोविन्द राम मेघवाल के क्षेत्र में घटना होने के बावजूद मेघवाल द्वारा पीड़ित परिवार को सांत्वना तक नहीं दी गई।

वहीं भाजपा भी इस मामले में राजनीति कर रही है। इसको लेकर वे इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों एक ही है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में नोखा में डेल्टा प्रकरण हुआ तब कांग्रेस विपक्ष में होने पर इसे खूब उठाया। यहां तक राहुल गांधी ने भी इस प्रकरण को लेकर बयान दिये मगर अब कांग्रेस शासन में है तो खाजूवाला में उसी तरह का प्रकरण होने पर कांग्रेस प्रदेश से लेकर दिल्ली तक मौन है। प्रदेश में तीन मंत्री होने के बावजूद भी पीड़ित परिवार को आज तक सांत्वना तक नहीं दे पाये है। उन्होंने कहा कि आपदा मंत्री दो दिन पहले ही धरना स्थल से कुछ दूरी पर महंगाई राहत कैम्प में आये थे मगर धरना स्थल तक नहीं आये। नायक ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है।

उन्होंने कहा कि गहलोत की सरकार बचाने में मदद करने वाले सभी एमएलए मुख्यमंत्री की तरह काम करते हैं। इसकी उन्हें छूट दे रखी है। नायक ने कहा कि खाजुवाला थाना आपदा मंत्री के प्रभाव में है वही उन्होने ऊर्जा मंत्री का नाम लिये बिना कहा कि कोलायत में भी खनन माफिया पनप रहा है उसमें भी मंत्री तक की मिलीभगत है। खाजुवाला बार्डर तक अवैध खनन हो चुका है। उन्होने कहा कि भाजपा भी इस मामले को लेकर राजनीति कर रही है।

दो दिन पहले वार्ता के दौरान सहमति बनने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को देने पर सहमति हो चुकी थी मगर केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम के पुत्र रविशेखर मेघवाल के इशारे पर परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होने कहा कि दो दिन भी वार्ता में उन्ही बिन्दुओं पर सहमति हुई जो दो दिन पहले की वार्ता में हुई थी। उन्होने कहा कि भाजपा और काठोस एक ही है। भाजपा छोडकर अन्य पार्टी में जाने के बारे में पुछे जाने पर नायक ने कहा कि फिलहाल वह किसी पार्टी में नही जायेगे जनता ने चाहा तो व चुनाव जरुर लडेगें।

जयपुर में बीते तीन दिन की तेज गर्मी और उमस के बाद शनिवार को मानसून पूर्व की पहली बारिश हुई। इस दौरान सड़क पर चारों तरफ पानी ही पानी हो गया। अजमेरी गेट से पांच बत्ती चौराहे के बीच मुख्य सड़क पर पानी भरने के कारण आवाजाही अवरूद्ध हो गई, इसके चलते एम.आई.रोड पर भारी ट्रेफिक जाम लग गया। करीब दो से तीन घंटों तक लोग सड़क पर जाम में फंसे रहे। फोटो : राष्ट्रदूत

प्रदेश में एक नया करोना संक्रमित मिला

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को करोना संक्रमण का एक नया मामला सामने आया है। हालांकि इस बीच किसी भी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर नौ हो गए हैं। प्रदेश में शनिवार को जयपुर में एक नया संक्रमित मिला है। इससे पहले शुक्रवार को भी राज्य में एक ही रोगी पाया गया था। इधर राज्य में आज 1363 कोविड जांच की गई है।

आम सूचना दिनांक 24.06.2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या संतोष कुमावत पत्नी श्री चंचल कुमार, निवासी- फ्लेट संख्या एफ-2, प्लाट संख्या 46, तिरुपति विहार, कालवाड़ रोड़, जयपुर द्वारा फ्लेट संख्या एफ-2, प्लाट संख्या 46, तिरुपति विहार, कालवाड़ रोड़, जयपुर स्थित सम्पत्ति को आवास फायनेंसियर्स ली. (ऋण खाता संख्या LNDKB00317- 180070976) से ऋण प्राप्त कर बंधक रखा हुआ है। अब मेरी अभिभाष्या उक्त आवास फायनेंसियर्स ली. से लिए गए ऋण की अदायगी एच. डी. एफ. सी. ली. से ऋण प्राप्त कर उक्त आवास फायनेंसियर्स ली. के उक्त ऋण खाते को बंद करने की इच्छुक है तथा आवास फायनेंसियर्स ली. में उक्त सम्पत्ति के बंधक रखे गए असल विक्रय पत्र/स्वामित्व संबंधित दस्तावेज प्राप्त कर एच. डी. एफ. सी. ली. में बंधक रखेगी। यदि किसी भी व्यक्ति, बैंक, कंपनी, संस्था आदि को मेरी अभिभाष्या के स्वामित्व की उक्त वर्णित सम्पत्ति को एच. डी. एफ. सी. ली. में बंधक रखने से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। **भवदीय**

(रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट मो.नं. 9829256466

आम सूचना दिनांक 24.06.2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती संतोष धर्मपत्नी श्री जुगल किशोर, निवासी- प्लाट संख्या ए-64, सिंह भूमि, खातीपुरा, जयपुर (राजस्थान) के स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति प्लाट संख्या ए-64-बी (जो कि प्लाट संख्या ए-64 का उत्तरी-पूर्वी हिस्सा), सिंह भूमि, स्कीम नं. 13, सेक्टर-ए, खातीपुरा, झोटवाड़ रोड़, जयपुर (राजस्थान), जिसका कुल क्षेत्रफल 39.85 वर्गमीटर (47.66 वर्गगज) व प्लाट संख्या ए-64-सी (जो कि प्लाट संख्या ए-64 का पश्चिमी- उत्तरी हिस्सा), सिंह भूमि, स्कीम नं. 13, सेक्टर-ए, खातीपुरा, झोटवाड़ रोड़, जयपुर (राजस्थान), जिसका कुल क्षेत्रफल 40.26 वर्गमीटर (48.16 वर्गगज) है को एच.डी.एफ.सी. लि. में बंधक रख कर एच.डी.एफ.सी. लि. से ऋण प्राप्त करना चाहती है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति पर ऋण प्राप्त करने व बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। **भवदीय**

(रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट मो.नं. 9829256466

आम सूचना दिनांक 24.06.2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती अनिता कँवर धर्मपत्नी श्री सोहन सिंह, निवासी- प्लाट संख्या 74-ए, मार्ग न. 16, केवी 2 के पास, कैलाश नगर, झोटवाड़ा, जयपुर (राजस्थान) द्वारा दीपक अग्रवाल पुत्र स्व. श्री हरी प्रकाश अग्रवाल, निवासी- प्लाट संख्या 75, कृष्णा कुंज, कलवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर (राजस्थान) से उसके स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति प्लाट संख्या 93-बी, कैलाश नगर, झोटवाड़ा, जयपुर (राजस्थान), जिसका कुल क्षेत्रफल 111.11 वर्गगज है को खरीद करने हेतु एच.डी. एफ.सी. लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहती है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति के खरीद/बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। **भवदीय**

(रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट मो.नं. 9829256466

नाम परिवर्तन

मै आर्मी न. 18021002 N सैपर सोमेश प्रसाद पण्डा, 60, अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे माता का ललिता पण्डा दर्ज है। जो की गलत है। मैं अपने सर्विस रिकार्ड में माता का सही नाम लिलि पण्डा व जन्मतिथी 18/12/1977 दर्ज कराना चाहता हूँ।

मैने अपना नाम कुसुम नागपाल से बदलकर कुसुमलता नागपाल पत्नी श्री प्रदीप कुमार नागपाल रख लिया है। भविष्य मे मुझे कुसुमलता नागपाल के नाम से जाना जावे। पता- ई-39 वैशाली नगर जयपुर

मैंने अपना नाम जावेद अजीज से बदलकर जावेद खांन पुत्र अजीज खांन रख लिया है भविष्य में मुझे जावेद खांन के नाम से जाना पहचाना जावे। पता- म. नं.555, बालाजी का रास्ता, बाबू का टीबा, रामगंज बाजार, जयपुर।

I have changed my name from vinod kumar to vinod kumar mishra r/o flat no 502 udb skyway-1 above jaipur car bazar main sikar road Jaipur

We Vishal & Ritu changed our son name from radhey khandelwal to radhe khandelwal r/o b-27 green park near Rajesh coach factory agra road Jaipur.

I have changed my name from vimla girdharilal khuha to vimla khatri r/o 2/65 SFS agarwal farm mansarovar jaipur

I army no 15135414M Ex Hav (DMT) mahesh kumar S /O keshar singh R/O 107 vikash nagar murlipura jaipur have changed my daughter name from RUCHIKA is wrong entered in service record To RUCHIKA CHOUDHARY (DOB 3/10/2004) vide affidavit dated 23 June 2023 before district notary Jaipur

30 जून को उदयपुर से भाजपा के चुनावी कैम्पेन की शुरुआत

■ गृह मंत्री अमित शाह उदयपुर के गांधी मैदान में अपनी पहली चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे

■ गांधी ग्राउण्ड में सुबह 10 बजे होने वाली इस जनसभा में 50 हजार लोगों की उपस्थिति का लक्ष्य रखा गया है

जयपुर/उदयपुर, (का.सं.)। गृहमंत्री अमित शाह 30 जून को मेवाड़ की धरा से राजस्थान में भाजपा के चुनावी कैम्पेन का शंखनाद करेंगे। भाजपा की ओर से केन्द्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर किए जा रहे आयोजनों के तहत 30 जून को उदयपुर में लोकसभा सम्मेलन हो रहा है जिसे गृहमंत्री अमित शाह संबोधित करेंगे।

अमित शाह के आने के मद्देनजर उदयपुर लोकसभा क्षेत्र में वृहद स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उदयपुर के गांधी ग्राउण्ड में 30 जून को सुबह 10 बजे होने वाली महाजनसभा में 50 हजार लोगों की उपस्थिति का लक्ष्य रखा गया है।

इस सम्बंध में शनिवार को उदयपुर के पटेल सर्कल स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के लोकसभा प्रभारी प्रमोद सामर ने बताया कि उदयपुर लोकसभा क्षेत्र में 8 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें प्रशासनिक दृष्टि से 659 ग्राम पंचायतें हैं और भाजपा के 42 मंडल हैं। सभा स्थल गांधी ग्राउंड में एक लाख 56 हजार वर्गफीट के तीन बड़े डोम बनाए जाएंगे। साठ गुना सौ फीट का मंच बनेगा। पूरे शहर को सजाया जाएगा। विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए 31 समितियों का गठन किया गया है।

सामर ने बताया कि मोदी सरकार के 9 साल में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने, अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनवाने, तीन तलाक हटाने, सहकारिता का अलग से मंत्रालय बनाने आदि को लेकर आभार प्रदर्शन भी किया जाएगा। आभार प्रदर्शन के तहत कमल मेहंदी, दीपदान, केन्द्र की योजनाओं के लाभार्थियों का सम्मान, युवा-किसान चौपाल, श्रमयोगी सम्मान, छात्र संवाद, बुलेट रैली, मानव श्रृंखला आदि आयोजन होंगे।

प्रेसवार्ता में सांसद अर्जुन मीणा ने कहा कि उदयपुर लोकसभा सीट जनजाति समाज का बड़ा प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए जनजाति समाज की भी बड़ी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने बताया कि उदयपुर लोकसभा क्षेत्र में केन्द्र की योजनाओं की बरसात हुई है।

सबसे बड़ी सौगात उदयपुर-अहमदाबाद आमान परिवर्तन सहित पूरे दक्षिणी राजस्थान में रेल परियोजनाएं हैं। उदयपुर सिटी स्टेशन भी 354 करोड़ की लागत से अंतरराष्ट्रीय रूप ले रहा है। विद्युतीकरण के बाद उदयपुर की कनेक्टिविटी सीधे दक्षिणी भारत से हो जाएगी। केन्द्र सरकार ने उदयपुर लोकसभा क्षेत्र को नए राजमार्गों की भी सौगात दी है।

राजस्थान के लोगों के मिल रही केंद्र सरकार के योजनाओं का लाभः अर्जुन मीणा सांसद मीणा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने आदिवासियों को हमेशा हथियार बनाकर रखा। इंदिरा आवास योजना बरसों पहले शुरू की गई जिसे सीएम गहलोत गिनाते नहीं थक रहे, सांसद ने पूछा कि वे 2014 तक का आंकड़ा बता दे, जबकि इसके बाद पीएम आवास योजना से मोदी सरकार ने एक लाख 40 हजार नए मकान उदयपुर लोकसभा में दिए हैं।

पूरे देश में 740 एकलव्य मॉडल स्कूल में से 6 उदयपुर लोकसभा में दिए गए। पीएम मोदी ने ही किसानों की पीड़ा को देखते हुए फसल बीमा योजना में प्रत्येक राजस्व गांव को इकाई बनाया, जबकि पहले यह तहसील स्तर पर होता था जिससे किसानों को कोई लाभ नहीं हो पाता था। उन्होंने बीटीपी को भी आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि वह जनजाति समाज को गुमराह कर रही है।

उन्होंने बताया कि 27 जून को आपातकाल लागू करने के काले दिवस पर पीएम मोदी भोपाल में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में राजस्थान से 100 जनें जा रहे हैं जिनमें उदयपुर से भी चार शामिल होंगे। सांसद ने जनजाति समाज की हाल ही 18 जून को हुई हुंकार डीलिस्टिंग महारैली के सवाल पर कहा कि यह मुद्दा जनजाति समाज की संस्कृति और हक के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने इस पर संसद में भी आवाज उठाई है। इस पर जल्द ही बिल लाया जाएगा और संसद में पारित करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जब संविधान में एससी वर्ग धर्म बदलने पर एससी के अधिकारों का पात्र नहीं रहता, तब यह प्रावधान एसटी वर्ग के लिए क्यों नहीं है। डीलिस्टिंग का प्रावधान होना ही चाहिए।

अमित शाह की सभा को चुनावी आगाज मानने के सवाल के जवाब में प्रमोद सामर ने कहा कि यह चुनावी वर्ष है, इसलिए इसे चुनावी आगाज के नजरिये से देखा जा सकता है। हालांकि, उन्होंने मंच पर रहने वाले नेताओं के सवाल पर कहा कि अभी तक प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय सांसद व विधायकों के ही बैठने पर विचार हुआ है, इस सम्बंध में उच्च स्तर से सूची का इंतजार है। प्रेसवार्ता में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, देहात जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान आदि ने भी विभिन्न तैयारियों की जानकारी दी।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती रीता खन्ना पत्नि श्री विनय कुमार खन्ना, पुत्री स्व. श्री सुदर्शन सिंह तुली, उम्र-70 वर्ष, जाति-पंजाबी, निवासी -मं.नं.7/369, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) की है जिनके एक पुत्र नितिन खन्ना व दो पुत्रियां रजनी व नेहा है, वर्तमान में तीनों पुत्र -पुत्रियां विवाहित है जिनमें से मेरी अभिभाष्या का पुत्र नितिन खन्ना जो कि मेरी अभिभाष्या के कहने में नही है तथा प्रत्येक काम में अपनी मनमर्जी करता है। इस कारण मेरी अभिभाष्या के द्वारा आज दिनांक 24.6.2023 को अपने विवाहित पुत्र नितिन खन्ना को अपने परिवार तथा अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया गया है जिसके कारण वर्तमान में मेरी अभिभाष्य का पुत्र मेरी अभिभाष्या से अलग निवास कर रहा है, अब उसका मेरी अभिभाष्या से किसी भी प्रकार का कोई सम्बन्ध व लेना देना नहीं रहा है, यदि अब कोई भी व्यक्ति या संस्था मेरी अभिभाष्या के पुत्र नितिन खन्ना से किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन करेगा अथवा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होगी तो उसकी जिम्मेदारी मेरी अभिभाष्या की नहीं होगी, सूचित रहे।

जयपुर दिनांक 24.6.2023

(महेश चावला) एडवोकेट, मो. 9414200101

खोया-पाया

मेरे मकान 3ठ26 नाहरी का नाका- का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, नियमितीकरण व अदैय प्रमाणपत्र नाहरी का नाका के आस पास कहीं गिर गये। मिलने पर सूचित करें 8005870635 Bhojraj.

मेरे मकान 4 ख 16 नाहरी का नाका-का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, डिक्लेरेशन-नाहरी का नाका के आस पास कहीं गिर गए। मिलने पर सूचित करें 6375487879 रशीद अहमद

JDA जयपुर द्वारा आंवटित भूखण्ड सं. 61 बीलवा आवसीय योजना का मूल आवंटन पत्र खो गया है। मिलने पर सूचित करे। राजेश मीणा 9829553672

तीये की बैठक

हमारी पूजनीया श्रीमती मधु देवी शर्मा धर्मपत्नी श्री दिनेश जी शर्मा का आकस्मिक निधन शुक्रवार 23.06.2023 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक रविवार 25.06.2023 को शाम 4:00 से 5:00 बजे तक संघीजी की नसियां जैन मंदिर, खानियां, आगरा रोड, जयपुर पर होगी। **शोकाकुल-ः** रामेश्वर, मोहन, रामअवतार, रमेश, हनुमान, बाबूलाल (जेठ), सत्यनारायण (देवर), नंदनी (पुत्री) एवं समस्त भातरा परिवार खानियां वाले। 9828405864, 9828507886

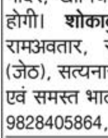

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है की हमारे पूजनीय पिताजी श्री भंवर लाल बलेसरा पुत्र स्व श्री गोपीराम बलेसरा का स्वर्गवास दिनांक 23/6/2023 को हो गया है, जिनकी तिये की बैठक दिनांक 25/6/2023 रविवार को 2 से 4 बजे निवास स्थान सेज भम्मोरिया प्लॉट नंबर 388 में रखी गयी है। **शोकाकुल-** रामसहाय (भाई), गोविंद सहाय, मदन लाल, भगवान सहाय, रवि, ओम बलेसरा (पुत्र) दीपक, राजेश, अजेय, मनीष, महेश श्योजी, कृष्ण बलेसरा (पौत्र) बलेसरा परिवार 9414269489

नम्बर मिलाइए 9587884433

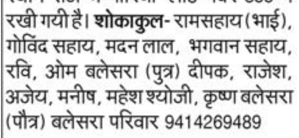

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मुरलीपुरा स्कीम सर्किल पर हजारों लोगों ने किया सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

सर्व समाज की ओर से शनिवार शाम को मुरलीपुरा स्कीम सर्किल पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ हुआ, जहां हजारों राम भक्तों ने हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय वादन किया। इस दौरान सीकर रोड और आसपास का क्षेत्र भगवान श्रीराम और हनुमानजी के जयकारों से गूंज उठा। आयोजन समिति के सदस्य करण सिंह और अजय कांत हिंदू ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करना है। प्रत्येक घर में हनुमान चालीसा का पाठ होना चाहिए। हनुमान चालीसा पाठ होने से आदमी का बल बढ़ता है, बुद्धि बढ़ती है और समाज व देश मजबूत होता है। धर्म जागृति एवं समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। हनुमान चालीसा पाठ में जयपुर शहर के लगभग 50 से ज्यादा संगठनों ने हिस्सेदारी ली। स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों ने हनुमान भक्तों पर फूलों की बारिश की।

'केंद्र का बजट खर्च कर वाहवाही लूट रहे हैं सी.एम.'

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार को झूठ पर खड़ी सरकार बताते हुए कहा है कि राजस्थान में जितनी भी योजनाएं चल रहीं हैं और जिनको आधार बनाकर गहलोत सरकार वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है, उनमें केंद्र की मोदी सरकार का ही बजट खर्च हो रहा है।

डॉ.चतुर्वेदी ने चिरंजीवी योजना की चर्चा करते हुए कहा इस योजना में 25 लाख के निशुल्क उपचार की बात की जा रही है लेकिन वास्तविकता में उपचार 5 लाख तक का ही हो रहा है यह 5 लाख रुपए भी केंद्रीय मद के हैं। डॉ.चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 9 वर्ष के शासन काल पर अयोजित सिविल लाइन विधान सभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओ के महासंपर्क अभियान के तहत गुलाब गार्डन में आयोजित संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना केंद्र की योजना है। इसी प्रकार जल जीवन मिशन योजना में केंद्र द्वारा राजस्थान को 28 हजार करोड़ का बजट दिया गया लेकिन राज्य की गहलोत सरकार इस बजट का उपयोग नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घर घर पानी पहुंचाने के लिए यह राशि जारी की थी लेकिन राज्य सरकार ने राशि का सदुपयोग नहीं कर कमीशन खोरी का खेल शुरु कर दिया।

कार्यालय निर्वाचन अधिकारी

श्री सनातन् धर्मशास्त्री संस्कृत महाविद्यालय समिति, लालसोट (दौसा)

क्रमांक-03 दिनांक-24.6.2023

आवश्यक सूचना

महाविद्यालय समिति के जुलाई 2023 में होने वाले चुनाव के लिये जिन दानदाताओं ने जुलाई 2020 से मई 2023 तक समिति को दान दिया है। उनकी सूची प्रकाशित की जा रही है। जिन मतदाताओं ने समिति को कभी भी 2000/ अक्षरे दो हजार रूपये दान किये है वह स्थाई सदस्य है एवं जिन दानदाताओं ने एक वर्ष में 50/ अक्षरे पचास रूपये दान किये है वह अस्थाई सदस्य है।

स्थाई एवं अस्थाई सदस्यों की सूची प्रकाशित कर दी गई है। यदि किसी दानदाताओं का नाम सूची में नही है तो दिनांक 30.6.2023 तक महाविद्यालय कार्यालय में अपनी रसीद की फोटो कापी लगाकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर दें। उसके बाद अंतिम सूची प्रकाशित कर दी जावेगी। महाविद्यालय समिति के चुनाव में दानदाता ही वोटर होंगे। सूचित रहे।

निर्वाचन अधिकारी

श्री सनातन धर्मशास्त्री संस्कृत महाविद्यालय समिति लालसोट (दौसा)

प्ररूप -10

(नियम 8 (7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

क्रमांक -नपासा/2023/926 दिनांक-23.6.2023

लोक सूचना

श्री हरिगोपाल गोयल पुत्र श्री नाथूलाल गोयल, जाति अग्रवाल निवासी नकाशा मोहल्ला, सांभर लेक तहसील फुलेरा जिला जयपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाह गया उपयोग
1	जयपुर	सांभर लेक	1139, 501	कुल 02 रकबा 12645 हैक्टयर	02 रकबा12645 हैक्टयर भूमि को आवासीय में रुपान्तरण हेतु।

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भू- रुपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन कर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कर्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर -भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23.6.23 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी

नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

शहर में अंधेरा छाया, फिर भी बीते डेढ़ साल में नहीं करवाई ई.आई.पी.एल. कंपनी की थर्ड पार्टी जांच?

'तृतीय बोर्ड बैठक में महापौर डॉ. सौम्या ने इस विद्युत कंपनी के कामों की एम.एन.आई.टी. से जांच कराने के आदेश दिए थे, अफसरों ने जांच करवाने के बजाय बीते एक साल में 30 करोड़ का भुगतान और कर दिया'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर शहर में एनर्जी सेविंग के नाम पर ई.आई.पी.एल. कंपनी ने करीब एक लाख से ज्यादा रोड लाइट्स लगाई, लेकिन इनमें अधिकांश लाइटें बंद पड़ी है और ग्रेटर निगम के अधिकारी सुध लेने के बजाय चुप्पी साधे बैठे है। मानसून का दौर शुरू हो चुका है, जगह-जगह सड़कों पर गड्ढ़े हैं, जिनमें गिरकर लोग चोटिल हो रहे हैं। पार्षद लगातार खराब रोड लाइट्स की शिकायतें नगर निगम में कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई तक नहीं हो रही।

विद्युत समिति की चेयरमैन सुखप्रीत बंसल ने कहा कि महापौर डॉ. सौम्या के आदेशों को नगर निगम के अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ताज्जुब की बात यह है कि महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने करीब डेढ़ वर्ष पहले ग्रेटर निगम की तृतीय बोर्ड मीटिंग में ई.आई.पी.एल. कंपनी के कामों की एम.एन.आई.टी. से थर्ड पार्टी जांच करवाने के आदेश दिए थे, लेकिन अधिकारियों ने यह जांच ही नहीं करवाई, उल्टा बीते एक साल में करीब 30 करोड़ रुपये का भुगतान कंपनी को कर दिया।

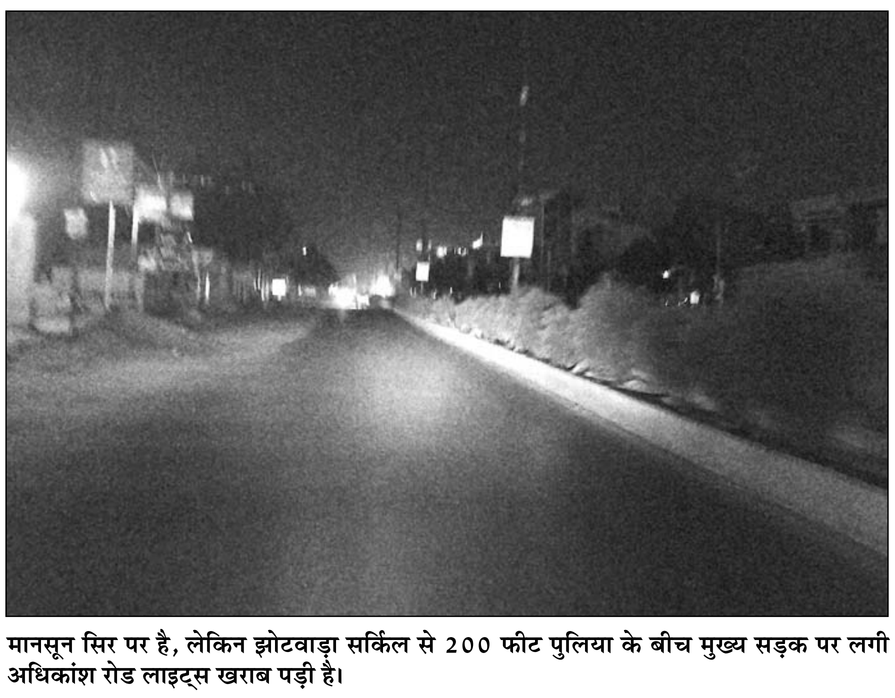

मानसून सिर पर है, लेकिन झोटवाड़ा सर्किल से 200 फीट पुलिया के बीच मुख्य सड़क पर लगी अधिकांश रोड लाइट्स खराब पड़ी है।

बंसल ने कहा कि जब कंपनी को बिना काम किए ही नगर निगम से भुगतान मिलेगा तो फिर काम करने की जरूरत ही क्यों आएगी। पार्षदों की शिकायतें मेरे पास भी रोज आ रही हैं, लेकिन ई.आई.पी.एल. कंपनी की एफआईटी टीम काम करती ही नहीं है।

■ **डेढ़ वर्ष पूर्व विद्युत शाखा के तत्कालीन अधिशाषी अभियंता आर.के.मीणा ने इस कंपनी के कामों की जांच की सिफारिश की थी, लेकिन उनका तबादला कर दिया था : विद्युत चेयरमैन सुखप्रीत बंसल**

बंसल ने कहा कि डेढ़ वर्ष पहले ग्रेटर निगम की तीसरी बोर्ड मीटिंग में मैंने यह मुद्दा उठाया था। तत्कालीन अधिशाषी अभियंता आर.के.मीणा. ने भी इस कंपनी के कामों की जांच की सिफारिश की थी, लेकिन उसके बाद जो हुआ वह हैरतअंगेज था। एक्सईएन आर.के.मीणा का तबादला कर दिया गया और बोर्ड मीटिंग में महापौर द्वारा दिए गए जांच के आदेशों को अधिकारियों ने फाइलों में बंद करके रख दिया।

सुखप्रीत बंसल ने कहा कि ई.आई.पी.एल. कंपनी को प्रति लाइट मेंटेनेंस के बदले ग्रेटर नगर निगम द्वारा 40 रुपये दिए जाते हैं, जबकि यही काम नगर निगम की एफआरटी टीम 12 से 15 रुपये में कर देती है। ऐसे में इस कंपनी को 25 रुपये प्रति लाइट का अतिरिक्त भुगतान क्यों किया जा रहा है, इस बारे में ना तो महापौर डॉ. सौम्या बोलने को तैयार है और ना ही आयुक्त महेन्द्र सोनी।

उन्होंने कहा कि विद्युत समिति की बैठकों में मैंने भी कई बार शहर में खराब रोड लाइट्स को ठीक करने, पार्कों और सड़क के डिवाइडरों पर खुले पड़े विद्युत तारों को पैक करने के लिए कहा है, लेकिन अधिकारियों को इन कामों को करवाने की फुर्सत ही नहीं है। पूर्व में भी नगर निगम प्रशासन की लापरवाही के कारण मानसरोवर में एक मासूम बच्चे गौरव केसवानी की दर्दनाक मृत्यु हो चुकी है, ऐसे हादसों से हमें सबक लेकर मानसून को देखते हुए विद्युत मेंटीनेंस का काम प्राथमिकता से करवाना चाहिए। यह मुद्दे पिछले माह हुई बोर्ड मीटिंग में रखे जाते, तो अच्छा होता।

राजस्थान में नर्सिंगकर्मियों का आंदोलन तेज होगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान में अपनी मांगों को लेकर नर्सिंग कर्मचारी अब अपना आंदोलन तेज करेंगे। राज्य के दोनों प्रमुख नर्सेज संगठन राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन एवं राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन एकीकृत समेत कई संगठनों ने संयुक्त बैठक आयोजित कर राज्यव्यापी संयुक्त संघर्ष का ऐलान किया है।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी एवं प्रदेश संयोजक नरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि नर्सेज की लंबित 11 सूत्रीय मांगों पर लंबे समय से लगातार ज्ञापन एवं ध्यानाकर्षण प्रदर्शनों के बावजूद गत साढ़े चार वर्षों में राज्य सरकार का कोई ध्यान नहीं है। सरकार की अनदेखी के चलते अब राज्य के आपातकालीन नर्सेज संवर्ग को सड़कों पर उतरने के लिए विवश होना पड़ रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

नवगठित संघर्ष समिति के प्रदेश सलाहकार राम सज्जन यादव एवं महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि बैठक में राज्य सरकार को संयुक्त मांग पत्र प्रेषित करने तथा जयपुर जिला संघर्ष समिति का गठन कर एक जुलाई को सवाई मानसिंह अस्पताल के नर्सेजकर्मी सुबह साढ़े आठ से साढ़े दस बजे तक अस्पताल अधीक्षक कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए गेट मीटिंग करेंगे। इस दौरान आगामी राज्यव्यापी आंदोलन की रणनीति की घोषणा की जायेगी।

चौधरी ने कहा कि राज्य में नर्सिंग अधिकारी, नर्सिंग ट्यूटर एवं एएनएम एलएचवी वर्ग के सभी पदनामो में केंद्र ही नहीं बल्कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश व हरियाणा आदि पड़ोसी राज्यों की तुलना में मूल वेतन में ही 7100 से 22700 रुपए प्रतिमाह जैसी विसंगति व्याप्त है।

कैब ड्राइवर से कार लूटी

जयपुर (कासं)। गांधीनगर इलाके में एक चालक से कार लूटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया मयूर विहार, जगतपुरा निवासी राहुल कुमार मीणा (23) टैक्सी चालक है। घटनाक्रम के मुताबिक 22 जून की रात करीब 12 बजे ऑनलाइन बुकिंग आने पर संतोकबा दुर्लभ जी हॉस्पिटल के पास सवारी लेने आया था। यहां 4 लड़के कार में सवार हुए। आरोप है चारों लड़कों ने कार में उसे बंधक बना लिया और मारपीट करते हुए अजमेर के मांगलियावास की तरफ ले गए। यहां उसे सड़क किनारे पटक कर कार लूट ले गए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

महिला चिकित्सक से अश्लील हरकत

जयपुर । बजाज नगर इलाके स्थित एक हॉस्पिटल में महिला चिकित्सक से अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया इलाके निवासी 38 वर्षीया महिला इलाके स्थित एक हॉस्पिटल में चिकित्सक के पद पर कार्यरत है। आरोप है इसी अस्पताल में काम करने वाला ऑफिसर मुदित शर्मा आए दिन महिला चिकित्सक से अश्लील इशारे करता है उसे छेड़ता है और गंदे कमेंट करता है। पीड़िता विरोध करती है तो उसे धमकी देता है।

महाराष्ट्र के व्यापारी का जयपुर में अपहरण करने वाले तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

बदमाशों ने 15 लाख रु. फिरौती वसूलने के लिए वारदात को अंजाम दिया था

जयपुर (कासं)। मुहाना थाना पुलिस ने महाराष्ट्र के व्यापारी का अपहरण कर फिरौती मांगने के मामले में एक महिला सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस पकड़े हुए आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं।

डीसीपी (दक्षिण) योगेश गोयल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विकास चौधरी फागी, दुर्गेश्वर राय के.एन.कारजू मार्ग दिल्ली और सोनाली परेश राठौड़ मुंबई महाराष्ट्र का रहने वाला हैं। पुलिस ने बताया कि 28 मई को परिवादी लेख प्रज्वल मीठावाला ने मामला दर्ज करवाया कि वह व्यापार के लिए औरगांबाद महाराष्ट्र से जयपुर आया था। गत 26 मई को

■ **बदमाशों ने कॉल गर्ल के जरिए व्यापारी को फंसाया था, फिर कार में बंधक बनाकर बैग और बैंक खाते से नकदी निकाल ली**

मानसरोवर स्थित एक होटल में रुका हुआ था। तभी तीन लड़के कार से आए और उसके साथ मारपीट कर 15 लाख रुपए की मांग की। कार में बिठाकर वह कुछ दूर ले गए जहां मारपीट कर घर वालों से पैसे मंगवाने के लिए कहा।

इसी दौरान उन्होंने पेटीएम के जरिए 3400 रुपए ट्रांसफर कर लिए और बैग में रखे 40 हजार रुपए, पर्स में रखे 1500 रुपए और डेबिट कार्ड सहित मोबाइल निकाल लिया। आरोपियों ने कपड़े उतराने के बाद यह भी कहलवाया कि उसने तीन लड़कियों के साथ गलत काम किया है। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद विकास, दुर्गेश्वर और सोनाली परेश राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया। बदमाशो को पकड़ने में एएसआई प्रेमचंद, हैडकांस्टेबल कानसिंह, कांस्टेबल भंवरलाल व रामवतार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि आरोपी अन्य राज्यों से आए व्यापारी को लड़की सप्लाई करने के बहाने चंगुल में फंसाते है और रैकी करने के लिए लडकी का इस्तेमाल करते है। व्यापारियों की आर्थिक स्थिति की रैकी कर अपहरण कर मारपीट कर फिरौती वसूलते है। फिरौती की राशि नहीं देने पर महिला के साथ वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देते है। आरोपी महिला कॉल गर्ल है जो आरोपियों के इशारे पर व्यापारियों और पैसे वाले लोगों को फंसाती है।

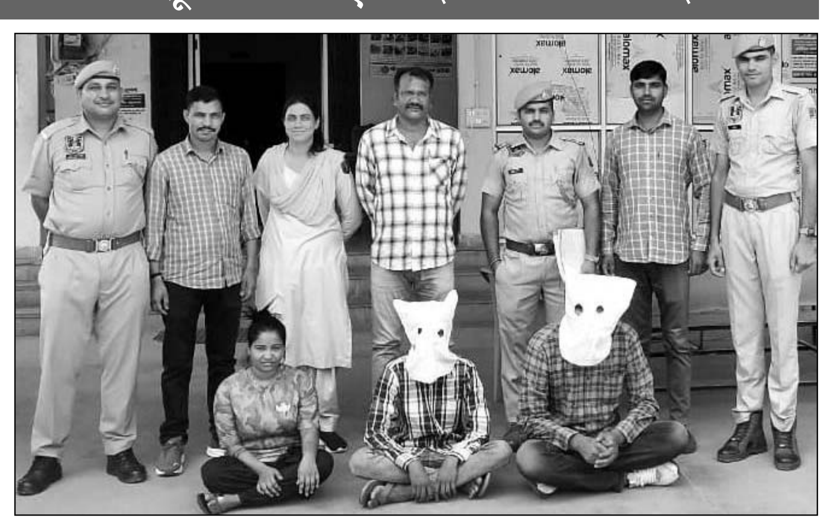

मुहाना थाना पुलिस ने महाराष्ट्र के व्यापारी का अपहरण कर फिरौती मांगने के मामले में एक महिला सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया हैं।

वक्फ कमेटियों को लेकर विवाद

जयपुर । झूंझुनूं जिला वक्फ कमेटी को लेकर विवाद सामने आया है। कमेटी में सचिव बनाये गये शब्बीर हुसैन के नाम को लेकर मुस्लिम परिषद के अध्यक्ष युनूस चौपदार ने विरोध जताया है। उन्होंने शब्बीर हुसैन पर वक्फ संपत्ति पर भाई के नाम अवैध किरायेदारी के आरोप लगाते हुए कहा कि वक्फ संपत्ति पर अनाधिकृत व्यक्ति से किरायानामा किया गया था। शब्बीर के परिवार के अन्य लोगों के अवैध मकान भी वक्फ संपत्ति पर बने होने के आरोप पूर्व में लग चुके हैं। ऐसे में बिल्ली को छींके की रखवाली सौंपने काम किया गया है। उन्होंने वक्फ बोर्ड के चैयरमैन खानू खां बुधवाली और विधायक रफीक खान से इस मामले में कार्रवाई की मांग उठाई है।

बाग नवाबकल्लन में सामूहिक दुआ आज

जयपुर । जालूपुरा में विधायक आवासों को तोड़कर खाली की गई जमीन को जेडीए प्रशासन नीलाम करने की तैयारी कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस जमीन को मुस्लिम समुदाय के लोग नवाब कल्लन का बाग बताकर इसे वक्फ बोर्ड की संपत्ति बता रहे हैं। मुस्लिम परिषद संस्था के अध्यक्ष युनुस चौपदार ने कहा कि रविवार सुबह 11 बजे बाग नवाबकल्लन में 9 लापता मुस्लिम विधायकों के लिए सामुहिक दुआ करेंगे।

सार-समाचार

'फिल्म से करेंगे सिंधी भाषा का प्रचार'

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर समेत पूरे प्रदेश में सिंधी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 'लखी मुहिंजो लखन' सिंधी फिल्म का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। यह कहना है अखिल भारतीय युवा सिंधी संगठन के अध्यक्ष गिरीश लालवानी का। उन्होंने बताया कि यह फिल्म जल्द ही जयपुर शहर में लगने जा रही है, इसने पूरे हिंदुस्तान में धूम मचा रही है। लखी मुहिंजो लखन जयपुर के राजमंदिर सिनेमा में बहुत जल्द लगेगी। सिंधी बोली और सिंधी भाषा को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय युवा सिंघी संगठन ने इस फिल्म के प्रचार-प्रसार का बीड़ा उठाया है। अध्यक्ष गिरीश लालवानी जी के तत्वाधान में इस फिल्म के प्रचार प्रसार किया जायेगा। इस मुहिम को समाज के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, विधायक वासुदेव देवनानी, पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, अखिल भारतीय युवा सिंधी संगठन के सदस्य नारायण दास परनानी, धर्मदास खिमनानी, अशोक चंद्रप्रकाश खेतानी, गुलाब राय कलवानी, चंद्र प्रकाश खत्री, धर्मदास खत्री, होतचंद खेमचंदानी ने भी समर्थन दिया है। गिरीश लालवानी का कहना है कि यह फिल्म जयपुर निवासी राज केशवानी लेकर आ रहे है, जो सिंधी समाज के एक बहुमुखी कलाकार गायक कॉमेडियन और इस फिल्म के गीतकार संगीतकार है।

बैंक में कीमती सामान चोरी हुआ

जयपुर । राजधानी जयपुर के इंडियन ओवरसीज बैंक में चोरी का मामला सामने आया है। एसी लगी खिड़की को तोड़कर बदमाश अंदर घुसे और कीमती सामान चोरी कर ले गए। झोटवाड़ा पुलिस ने सूचना पर नाकाबंदी करवाई, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि विद्याधर नगर निवासी निकिता चावला (37) ने बैंक में चोरी का मामला दर्ज करवाया है। झोटवाड़ा इलाके में भवानी निकेतन कॉलेज में इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखा है। 21 जून की शाम बैंक को लॉक कर सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने घर चले गए। देर रात चोरों ने बैंक को निशाना बनाया। बैंक शाखा में साइड की खिड़की में एयर कंडीशनर लगा हुआ था। इसी खिड़की को तोड़कर बदमाश बैंक परिसर में घुसे। बैंक में घुसने पर भी उनके हाथ नकदी नहीं लगी। जिसके बाद बदमाश बैंक से सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर सहित कीमत सामान चोरी कर ले गए।

नेत्रहीन खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल मैच

जयपुर, (कासं)। जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) के फुटबॉल ग्राउंड पर जेपीआईएस के स्काउट मी क्लब द्वारा नेत्रहीन खिलाड़ियों के लिए फुटबॉल मैच आयोजित किया गया। इस मैच में गुजरात, दिल्ली, उत्तराखंड सहित भारत के विभिन्न राज्यों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की टीमों ने हिस्सा लिया। मैच में करीब 70 नेत्रहीन बच्चों ने हिस्सा लिया, जिसमें 40 लड़के और 30 लड़कियां शामिल थीं। इस दौरान अनुभवी रेफरी के साथ-साथ अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर समावेशिता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के रूप में, स्काउटमी द्वारा स्पेशल खिलाड़ियों के लिए तैयार किए गए वेस्ट भी खिलाड़ियों को पहनाए गए। जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल के अकेडमिक डायरेक्टर, आयुष पेरीवाल ने कहा कि "मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों की उल्लेखनीय पहल स्काउट मी के माध्यम से राजस्थान में पहली बार नेत्रहीन बच्चों के लिए एक अनूठा फुटबॉल मैच आयोजित किया गया। जेपीआईएस के बोर्डिंग हाउस में हमें 100 से अधिक नेत्रहीन फुटबॉल खिलाड़ियों मेजबानी करते हुए काफी प्रसन्नता हुई। यह विशेष आयोजन हमारे स्कूल की समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

सेंट्रल जेल में पैकेट में मिले मोबाइल

जयपुर (कासं)। लालकोठी स्थित सेन्ट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल मिले हैं। पुलिस ने बताया जेलप्रहरी भगवान् सहाय मीणा ने रिपोर्ट दी है कि 22 जून की रात जेल परिसर में गश्त के दौरान बंदी वार्ड के बाहर दो कीपैड मोबाइल मिले, जिन्हे जब्त किया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर मोबाइल धारक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

नशीली कॉफी पिलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर । मानसरोवर इलाके में एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया इलाके निवासी 22 वर्षीया युवती ने रिपोर्ट दी है। आरोप है परिचित राकेश चौधरी ने 14 दिसंबर 2022 को अपने जन्मदिन की पार्टी में फ़्लैट पर बुलाया, जहां कॉफी में नशीला पदार्थ मिला कर पिला दिया। इसके बाद बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया। शादी का झांसा देकर देहशोषण किया। एक बार गर्भपात भी कराया। अब शादी से इंकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

झोटवाड़ा में महिला के साथ जेबतराशी

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा इलाके में एक महिला के साथ जेबतराशी की वारदात हो गई। पुलिस ने बताया थाना सूरजगढ़ जिला झुंझुनूं निवासी दीपिका शर्मा 21 जून को अपनी भतीजी और दो बच्चों के साथ जयपुर आई थी थी। यहां दोपहर में झोटवाड़ा पुलिया से हाथोज के लिए ई-रिक्शा में सवार हुई थी। ई-रिक्शा में पहले से दो युवक और तीन युवतियां मौजूद थी। आरोप है चालक ने ई-रिक्शा की बैटरी ख़राब होना बता कर जबरन खातीपुरा तिराहे पर उतार दिया और चला गया। महिला ने बैग चेक किया तो उसमें रखा सोने का हार और चूड़ी गायब थी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

युवती ने फांसी लगाकर जान दी

जयपुर । खोह-नागोरियान इलाके में एक युवती ने फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मृतका के भाई ने थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया मुखिया विहार, लुनियावास निवासी सलोनी (25) ने 16 जून को अपने घर पर फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। मृतका के भाई अभिषेक रावत का आरोप है कि रघुप्रताप सिंह उर्फ़ सियाराम और उसकी पत्नी ने बहन को इतना प्रताड़ित किया कि उसने खुदकुशी कर ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विवाहिता से दुष्कर्म का प्रयास

जयपुर । ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में एक विवाहिता से दुष्कर्म का प्रयास का मामला सामने आया है। थानाधिकारी जय प्रकाश पूनियां ने बताया कि इलाके निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी है कि शुक्रवार दोपहर वह नमाज पढ़ने के लिए गया था। घर पर पत्नी अकेली थी। इस दौरान पड़ौसी किराएदार मोना खान घर में घुस गया और पत्नी से जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर उसके कपडे फाड़ दिए। पत्नी के जोर-जोर से चिल्लाने पर वह मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रणजी क्रिकेटर सिद्धार्थ और शैलेन्द्र बने लेवल-टू-कोच

जयपुर, (कासं)। राजस्थान के दो पूर्व रणजी क्रिकेटर सिद्धार्थ जोशी और शैलेन्द्र गहलोत अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के लेवल टू कोच बन गए हैं। दोनों ही खिलाड़ियों ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई की नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) से लेवल टू कोच के लिए आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। एनसीए क्रिकेट हैड और पूर्व टेस्ट स्टार वीवीएस लक्ष्मण ने आरसीए सचिव भवानी सामोता को शुक्रवार को ही भेजे पत्र के जरिए सिद्धार्थ और शैलेन्द्र के परिणाम की जानकारी दी है। एनसीए के हाईब्रिड लेवल 2 कोच अक्टूबर 2022 में ऑन लाइन और नवम्बर 2022 में एनसीए आयोजित किया गया।

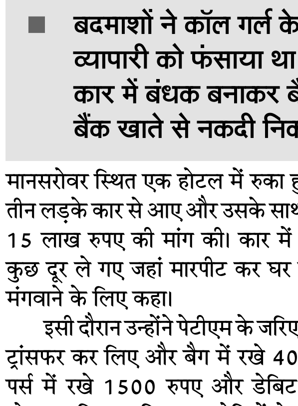

राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर शरद जोशी के बेटे सिद्धार्थ ने राजस्थान के लिए 14 फर्स्ट क्लास मैच खेले और 259 रन बनाए। उन्होंने 22 लिस्ट ए मैचों में 505 रन बनाए। सिद्धार्थ ने राजस्थान के लिए तीन टी-20 मैच भी खेले। सिद्धार्थ ने 2001 में राजस्थान के लिए डेब्यू किया और बाद में रेलवे के लिए भी खेले। उन्होंने अपना आखिरी मैच 28 फरवरी 2008 को रेलवे की ओर से विदर्भ के खिलाफ खेला।

दाएं हाथ के मीडियम पेसर शैलेन्द्र गहलोत ने 2004 में विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया और दस साल के अपने क्रिकेट करियर में राजस्थान के लिए 21 प्रथम श्रेणी, 31 लिस्ट ए और 8 टी-20 मैच खेले। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 44, लिस्ट ए मैचों में 52 और टी-20 में 9 विकेट हासिल किए। दाएं हाथ के बल्लेबाज शैलेन्द्र ने प्रथम श्रेणी में 159 और लिस्ट ए मैचों में 78 रन भी बनाए। उन्होंने अपना आखिरी मैच नवम्बर 2014 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ खेला। शैलेन्द्र गहलोत वर्तमान में आरसीए की सीनियर सेलेक्शन कमेटी के सदस्य हैं।

युवती की हत्या कर खाली प्लॉट में फेंका शव

जयपुर । सांगानेर क्षेत्र में रिंग रोड के पास खाली प्लॉट में शनिवार सुबह युवती की लाश पड़ी मिली। हत्यारे से बचने के लिए संघर्ष के दौरान युवती का एक हाथ भी टूट गया। पुलिस के अनुसार, संभवतया युवती का गला दबाकर मारने के बाद शव को खाली प्लाट में ठिकाने लगाने की कोशिश की गई है।

पुलिस ने बताया कि रिंग रोड के पास सूरजपुरा वाटिका में युवती की लाश मिली है। सुबह करीब 7:30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि खाली प्लाट में एक लड़की का शव पड़ा हुआ है। शव मिलने का पता चलने पर स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मृतका की पहचान के प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने सिटी एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड की मदद से सबूत जुटाए। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया गया। पुलिस ने बताया कि प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि पहले गला दबाकर युवती हत्या कहीं और की गई है। मारने के प्रयास के दौरान युवती ने हत्यारे से काफी संघर्ष भी किया है। संघर्ष के चलते ही युवती का एक हाथ भी टूट गया। युवती को मौत के घाट उतारने के बाद शुक्रवार देर रात हत्यारे ने शव को ठिकाने लगाया, गाड़ी में शव को यहां लाया गया है। रोड से करीब 60 मीटर अंदर खाली प्लाट में लाश फेंकने के बाद हत्यारा फरार हो गया।

सवाई मानसिंह अस्पताल में मनाया हार्ट ट्रांसप्लांट की वर्षगांठ पर उत्सव

एक साल पहले ट्रांसप्लांट कराने वाली बहरोड के शेरपुर गांव की महिला धोंली देवी को सम्मानित किया गया

जयपुर/बहरोड । सवाई मानसिंह अस्पताल के डिपार्ट्मेन्ट ऑफ कार्डियो वैस्क्यलर और थोरेसिक सर्जरी की तरफ से शनिवार को एक हार्ट ट्रांसप्लांट की वर्षगांठ को उत्सव के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर ट्रांसप्लांट कराने वाली महिला धोली देवी को हॉस्पिटल प्रशासन ने बुलाकर उसका सम्मान किया।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष जून में एसएमएस अस्पताल में बहरोड के शेरपुर गांव की महिला धोंली देवी का हृदय प्रत्यारोपण कर उसे नया जीवन दिया गया था। उस प्रत्यारोपण को एक वर्ष पूरा हो चुका है। वर्तमान में वह पूरी तरह से स्वस्थ जीवन जी रही है। एसएमएस अस्पताल की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान लघु उद्योग निगम के चेयरमैन राजीव अरोड़, चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह, चिकित्सा आयुक्त शिवप्रसाद नकाते, पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव, एसएमएस कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा, अस्पताल अधीक्षक डॉ अंचल शर्मा, डॉ. अमरजीत मेहता, ट्रांसप्लांट की कोऑडिनेटर भावना जगवानी व अंगदान व चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राजीव अरोड़ा ने कहा कि पिछले वर्ष महाराष्ट्र के कोल्हापुर के रहने वाले प्रशांत राजेंद्र शिंदे के ब्रेन डेड होने पर उनके परिजनों की तरफ से अंगदान के लिए स्वीकृति मिली और प्रशांत राजेन्द्र शिंदे के अंगों से प्रदेश के चार लोगों को नया जीवन मिला था। उस केस में एसएमएस अस्पताल में कार्डियक अरेस्ट की मरीज धोंली देवी के हृदय प्रत्यारोपित किया गया। आठ घंटे चली सर्जरी पूर्णतः सफल रही थी, और आज धोंली देवी पूरी तरह स्वस्थ हैं।

वहीं इस अवसर पर एसीएस शुभ्रा सिंह ने कहा कि अंगदान और रक्तदान ये एक सबसे बड़ी नियामत है, जिससे हम लोगों का जीवन बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अंगदान करने से डरना नहीं चाहिए, क्योंकि आप एक जिंदगी बचाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे बड़ा दान जीवन में कुछ हो ही नहीं सकता। मैं आपके सामने प्रत्यक्ष खड़ी हूं, मैं खुद एक लिविंग डोनर हूं और आप मुझे देखकर अंदाजा लगा सकते हैं कि अंगदान देने से कोई परेशानी नहीं आती है।

एसीएस शुभ्रा सिंह ने बताया कि आज से एक साल पहले मैंने अपने पति को किडनी डोनेट की थी और आज हम दोनों स्वस्थ हैं। मैं ऑर्गन डोनेट करने के एक महीने बाद ही अपने काम पर वापस लौट आई थी। उन्होंने बताया कि अभी लिविंग और कैडेवर ऑर्गन डोनेट बहुत कम होता है। लोग भावनात्मक जुड़ाव के कारण कैडेवर कम करते है। इसलिए हमें लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत है। बहरोड़ प्रधान प्रतिनिधि एवं कांग्रेस ओबीसी विभाग प्रदेश उपाध्यक्ष राजस्थान एडवोकेट बस्तीराम यादव ने बताया कि पिछले 24 जून 2022 को उनके द्वारा मोटिवेट करने के चलते इस सफलता के हीरो रहे डॉक्टर राजकुमार यादव एवं रामगोपाल यादव तथा उनकी टीम के सहयोगी नर्सिंग अधीक्षक सुभाष शर्मा, रोशन यादव सहित सैकड़ों चिकित्सक एवं चिकित्सा कर्मी शुभचिंतकों की उपस्थिति में वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया।

गौरतलब है कि सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में पिछले 10 साल में 5 हार्ट ट्रांसप्लांट हो चुके हैं, जिसमें से एकमात्र महिला धोली देवी ही है जो ट्रांसप्लांट के बाद सामान्य जीवन जी रही है। चार मरीजों में से 2 मरीजों की कोविड के कारण मौत हो गई, जबकि दो अन्य मरीज ट्रांसप्लांट के दो सप्ताह के अंदर किसी न किसी कारण से आगे जीवन नहीं जी पाए थे।

ARBIT it happens here...

Colour TV Day

There is an innovation that many of us take for granted every day. Whether we're sitting at our computers, watching television with the family, or even playing with our handheld games, we are inundated with a bright parade of colours. Colour TV Day reminds us that this hasn't always been the case, when Television was first introduced we had nothing but black and white images, really more of a myriad shade of grey. In 1951, an event came to pass that changed the future of broadcast entertainment forever.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
25 June 2023
A-B

#EVENT

Elevating the Power of Design

From art installations, paintings and art works to a plethora of home furnishings, the Indian International Design Conclave was a one stop shop for artistes, art lovers and design enthusiasts.

A display of art works at the Voice of Dunes art exhibition.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

In a grand celebration of creativity and innovation, design enthusiasts, students, artists, artisans, and professionals from various fields converged at the illustrious India International Design Conclave (IIDC). The event, hosted at the newly opened Rajasthan International Center in Jhalana, served as a remarkable platform for design enthusiasts, offering a myriad of opportunities for learning, networking, and embracing the captivating world of design. In addition to an exhibition on furniture and home furnishings, there were a variety of interesting happenings that added to the dynamism of the event.

Here is a recap:

Voice of Dunes

Captivating the attention of visitors, an exquisite art gallery was specially curated for the event, aiming to showcase the malleability of art, architecture, and design. Titled 'Voice of Dunes,' this exceptional exhibition beautifully blended different art forms such as painting, sculpture, murals, and design, resulting in a harmonious and aesthetic presentation. Featuring approximately 60 artworks created by 30 accomplished artists hailing from cities like Delhi, Bangalore, Jaipur, Mumbai, Hampi, and more, this exhibition highlighted the artistic prowess of eminent creators like MF Hussain, Bhawani Shanker Sharma, Dharmendra Rathore, Arpana Caur, Jodhiya Bai, among others.

Isometric installation by students of Aayojin school of architecture.

Students' Creativity

Recognizing the pivotal role of materials in design, students from IDT Jaipur embarked on a creative journey by repurposing surplus design samples into modern furniture. Their thought-provoking art installation, aptly named 'Upcycle Minds,' unveiled the transformative potential of discarded materials. Plastic bottles sourced from junkyards and waste dumps of cafes were ingeniously transformed into a mesmerizing chandelier, radiating ambient light. Waste fabric samples found new life as floor runners, while laminate swatches were skillfully repurposed into wall panels, curtain partitions, and coffee tables. This ingenious showcase exemplified the power of sustainable design and innovative thinking.

Artisan Village

Coloroots, a unit of Kalaneri Art Gallery, brought vibrancy and culture to the conclave by setting up a captivating artisan village. This vibrant space provided a platform for rural and tribal artisans to exhibit their traditional crafts, while also hosting shows, workshops, demonstrations, and interactive experiences for young attendees eager to explore the world of languishing arts. Visitors were treated to awe-inspiring displays of Rajasthan's traditional miniature art, alongside demonstrations of other crafts like Tarkashi, Puppetry, Thikri, Clay Pottery, and more. To create a holistic experience, the village also featured a live demonstration of contemporary art, seamlessly blending heritage and innovation.

Kursi Ki Kahaani

An intriguing installation by students from Vivekananda Global University narrated the captivating story of chairs and their transformative impact on human life. The installation featured an oversized chair surrounded by numerous smaller chairs, each adorned with doodles depicting the evolution of chair design. Symbolically, it also served as a satirical commentary on politics, highlighting the overwhelming power associated with a single "kursi" (chair) while shedding light on the aspirations of the lesser powerful chairs. This thought-provoking installation sparked contemplation on the dynamics of power and the complexities of democracy.

Breaking Stereotypes

In an endeavour to challenge preconceived notions, students from the Aayojan School of Architecture presented a groundbreaking Isometric Installation. This innovative display explored the possibilities of new-age design by reimagining the use of stone elements, drawing inspiration from the architectural heritage of Rajasthan. Breaking free from conventional norms, the students employed stone not only for foundations and walls but also as a medium for openings and intricate ornamentation. This thoughtfully crafted installation showcased the students.

Art installation Upcycle Minds.

The Lost Snake Charmer

They have a short stay with the family. In promised eleven or twenty one day they will go back to the bushes". This looked such a waste of effort, so I couldn't but help asking;" why do you do that? You have spent so much time and effort to catch one, and then look after them so carefully". The answer was even more surprising;" It is my religion, my Kul- Guru, Kanipa Nath has made it mandatory for us to do so, I cannot keep them in captivity longer then this". "So every twenty one days you go looking for new snakes, and what happens to the ones you leave in the wild?" He told me, they leave the snake near water and soft earth, so they can find cover, preferably near some burrows to get into."

Anjali Sharma
Senior journalist & wildlife enthusiast

#GONE TO 'GREEN'

Every now and then, as is the case with human life, something or the other goes wrong. May it be illness, bad business deals, poor earnings, Job worries? The causes can be endless, but a good Pandit, trained in astrology can find some help for the worst to be taken care of. At one such unhappy time I was advised to feed milk to a snake.

"There is a whole colony of Kalbelias on the Jaipur Delhi road called ban talao road settlement. These are proper saperas not the dancers we see at all the fairs." my well-wishing Panditji told me,"Go with someone responsible, in the daytime only. The snake will not drink up all the milk, I have never seen one do so in my whole life, in summer if it's very thirsty, it may sip a drop or two, and that suffices. If it sticks out its tongue, and dips it into the milk, your work is done. Rahu dev will lose some of his poison, just as the snake does after tasting milk".

That was my first encounter with the kalbelias. They were not the glamorous 'Gulabo', I was surprised to see. Their settlement so near the city did not make them a rich lot. The master of the house was not about, but his wife came out, as I was also a woman, she did not hesitate to talk to me. "My husband does not like me to talk to strangers'; she told me, and "so come another day when he is home". I didn't want to go back with the job not done, so I requested her to get her mother-in-law to stand with us while we fed the snake, after a little hesitation she agreed to ask her mother-in-law. The older lady came out to asses me, and satisfied, she agreed.

The attempt to get the snake drink up was not exactly a few minutes to say the least. So a conversation started up between us all. She had brought out her basket of snakes for the milk drinking. I was quite nervous, as I couldn't be sure these women knew their job of keeping the snake in restraint. Tentatively I enquired, if they knew how to keep the snake within the basket; I didn't want to offend them, but the repercussions could be horrid. They both began to laugh; "We have looked after these babies since we were children. Although very few women are trained to catch snakes, but looking after them is our job too".

New Perspective

"They are more than our children; they provide roti for our families. They occupy the best spot in my little house. If it rains, and all family members can't fit into the house, the basket with the snakes gets the non-leaky spot and older members of the family have to brave the elements. If my husband or brother-in-law fails to catch a mouse or a frog for the snake, I have to buy some pieces of fresh meat for the snakes, even if my children do not get any. I am duty bound to do so by my religion".

The master of the house walked in by then. He took over the job. The snake basket lid was opened, while I held my frightened breath. It was an anti-climax, the snake was peacefully asleep. They sleep through the day; you see and look for food, once in four to five days. This one was caught only two days ago, so he had to be left at home, as he is not calm yet. He will come to know that we are Kalbelia- the people who amuse Kaal, and then he will go out with us to the Amer Fort to show himself to the tourists. The packet of milk I had got with me was cold from the fridge, testing its temperature, Jagdish Nath and Badri Nath asked one of the ladies to warm it up a little. I was a little puzzled. Why this fuss? Maybe this man is more worldly wise and wants make a fast buck off me by including cooking charges, every single man is a thief in small or big measures these days, I was thinking angrily.

The next moment I was ashamed to hear him explain that I was not to worry, the chulha was already alight with a small amount of twigs to keep the hut warm for the many baskets of snakes. The milk was brought to us by the young girl who had been playing outside a little while ago. It was January, and I noticed a chill wind outside. "We have to keep the Nag Dev in comfort, see his basket is lined with my grandson's old sweater, with half of the sweater doubling up as cover. We are very poor people, and can only afford this for our dear 'God'. Winters are easier, in summers we find it very difficult to keep them cool. So we have to keep sprinkling water on the basket. We don't have coolers or fans. This has to be done carefully because they can catch a cold very easily, and then their nose gets blocked. It makes them panicked. You see, in the wild, they rub their nose into loose earth which makes them sneeze, and clear the nose. In the basket I have to do this for him by blowing into his nostril with the help of a small pipe. A cold is really miserable thing for the snake".

It was a kind of catharsis, in my life I had at best looked after my children with this amount of care, or, in a much less careful way, had looked after my pet dog. But never did the dog get the meal and my children get the leftovers. I was forced to look at the Kalbelia family anew and with respect.

"Tonight it's my wife's turn to keep the basket with her; she will keep the basket in her rajai with herself to keep it warm. We take it in turns so the snakes know us all and feel secure. They have a short stay with the family. In promised eleven or twenty one day they will go back to the bushes".

A Sacred Duty

This looked such a waste of effort, so I couldn't but help asking;" why do you do that? You have spent so much time and effort to catch one, and then look after them so carefully". The answer was even more surprising;" It is my religion, my Kul-Guru, Kanipa Nath has made it mandatory for us to do so, I cannot keep them in captivity longer then this".

"So every twenty one days you go looking for new snakes, and what happens to the ones you leave in the wild?" He told me, they leave the snake near water and soft earth, so they can find cover, preferably near some burrows to get into." You don't milk them for their venom?" was my next surprised question." We do take some venom to make surma for our eyes, but we don't milk them completely, as it can make them listless. Only four kinds of snakes are poisonous- Shankhchood, Cheetal, Naag, and Kaalganda, the rest are all harmless."

The important question pending, had to be asked- what do you now do for a living, since displaying snakes is outlawed. It was a tough one I know. The living conditions were telling their own miserable tale. They are not included in any kind of government relief programs, as they are not educated or organised.

"Our samaj vyavastha is in shambles, we cannot feed our families so how can we go to sarkari offices to fight for our rights, which also have to be paid for by greasing hands, which we are incapable of, since we don't have the money or the clout for it".

"Earlier we used to earn money on Shivratri or Naagpanchmi, when people look for saperas to do their pooja. Now days we do this pooja as ordained by our Guru by ourselves every year, without any monitory help from other people."

The worst that has happened to them is the loss of any dignity. If caught with a snake in a public place they will be fined, although the sum may look a puny amount to us, for them it's the difference between a dal with the roti or none. The fine is two hundred and fifty one rupees each time.

"We are not thieves, my great-grand-father, Rugga Nath ji was appointed by Maharaja Mansingh ji as a Sapera for the Amer Forte. I have photo of his to show you. You see we are respectable people, but our poverty has closed all doors for us. We cannot even feed our children any more leave alone educate them. The books, copies, everything costs money which we no more have. I make about a thousand- fifteen hundred in a month, with a family of fourteen people. I have to usually look for a job as a labourer these days."

He was a defeated, sad man. Pleading to show the one person who had visited his home, in his capacity of a sapera, which he remembers with pride.

This incident has for long troubled me and my sad observations of the pitiable poor conditions of these people who used to be respectable at one time if not rich. And I have to share this surprisingly sensitive moment in my life with other ready to be sensitive people, although not in the established green traditions.

Our 'Green' men and women have so overtaken the imagination of the educated and so, now sensitive people, that their green simplification of wild matters cannot be challenged by rationalists of any colour, at least not when they are animals. One need not be categorical in our rejection of their various stupidities, because after all they did a yeo-man's job at one time to take up an almost untouched matter of cruelty to beings unable to fight for themselves. All this while another equally meritorious but helpless being was being created for future cruelties unappreciated or heard. Our mettlesome activists have read the first 'Green' book, never to go back for any further research that may deviate from their original teachings; quite like a die-hard extremist. At the peril of finding myself at the receiving end of a barrage from the zealots, I have- with trepidation- tiptoed into the unthinkable. To take stock of what was never factored in by the activist- could it just be possible, that we need to rethink our 'Green' notions, and to take note of the harm that some 'activists' actually cause to wildlife in their misplaced zeal to protect it. The protection and preservation of a snake, for the sapera or the snake-charmer caste is a sacred duty, enjoined upon him by his caste's religious rituals and mores.

> At the peril of finding myself at the receiving end of a barrage from the zealots, I have- with trepidation- tiptoed into the unthinkable. To take stock of what was never factored in by the activist- could it just be possible, that we need to rethink our 'Green' notions, and to take note of the harm that some 'activists' actually cause to wildlife in their misplaced zeal to protect it.

The saperas render a service-a great service in fact-to both society and serpents, when the two species come into conflict. The instinctive, pathological dread that snakes excite in human beings on being sighted almost always leads to their extermination-whether a human being has or has not been bitten by them. A sapera, if one is nearby, is almost always willing to come forward to trap and take away alive a cornered snake. Of course, there is an incentive in it for him for doing so-he extracts the venom, if the ensnared snake is carrying it, and likely makes money from the various medicines he can make out of this venom. The snakes captured by the saperas are always, as a kind of religious duty, released in the wilds once their venom storing glands are about to fill up again. There is a very practical reason too for the sapera to let the snakes go; he is able to extract the precious venom from the snake only if there is one living. Never is it in his interest, neither religiously nor practically to kill the dreaded reptile. While performing this very useful function for society and for snakes, the only concessions that the sapera seeks from Authority is that the snake charmer be regulated and that he be permitted to display, the collection of snakes in his 'custody' to the public at large to earn a livelihood, and some respect as the tamer of the untameable. He asks for the two indulgences only to eke out a living.

But the busybodies, the animal rights activists, will have none of it. The moment they hear of a snake-charmer at work in his tradition, they are up in arms. All hell breaks loose and the Forest Department is wily nilly made to intervene and penalise the delinquent, earning some publicity, and, questionably, some piety. They are blind to any rational and humanitarian arguments that, if translated into positive action, they could provide succour to both the hunted and the hunter, the prey and the predator and help preserve the traditions of the saperas as well-that ancient and venerable folklore that is peculiarly Indian and once upon a time defined India-the land of the snake-charmer.

With the now lost snake charmer, some of India's mystery is also lost to the World. No more are we a land of the rope trick, the madari, or the snake charmer. These professional animal trainers can no more educate our children about these beings of the earth; they are no more accessible to the close viewing of our growing children to learn any kind of co-existence. We have to be living in villages or cities, and they have to be seen in a zoo if you must. Not-withstanding how good for the animals that may be.

Pride In Speciality

The one kind of animal care professional has taken over, to set aside another, who carried away with him our wild life lores, our religious beliefs, and mystique. One could argue that there could be no better taking over of a land then to kill its special people. This has been better achieved by the 'Green' terrorists than any British Raj. No more are the snakes to be revered; they must only be feared. Though how this can be a safeguard for them is quite unclear.

It may be argued by some patriots, that there is no pride in being a land of the snake charmers, or rope climbers. Why cling to it. Well just as much pride in a nation being the land of the acrobats, who win the Olympics, or a land of people who have the ballerinas to dance their stories, or even a land of the people who make the best football players. There is pride in speciality. We just have to throw off the 500 year old yokel of finding perfections in other 'places' to emulate.

In our zeal to copy people who have made it in to the 'buddy-hood' of advancement, we have without thought sacrificed our own. The Sapera is no more respectable, even to himself. He either hides away from official eyes or takes on another kind of job. They now dance, for the tourists or at public functions, like 'Gulabo'. Some are good at it, some not, but their self-pride does take a beating, as some Kalbelias tell. "We have to shift from our traditional jobs to do this-but we make sure our women are not touched by people". This sentence alone can break any sensitive human beings heart and I hope the pseudo do-gooders to our civilized, new existence have their eyes open to this slaughter that has successfully taken place.

They would again argue that the thing to do is to re-educate these poor people to fit into other jobs. To what end one may ask. To help protect the snake? But when was it in danger? Not while the snake charmer needed it alive to milk some venom from to help cure some hapless fellow bitten by one. Nor when the people revere it like a God to be left to go away when seen. Possibly not even then, when a couple of them are seen at close quarters within the safe company of a Kalbelia, demystifying some of the fears of common public.

rajeshsharma1049@gmail.com

"Snake Charmers," A Chromolithograph

By Alfred Brehm

The early 20th century proved something of a golden age for snake charmers. Governments promoted the practice to draw tourism, and snake charmers were often sent overseas to perform at cultural festivals and for private patrons. In addition, the charmers provided a valuable source of snake venom for creating antivenins.

Today, cultural changes are threatening the profession of the snake charmer in India. One reason for this is the rise of cable television; nature documentaries have extinguished much of the fear and revulsion once felt toward the animals and thus demystified the snake charmer. In addition, many people have less spare time than they once did, especially children, who in previous decades could watch a charmer all day with no commitments to school. Animal-rights groups have also made an impact by decrying what they deem to be the abuse of a number of endangered species. Another factor is urbanisation and deforestation, which have made the snakes upon which the charmers rely increasingly rare. This has in turn given rise to the single most important reason snake charming is declining, at least in India: It is no longer legal.

India passed the Wildlife Protection Act in 1972. The law originally aimed at preventing the export of snakeskin's, introducing a seven-year prison term for owning or selling of the creatures. Beginning in the late 1990s, however, animal-rights groups convinced the government to enforce the law with regard to snake charmers as well. As a result, the charmers were forced to move their performances to less-travelled areas such as small villages, or else to pay hefty bribes when caught by police officers. The trade is hardly a profitable one anymore, and many practitioners must supplement their income by begging, scavenging, or working as day labourers. Children of snake charmers increasingly decide to leave the profession to pursue higher-paying work, and many fathers do not try to make them reconsider. Modern Indians often view snake charmers as little more than beggars.

Myths

Several myths are prevalent about snakes, their behaviour, dietary habits, habitats, etc. among the tribal, rural and even in urban masses of Rajasthan. Tribal people relate the snakes so much with themselves that they consider some snakes good and some snake bad for example Ptyas mucosus is the totemic snake of the Bhurias which is a clan of the tribe Bhil. Similarly, Python molurus is considered an esteemed serpent by the Bhils. Similarly, another snake species, Xenochrophis piscator, locally called as Dindu is considered as ancestor of the Dindor clans of Bhil; hence their name Dindor, i.e. off springs of Dindu. Bhil and Garasia tribes also conserve the snake Python molurus as they think that killing of the snake will cause drought in that year. A snake temple, locally known as Gatodji ka Devra situated in remote areas of Rajasthan is used as lie detector. Some Devras are especially dedicated to treat snakebite patients.

Stories of Kanipa and Gorakhnath

The Kalbelias say they are descendants of the followers of Kanipa, said to be one of the Nine Naths, one of the eighty- four siddhas [yogic adepts]. Kanipa is the guru of the Kalbelias. There are many stories told about the rivalry between him And Gorakh Nath, which indicate a rivalry between two Nath schools. Although Kalbelias are popularly supposed to be Followers of the left hand path, black magicians. "There were Nine Naths and eighty-four siddhas. ..." so the storyteller begins. Jallandhar Nath, Machindra Nath, Gorakh Nath and Kanipa, all these are guru-bhal and so is Hanuman because their Father is Shiva and they were all born from Anjani: Kanipa From the ear, Jallandhar Nath from water Machindra Nath from fish, and Gorakh Nath from cow-dung. Kanipa's disciples were the Kalbelias. Within this part of The Nath sect, the 'pa' sect is also known as the 'penance' Panth.

There is an intresting story, which goes like this- Machindra Nath's two discipies/sons, Nim Nath and Paras Nath went to the village in Bhartrihari where they had reached after a long and tiring journey to reach their destination where Machindre Nath's deciple Guru Gorakhnath had organised a very large Bhoj. Instead of Gorakh Nath they went to the village for bhiksha to collect food for the Bhoj, since they were the youngest at that time.

There was a Jain house in this village, and a big dinner was being held in that house, so the two boys went there to beg for food. To make the boys work in return of alms, the householders asked them to remove a dead cow which everybody had refused to remove for them. Because they were young and ignorant, they agreed to remove the dead cow. Nim Nath put a cloth over his mouth because the dead cow was stinking. When he returned to the Jain family's house in the village the cloth was sticking so tightly to his mouth he was unable to remove it. In return for taking away the dead cow the boys were given food. In the meantime Gorakh Nath predicted to Machindra Nath that the boys were returning but bringing only blood. When they arrived and their bag was opened, there was only blood.

Gorakh Nath strongly complained to Machindra Nath that these disciples should be sent away, but Machindra Nath refused. He said to the boys, "Go and take your bath and then tell me what happened."

The slink was so great that the boy who had covered his mouth, tied the cloth more tightly, and the other finding blood on his clothes, threw them away. After their bath they related the whole story, and while they were doing so the Jain family's kitchen was magically sprinkled with blood. The Jain family realised the two boys, whom they had requested to remove the dead cow were not ordinary boys, but saints. So the Jain family came to Machindra Nath to ask for forgiveness. Machindra Nath said, "The boy who put a cloth over his face, he is your guru. And the boy who threw off his clothes, he is also your guru. One is Jain guru and the other is Sarowgi guru." (Jains of different sub-groups).

Machindra Nath, Gorakh Nath, Jallandhar Nath and Kanipa were together once in Nagarkot, and Gorakh Nath invited all the disciples to stay for dinner afterwards. Tradition decreed they bring hollow gourds to eat from, and Gorakh Nath instructed them to cover their gourds and wish for the food of their choice. Everyone wished for delicious food, except Kanipa's disciples who were angry with Gorakh Nath and wanted to put him to test. They asked for snakes and poison, thinking it would be impossible for Nath to fulfil this, but that was not so, and their gourds were filled with poisonous snakes. Gorakh was annoyed and cursed them. From that day forth they would have to carry poisonous snakes and use them to beg for their food.

"You will go to jungles and hunt, you will beg from all castes!" So from that day to this, the followers of Kanipa have to carry the snakes and poison in their bags.

THE WALL

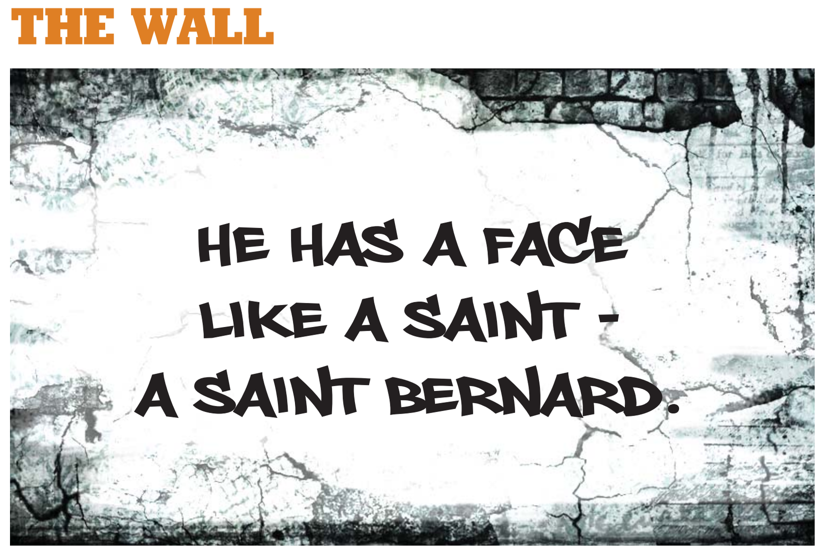

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

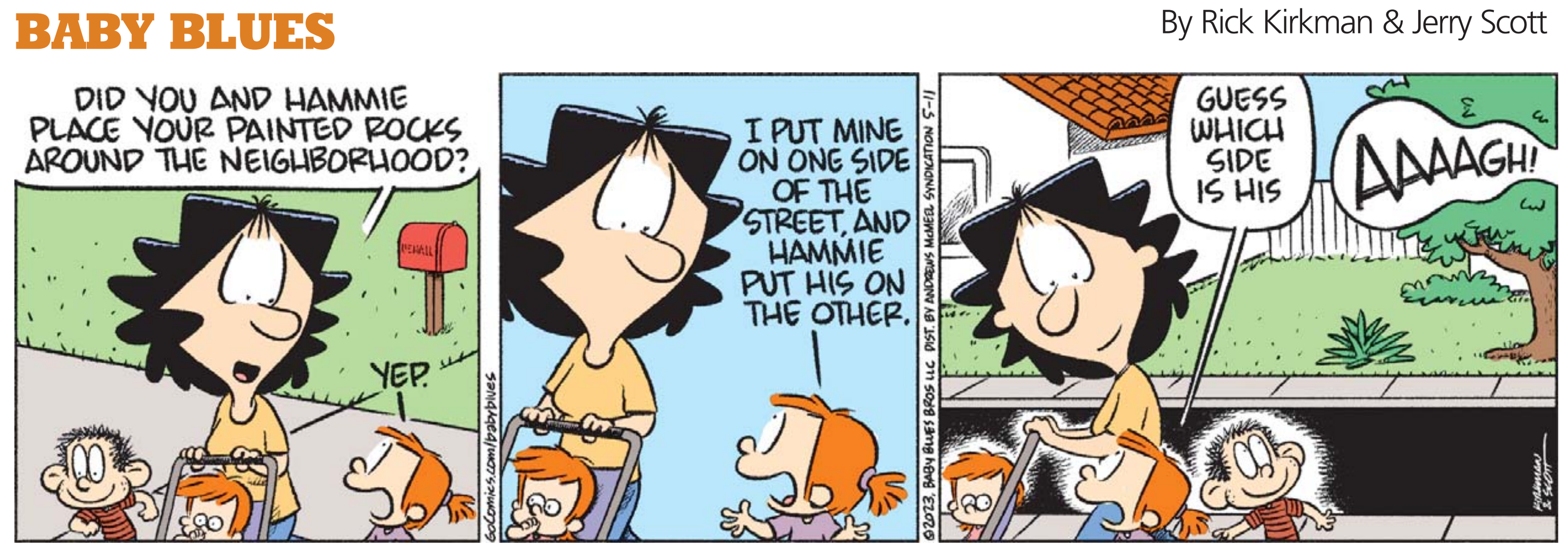

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

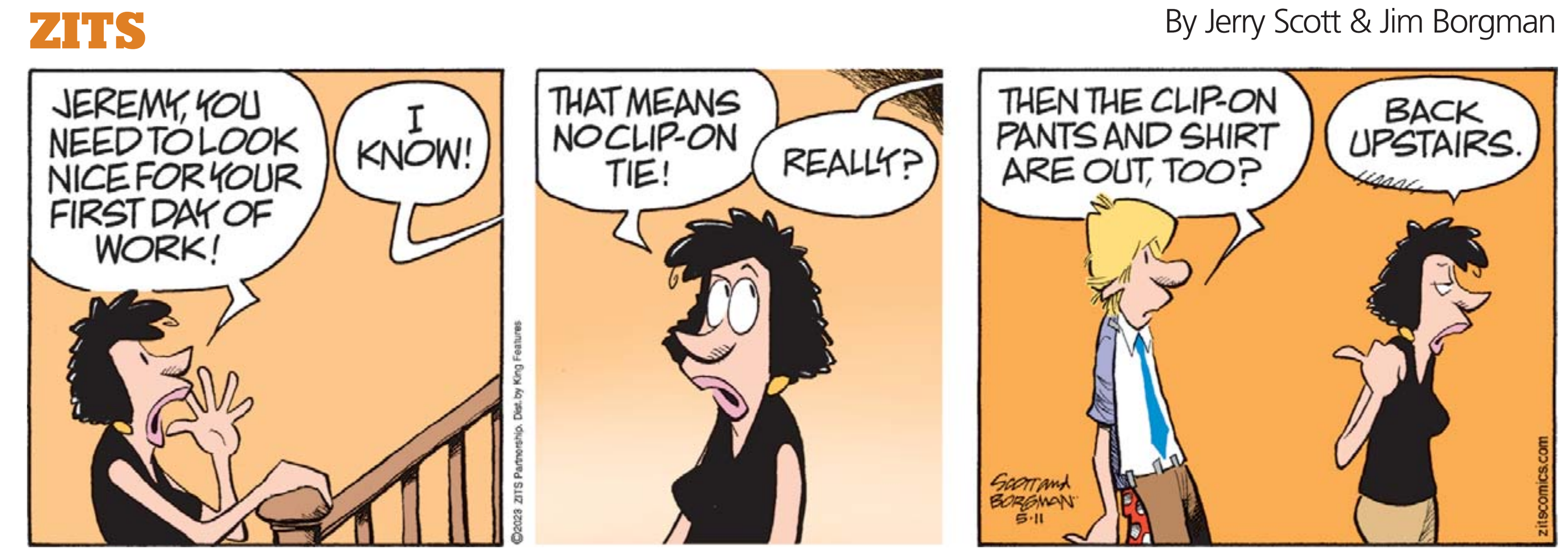

संक्षिप्त

हादसे में नाबालिग की मौत

टोंक, (निसं)। देवली थाना क्षेत्र के दोलता मोड मुख्य सड़क मार्ग पर शनिवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से दो नाबालिग बच्चे घायल हो गये, जिसमें एक की मौत हो गई एवं दूसरा कोटा रैफर कर दिया। देवली थानाधिकारी जगदीश मीणा ने बताया कि क्षेत्र के दोलता मोड के सड़क किनारे निवास कर रहे,
एक परिवार के नाबालिग बच्चे स्कूटर चला रहे थे, तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गये, जिसमें जितेन्द्र पुत्र दीपक नील जाति धोबी उम्र 15 वर्ष निवासी पटेल नगर अजमेर ने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया, जिसका शव देवली सरकारी अस्पाल की मोर्चरी में रखा गया। वहीं अन्य बालक हिमान्शु पुत्र महेन्द्र धोबी निवासी दोलता मोड की गम्भीर घायल अवस्था में कोटा अस्पताल के लिए रैफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश में क्षेत्र में नाकाबन्दी भी कराई।

नीट में चयनित छात्रा का सम्मान

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर के वार्ड नम्बर 44 स्थित खड़ोतियों की ढाणी में दिव्या यादव पुत्री रामकुमार यादव का नीट में चयन होने पर विधायक रामलाल शर्मा ने उनके घर जाकर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी। इस दौरान भाजपा पार्षद प्रत्याशी महेश सेरावत, रामकुमार यादव, सरदारमल यादव, श्रीराम यादव, भागीरथ यादव, सुरेश मिस्त्री, महेन्द्र यादव, संतोष यादव, बनवारीलाल, मालीराम, लालचंद, मनमोहन, राजकुमार यादव, मदन यादव, गजानंद सैनी, ममता यादव सहित कई वार्डवासी उपस्थित रहे।

गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया

फागी, (निसं)। कस्बे के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर ,पारसनाथ जैन मंदिर , चंद्रप्रभु नसिया, चंद्रपुरी तथा त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लदाना के जिनालयों में आज जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर का गर्भ कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव के साथ जोर शोर से मनाया गया।

महापड़ाव को लेकर प्रशासन तैयार

दूदू, (निसं)। सांभर फुलेरा को जिला बनाने की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा रविवार को राष्ट्रीय राज मार्ग मोखमपुरा पर घोषित महा पड़ाव से निपटने के लिए प्रशासन एवं पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था के साथ राजस्व विभाग की टीमों का गठन कर अलग अलग सीमाओं पर अधिकारीयों को लगया गया है।

मंत्री जूली ने जनसुनवाई की

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने मोती डूंगरी स्थित कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना। जनसुनवाई में आए फरियादियों ने विद्युत, पेयजल आदि से संबंधित परिवेदनाएं मंत्री जूली को अपनी परिवेदनाएं सौंपी। जिस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निराकरण हेतु निर्देश दिये।

अतिक्रमण हटवाने की मांग

निवाई, (निसं)। गांव गुढाआनन्दपुरा में चरागाह भूमि पर प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण कर लिया है। ग्रामीणों ने बताया कि चरागाह भूमि खसरा नम्बर 41/1 में कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण कर काश्त कर रहे है। खातेदारों की भूमि पर जाने वाला रास्ता अवरूद्ध हो गया जिससे किसान काफी परेशान है। ग्रामीणों ने तहसीलदार को चरागाह भूमि से अतिक्रमण हटवाने का ज्ञापन सौंपाकर कार्यवाही करने की मांग की है।

देसी खाद की नीलामी बुधवार को

निवाई, (निसं)। दामोदर गौशाला निवाई में देसी खाद की नीलामी बुधवार को होगी। गौशाला के महामंत्री कैलाशचंद्र अग्रवाल ने बताया कि लगभग 100 ट्रॉली खाद की नीलामी उच्च बोली दाता के नाम की जाएगी। इच्छुक बोली दाता अधिक जानकारी के लिए गौशाला कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते हैं ।

श्रीमाधोपुर में भगवान जगन्नाथ की लवाजमे के साथ रथयात्रा निकली

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के आराध्य देव गोपीनाथ जी मंदिर से शनिवार शाम 4 बजे भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई जिसमें भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। रथ यात्रा की शुरुआत बावड़ी आश्रम के महंत ओंमकार दास महाराज, महावीर पारीक, मुरारी लाल पारीक, पूर्व विधायक झाबर सिंह खर्रा, पलसाना के संत मनोहर शरण दास महाराज, बजरंग लाल अमरसरिया, प्रिया शरण पटवारी ,पीतांबर पटवारी, जितेंद्र पटवारी,

■ भक्तों का उमड़ा सैलाब, रथ खींचने की लगी होड़

सतनारायण खांडल, सुरेश वशिष्ठ, श्री गौड विप्र परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र शर्मा की उपस्थिति में भगवान जगन्नाथ ,बलभद्र व सुभद्रा की आरती करने के बाद की गई।

मंदिर गोपीनाथजी के महंत मनोहर शरण दास बताया ने कि मंदिर गोपीनाथ जी से भगवान जगन्नाथ रथयात्रा साही लवाजमे, डीजे व बैंड बाजे के साथ प्रारंभ हुई जो कस्बे के रींगस बाजार, चौपड़ बाजार, सीकर बाजार, नवोड़ी, गौशाला बाजार, खंडेला बाजार, सुरानी बाजार, पंजाबी मोहल्ला, खटोड़ा बाजार, राजपथ रोड से होते हुए गोपीनाथजी मंदिर पहुंची जहां पर सभी भक्तजनों को दर्शन देते हुए मंदिर श्री गोपीनाथजी में सायंकाल 8 बजे समापन व महा आरती का आयोजन किया गया। मंदिर में सायंकाल 5:15 बजे से सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद का आयोजन रखा गया जिसमें हजारों भक्तों ने पंगत प्रसादी पाई ।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा विशाल 21 फीट ऊंचे रथ में विराजमान होकर देश विदेश एवम वृंदावन, दिल्ली, जयपुर, चोमू, गोविंदगढ ,सीकर, नीमकाथाना, मूंडरू, सरदार शहर, ब्यावर, उदयपुर, मुंबई व स्थानीय भक्तों की मंडली के नृत्य मय संकीर्तन व लवाजमे के साथ रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा के संपूर्ण मार्ग में जगह जगह भक्तों ने पुष्प वर्षा की तथा अनेक स्थानों पर जलपान की व्यवस्था की गई। हजारों भक्तों में रथ को खींचने के लिए होड़ लगी रही। रथ यात्रा के साथ प्रशासन की ओर से पुलिस जाप्ता, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड आदि की संपूर्ण व्यवस्था रही। रथ यात्रा में विहिप, बजरंग दल, स्काउट के स्वयंसेवकों ने अपनी सेवाएं दी। इस मौके पर इस्कॉन मंडली ,पटवारी परिवार, मंदिर प्रबंधन से जुड़े कर्मी, व कन्हैयालाल चौरासिया, पहलाद सोमानी, सत्यनारायण सेन ,शंभू दयाल सैनी, उमाशंकर ठठेरा, विहिप के मुकेश शर्मा ,अशोक सोनी, निरंजन कयाल, बाबूलाल चौधरी, मोती कयाल, डॉ योगेश यादव, कालू रसगुल्ले वाले, लक्की मऊवाला, कर्मवीर घोसल्या, मालीराम सैनी, श्यामलाल , आशुतोष कुमावत, गजेंद्र शर्मा, मीडिया कर्मी व हजारों की संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

गोपीनाथजी मंदिर से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भक्तों का सैलाब उमड़ा।

शहीद की मूर्ति का अनावरण

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम रामसिंहपुरा में शनिवार को क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने शहीद सूबेदार शिवराम सिंह कसाना की मूर्ति का बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर अनावरण किया।

इस मौके पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित समारोह में शिरकत करते हुए उन्होंने कहा कि अमर शहीद पूरे देश के धरोहर होते हैं, जिनसे सम्पूर्ण समाज को राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा मिलती है। साथ ही जीवन में किस प्रकार से ईमानदारीपूर्वक कार्य किया जायें इसका मार्ग भी प्रशस्त होता है। उन्होंने शहीद शिवराम सिंह के दिवंगत माता-पिता स्व. पार्वती देवी व स्व. श्री बोदुराम कसाना का स्मरण करते हुए उन्हें भी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं शहीद वीरांगना धोली देवी का भी अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में नरदेव बेनीवाल, मनोज चौधरी व मन्नु तंवर आदि पार्टी द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुती दी गई। इससे पूर्व शहीद की प्रतिमा पर भारतीय सेना द्वारा पुष्प चक्र भी अर्पित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एड. हीरालाल रावत, महंत गणेशानंद महाराज, प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत, पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, सभापति प्रतिनिधि एड. दुर्गा प्रसाद सैनी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी व गोकुल चंद आर्य, सरपंच धर्मपाल रावत, छीत्तरमल सैनी, दिनेश कमान्डेंट आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा दिलाई

चाकसू, (निसं)। शनिवार को राष्ट्र समर्पित युवा मंच के तत्वावधान में पद्मप्रभु की पावन धरा पदमपुरा में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही यातायात के नियमों की पालना एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में भी जागरूक किया गया। इस दौरान डॉक्टर मधुसूदन, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी ट्रॉमा सेंटर ने बताया सीपीआर आज के युग की प्रमुख आवश्यकता है। वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने में प्रशिक्षित होना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने किसी की जान बचाई जा सके। राष्ट्र समर्पित युवा मंच की इस मुहिम के माध्यम से क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों एवं अन्य संस्थानों के कर्मचारियों एवं छात्रों को की ट्रेनिंग देता आ रहा है एवं आमजन को जागरूक करने में प्रयासरत हैं।

किशनगढ़ बास के 30 साल पुराने दिन क्या फिर से लौटेंगे ?

■ विधायक पर टिकी हैं सबकी निगाहें, खैरथल जिला बनने से किशनगढ़ बास के लोगों की बढ़ी उम्मीदें

किशनगढ़ बास, (निसं)। नवगठित खैरथल जिले को पूर्ण रूप देने के लिए सरकार की ओर से खैरथल में लगाए गए ओएसडी ओम प्रकाश बैरवा मैप तैयार करने में लगे हैं। दूसरी तरफ खैरथल-किशनगढ़ बास में कार्यकर्ताओं के बीच कौन सा कार्यालय कहां होगा इसे लेकर बहस छिड़ी हुई है।

अब विधायक के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऑफिसों के चयन को लेकर बनी है। सरकार खैरथल जिला बनाने से पहले भिवाड़ी में लगभग डेढ़ दर्जन ऑफिस खोल चुकी है। ऊपर से चुनाव नजदीक हैं ऐसे में विधायक के सामने एक तरफ नवगठित जिला खैरथल है तो दूसरी तरफ विधानसभा मुख्यालय किशनगढ़ बास हैं। खैरथल किशनगढ़ बास के बीच तुलना की जाए तो दोनों के बीच की दूरी केवल 8 किलोमीटर की है। ऐसे में किशनगढ़ बास की प्रशासनिक व न्यायिक क्षेत्र में पहले से रही पहचान को देखते हुए कार्यकर्ता तर्क संगत बात रखकर किशनगढ़ बास में भी कुछ महत्वपूर्ण विभागों के जिला कार्यालय खोलें जाने की पैरवी कर रहे हैं।

पुराने दिनों की यादों को ताजा करें तो लगभग 30 साल पहले अलवर जिले का सबसे बड़ा कार्यक्षेत्र वाला उपखंड कार्यालय किशनगढ़ बास रहा है और 15 साल पहले तक खैरथल की पहचान विधानसभा से थी। इस सीट पर विधायक रहे कद्दावर नेता बाबू संपतराम गृहमंत्री रहे। चंद्रशेखर राजस्थान सरकार में मंत्री रहे। 15 साल पहले बनी किशनगढ़ बास विधानसभा के पहले और दूसरे चुनाव में रामहेत यादव विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे।

10 साल के लंबे संघर्ष के बाद तीसरी बार चुनाव में दीपचंद खैरिया जीते और पहली बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। खेरिया की ईमानदार छवि और सीएम अशोक गहलोत के भरोसेमंद विधायकों में होने का लाभ क्षेत्र की जनता को खैरथल जिले के रूप में मिला। 30 साल पहले किशनगढ़ बास उपखंड की पहचान भिवाड़ी टपूकड़ा तिजारा खैरथल मुंडावर कोटकासिम सहित अनेक तहसील शामिल होने पर थी। उसे दौरान भी खैरथल की पहचान राजस्थान में अनाज मंडी के रूप में थी। ग्राम पंचायत स्तर के कस्बे किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर एडीजे कोर्ट का होना राजस्थान में एक मिशाल थी। उस दौरान आईएएस बजरंग लाल शर्मा अश्विनी भगत अखिल अरोड़ा जैसे अधिकारियों ने प्रशिक्षु सेवा के दौरान किशनगढ़ बास का कार्यभार देखा है।

कांग्रेस कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित

किशनगढ़ बास, (निसं)। शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से कार्यकर्ताओं का मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक दीपचंद खैरिया रहे। विधायक ने इस मौके पर कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का आव्हान किया और किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी।

खैरिया के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक दीपचंद खैरिया, प्रधान बीपी सुमन, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पाटिल, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सद्दीक खान, खैरथल शहर अध्यक्ष शिवचरण गुप्ता का शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर मेघवाल समाज सुमेर सिंह मेघवाल समाजसेवी दौलत भारती शिक्षाविद वीरेंद्र सोनी धीर सिंह ठेकेदार अध्यक्ष मजदूर यूनियन अलवर व सदस्य मजदूर संघ आयोग सहित वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कांग्रेस पार्टी की विचारधाराओं से अवगत कराते हुए सीएम अशोक गहलोत और विधायक दीपचंद खैरिया की और से क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक दीपचंद खैरिया ने कहा कार्यकर्ता मेरी ताकत है और कार्यकर्ताओं के मान सम्मान में मैंने मेरी ओर से कोई कमी नहीं छोड़ी है जो विकास के काम बताए उन्हें पूरा किया है।

समर कैंप का समापन

टोंक, (निसं)। देवली उपखंड के दूनी तहसील मुख्यालय स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ देवली के तत्वावधान में पिछले सवा महीने से चल रहे कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर (समर कैंप) का शनिवार को विधिवत समापन हुआ। उप प्रधानाचार्य राम लक्ष्मण गुप्ता एवं शिविर संचालक अशोक शर्मा ने बताया कि समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंचायत समिति देवली प्रधान गणेश राम जाट तथा विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रधान मीणा रहे। इस इस अवसर पर प्रधान गणेश राम जाट ने कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रीष्मकालीन अवकाश का अच्छा सदुपयोग है इससे बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा निकलकर बाहर आती है। इस दौरान एसीबीईओ देवली प्रधान मीणा, शिविर प्रभारी महावीर प्रसाद खटीक, लादू लाल मीणा आदि मौजूद रहे। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र और मोमेंटो प्रदान किया गया। इस इस अवसर पर सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष चौथमल मीणा, राज्यपाल से सम्मानित शिक्षक सत्यनारायण तिवारी, शिक्षाविद दशरथ लाल पारीक,जिला परिषद सदस्य के प्रतिनिधि भंवरलाल सैनी, प्रशिक्षक पूजा सेन, आर्या पाराशर, नेहा राव, दीप्ति सेन आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस युवा संवाद आयोजित

पावटा, (निसं)। कस्बे में स्थित सिद्धि विनायक मैरिज गार्डन में एलबीएस कॉलेज छात्र प्रतिनिधि टीम जीतू आर्य पनियाला के नेतृत्व में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में सैंकड़ों की संख्या में युवाओं ने भाग लेकर विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर के साथ संवाद किया।

इस दौरान युवाओं ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विधायक इंद्राज गुर्जर का 51-51 किलों की माला, साफा व स्वागत किया। इस मौके पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने संवाद में पुनः सरकार की वापसी पर ज्यादा से ज्यादा चर्चा करते हुए कहा कि पूरे देश में भाजपा झूठ की राजनीति कर रही है जिससे बचकर इसका जवाब युवाओं को ही देना होगा। इस दौरान सुरेंद्र मीणा, रोहित धनवाडिया, पंकज गोठवाल, विनय किराड, विष्णु इंदौरिया, रवि खाजोतिया, राजा गुर्जर सहित बडी संया मे युवा साथी उपस्थित रहे।

उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

लालसोट, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने श्रीरामपुरा ग्राम एवं बरेडी में राजकीय विद्यालय के कक्षा कक्ष एवं उप स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लालसोट विधानसभा क्षेत्र में विगत साढे चार साल में जो शिक्षा एवं चिकित्सा सहित लोगों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं की अभूतपूर्व सौगात मिली है वह अन्य क्षेत्र के मुकाबले एक मिसाल है। चिकित्सा मंत्री मीणा ने ग्राम पंचायत के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय श्रीरामपुरा में 50 लाख की लागत से निर्मित पांच कक्षा कक्ष मय बरामदा व बरेडी में 41लाख की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया। ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा में महंगाई राहत एवं प्रशासन गांव के संग अभियान का आयोजन किया गया। इसमें कुल परिवार 810 परिवारों का पंजीयन किया गया। कैंप में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री मीना प्रधान एडवोकेट नाथूलाल मीणा नगर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्र आदि द्वारा पात्र लाभार्थियों को गारंटी कार्ड वितरण किए। इस दौरान प्रधान एडवोकेट नाथूलाल मीणा नगर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्र पीसीसी सदस्य पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्रा आदि द्वारा भी संबोधित किया गया।

वैश्य महासम्मेलन द्वारा गौ सेवा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

टोंक, (निसं)। स्थानीय गांधी गौ शाला प्रांगण में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन टोंक शाखा द्वारा आयोजित 12वीं मासिक गौ सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर वैश्य समाज की प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर संघटन के संरक्षक ताराचंद जैन टेक्स एडवोकेट ने कहा कि सनातन धर्म में गो सेवा का बहुत महत्व है प्रत्येक परिवार को गो सेवा का पुण्य कार्य अपने दैनिक जीवन में धारण करना चाहिए। इस अवसर पर वैश्य समाज की विभन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धिया प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं का पगड़ी माला दुपट्टा स्मृतिचिन्ह और बेज लगा कर सम्मान किया।

इस अवसर पर संघटन संरक्षक भगवान दास अजमेरा सुरेंद्र कुमार जेंन टेक्स एडवोकेट डॉ गोपाल माहेश्वरी ताराचंद जेंन टेक्स एडवोकेट जिलाध्यक्ष राजीव बंसल शहर अध्यक्ष भगवान भण्डारी जिला युवाध्यक्ष डॉ शैलेन्द्र गर्ग शहर कोषाध्यक्ष अमित सर्राफ व्यापार मंडल अध्यक्ष मनीष बंसल निखिल गुप्ता शेष कहालिया राज विजय रोहित जेंन प्रिंस विजय राजेश जेंन हांडी गांव अखिल जेंन रमेश जेंन गट्टी अशोक छाबड़ा मुरारी विजय जयदीप जेंन ओम प्रकाश अजमेरा आशीष मूंदड़ा आदि उपस्थित रहे। सभी वैश्य सदस्यों ने गो माता का पूजन कर आरती कर हरे चारे एवं गुड़ से सेवा की साथ ही 15000 का सूखा चारा वैष्णो देवी गो शाला को भेंट किया गया कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ शैलेन्द्र गर्ग ओर समाज सेवी भगवान भण्डारी ने किया।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन टोंक शाखा द्वारा मासिक गौ सेवा का कार्यक्रम के दौरान समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया।

दिनेश कुमार का स्वागत किया

पावटा, (निसं)। पावटा अखाडा परिषद के तत्वावधान व पूर्व कृषि मंडी चेयरमैन कोटपुतली सुरेश गिठाला के नेतृत्व में दिनेश कुमार गढवाल पुत्र प्रभातीलाल निवासी बस्सी जोगीयान का राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर बनने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व कृषि मंडी चेयरमैन सुरेश गिठाला ने बताया कि समारोह में दिनेश गढवाल का माला व साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। दिनेश गढवाल ने बताया कि मेरा पुलिस सेवा में जाने का बचपन से ही लक्ष्य तय था। जिसके लिए मैंने दृढ संकल्प के साथ नियमित कठोर मेहनत की। इस दौरान पूर्व उपप्रधान बनवारी लाल स्वामी, पूर्व चेयरमैन कृषि उपज मंडी समिति कोटपूतली एवं जयपुर विधानसभा विराटनगर जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ भाजपा जिला उत्तर जयपुर सुरेश गिठाला, पूर्व मंडल अध्यक्ष पावटा भाजपा सवाई सिंह शेखावत, रामेश्वर भाटिया, ओपी बायला, राकेश चौधरी, हीरालाल गढवाल सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सार-समाचार

जगन्नाथ-जानकी वरमाला महोत्सव

राजगढ़, (निसं)। भगवान जगन्नाथ-जानकी वरमाला महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित हुआ। ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के अनूठे आयोजन को देखने भारी संख्या में जनसैलाब उमड़ा। सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुषों ने वरमाला महोत्सव में धर्म लाभ कमाया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधिवत रूप से वरमाला महोत्सव की रस्म अदायगी हुई। इधर महंत प्रकाश दास ने गंगाबाग़ ठिकाना परिसर में बारातियों के सम्मान में स्नेह भोज का आयोजन किया गया। श्रद्धालु महिला पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के महंत पूर्ण दास एवं मदन मोहन शास्त्री ने बताया कि वरमाला महोत्सव को देखने भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की। इसके पश्चात रविवार एवं सोमवार को ऐतिहासिक मेला परवान चढ़ने लगेगा।

खरीफ़ के बीजों का वितरण किया

दौसा, (निसं)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र दौसा में किसान वैज्ञानिक संगोष्ठी प्रदर्शनी एवं खरीफ़ की फसलों के बीजों के वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जसकौर मीणा ने कहा कि भविष्य में खेती एवं पशुपालन को उद्यिमता की ओर ले जाने पर लक्ष्य निर्धारित होगा। कार्यक्रम में सांसद दौसा जसकौर मीना अखिल भारतीय स्वदेशी मंच की सह समन्वयक अर्चना मीना अविकानगर संस्थान के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर, अविकानगर टीएसपी परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ जीजी सोनावाने डा बी एल जाट प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र दौसा जगदीश प्रसाद मीना, डिप्टी डायरेक्टर उद्यान विभाग डिडेल बस्सी, डॉ सत्यवीर सिंह डांगी दौलत राम मीना घमंडी लाल मीना की मौजूदगी में किया गया। अविकानगर संस्थान की टीएसपी परियोजना के अंतर्गत दौसा जिले की विभिन्न तहसीलों के गांवों के जनजाति किसानों को 20 क्विंटल मूंगफली जीजेजी19 किस्म10 क्विंटल ग्वार की आरजीसी1033 किस्म 8 क्विंटल बाजरे की जेबीवी 3 व तीन सो पूसा वेजिटेबल किट, 19 सौ पौधे आम नींबू अंजीर बिलपत्र कटहल आदि का वितरण कार्यक्रम में उपस्थित जनजाति महिला व पुरुष किसानों को किया गया।

ठाकुरजी का पाटोत्सव मनाया

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के पुराना फुलेरा स्थित प्राचीन ठाकुर जी महाराज मन्दिर परिसर में शुक्रवार को श्री ठाकुर सेवा समिति के तत्वावधान में पण्डित आचार्य शिवनारायण शर्मा के सानिध्य में ठाकुर जी महाराज का पाटोत्सव मनाया गया। साथ ही सुरभि नामक गौमाता की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा भी की गई। समिति के अध्यक्ष नटवर लाल शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में यज्ञाचार्य पण्डित गोपाल शरण शास्त्री व पण्डित शिवनारायण शर्मा के द्वारा पूर्ण मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ सम्पन्न करवाया गया। इस दौरान मुख्य यजमान के रूप में धर्मप्रेमी रामपाल कुमावत रहे। जबकि इनके साथ ही कुल 21 हवन कुण्डों में अन्य यजमानों द्वारा पूर्णाहुति दी गई। महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर अवधेश टांक, मोहित, सत्यनारायण जांगिड़, दिनेश जांगिड़,श्री कृष्ण जांगिड़, प्रेमचंद जांगिड़, हर्षित प्रजापत, पवन शर्मा, राजेन्द्र प्रजापति, गोपाल सिंह शेखावत, सत्यनारायण जोशी, अजय कुमावत, प्रदीप कुमावत, गोविंद शर्मा, दिलीप टांक, प्रदीप टांक, केशव टांक, राजू टांक आदि के द्वारा सनातन धर्म की रक्षा कर सुरभि गौ माता की प्राण प्रतिष्ठा तन मन धन के साथ की गई।

तीन प्रतिभाएं हवाई यात्रा करेंगी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। ग्राम जाजोद की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की तीन बालिकाएं हवाई यात्रा करेंगी। प्रधानाचार्या सुमन तोबड़िया ने बताया कि गांव के समाज सेवी भामाशाह प्रेमचंद सोलंकी ने बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को हवाई जहाज से पर्यटन स्थल की यात्रा करवाने की घोषणा की थी। इस वर्ष 12 वीं बोर्ड परीक्षा में तीन छात्राएं प्रियंका शर्मा 94.60 प्रतिशत, रौनक रूलानिया 92.20 प्रतिशत एवं अंजू कुमारी जितरवाल ने 92 प्रतिशत अंक हासिल कर गांव में इतिहास रच दिया। भामाशाह की घोषणा के अनुसार प्रेमचंद सोलंकी एवं उनकी धर्म पत्नी सहित इन तीनों बालिकाओं को हवाई यात्रा के लिए 4 जुलाई को जयपुर से उदयपुर की सैर करवाएंगे।

सड़कों के नवीनीकरण कार्य स्वीकृत

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष और आमेर विधायक डॉ. सतीश पुनिया और विधायक रामलाल शर्मा के प्रयासों से 1.83 करोड़ की लागत से सड़कों के नवीनीकरण कार्य के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। जिनमें आमेर विधानसभा क्षेत्र में बिहारीपूरा से फतेहपुरा तक 2.5 किमी लंबाई की सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए 1.45 करोड़ और चौमूं विधानसभा क्षेत्र के सामोद बंधे से एनएच राघव स्कूल तक सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए 38 लाख की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा दो सड़कों के नवीनीकरण कार्य की स्वीकृति जारी की गई है।

टेऊराम महाराज का जन्मोत्सव मनाया

खैरथल, (निसं)। स्थानीय प्रेमप्रकाश आश्रम पर सतगुरु स्वामी टेऊराम महाराज का चालीस दिवसीय 137वां जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। आश्रम के प्रभारी संत हरि सांई ने बताया कि सतगुरु स्वामी टेऊराम महाराज के चालीहा महोत्सव के तहत लगातार दीपदान यज्ञ के साथ पाठों का भोग, कन्या वंदन, जरुरतमंद लोगों को रेलवे स्टेशन आदि में भोजन कराया गया। शुक्रवार रात को 137 केक काट कर प्रसाद वितरण किया गया। सत्संग के अंत में अमरापुर धाम जयपुर से प्रेमप्रकाश आश्रम के मंडलाचार्य स्वामी भगतप्रकाश महाराज द्वारा डिजटली पल्लव पाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भंडारा में प्रसादी ग्रहण कर गुरुओं के समक्ष शीश नवा मन्नतें मांगी।

विशाल शोभा यात्रा 2 जुलाई को

कोटपूतली, (निसं)। दक्ष सेवा संस्थान कोटपूतली के तत्वाधान में महाराजा दक्ष प्रजापति की 06 वीं विशाल शोभा यात्रा व जयंती समारोह का आयोजन आगामी 02 जुलाई को किया जायेगा। शोभा यात्रा 02 जुलाई को प्रातः 08 बजे राजा दक्ष प्रजापति छात्रावास सुंदरपुरा रोड़ से रवाना होकर बीडीएम हॉस्पिटल के सामने से होती हुई मेन चौराहे पर पहुंचकर नगरपालिका पार्क होती हुई जय विलास गार्डन में पहुँचेगी। जहाँ सभा का आयोजन होगा। सभा की अध्यक्षता श्री श्री 1008 सिद्ध गिरी जी महाराज उज्जैन वाले करेंगे। जबकि मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष लोकेश प्रजापति होगें। दक्ष सेवा संस्थान के अध्यक्ष नरेश कुमावत ने बताया कि पदाधिकारियों द्वारा गांव-गांव जाकर लोगों से जनसंपर्क कर शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया जा रहा है।

स्कॉर्पियो और कार की भिड़ंत, तीन की मौत, छह लोग गंभीर घायल

हनुमान बेनीवाल की रैली में जा रही स्कॉर्पियो कार दूसरी कार से भिड़ी

बालोतरा, (निसं)। बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना में शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। स्कॉर्पियो और कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 6 लोग गंभीर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया। राहगीरों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को धोरीमन्ना अस्पताल पहुंचाया। यह हादसा धोरीमन्ना थाना क्षेत्र के बाड़मेर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे 68 पर लव-कुश कॉलेज के पास शुक्रवार दोपहर करीब चार बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार आरएलपी सुप्रीमों एवं सांसद हनुमान बेनीवाल ने शनिवार को बाड़मेर के धोरीमन्ना में बजरी माफियाओं के खिलाफ हल्ला बोल रैली आयोजित की है। इस रैली में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में हनुमान बेनीवाल समर्थक धोरीमन्ना पहुंच रहे हैं। इसी दौरान एक समर्थक की तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की सामने से आ रही कार से भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक युवक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। राहगीरों ने घायलों को बड़ी मुश्किल से वाहनों से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया। फिलहाल, मृतकों के शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात शुरू करवाया।

सड़क हादसे में दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गई।

- हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद दोनों वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए
- सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को धोरीमन्ना अस्पताल पहुंचाया

आरएलपी की रैली में शामिल होने जा रहे थे कार्यकर्ता बालोतरा एएसपी सुभाषचंद्र खोजा ने बताया कि ब्लैक स्कार्पियों व कार के बीच भिड़ंत हुई है। इसमें तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं, दस लोग घायल हुए है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हुई है। वहीं प्रारंभिक जानकारी मिली है कि आरएलपी रैली में शामिल होने के लिए लोग जा रहे थे। मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। उसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शवों को परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा।

पुलिस के अनुसार कार के अंदर पांच लोग सवार थे। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, स्कार्पियो में आठ लोग सवार थे। कार सवार दो घायल हुए हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल रेफर कर दिया है।

कोटा में नीट की तैयारी कर रही बिहार की छात्रा की संदिग्ध मौत

इसी साल जनवरी में कोटा आई थी छात्रा

कोटा (निस)। शहर के विज्ञान नगर थाना इलाके में 17 वर्षीय कोचिंग छात्रा की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। छात्रा ने अचानक से खून की उल्टियां करना शुरू कर दिया था। जिसके बाद उसकी रूममेट उसे लेकर निजी अस्पताल गई थी। जहां से एमबीएस अस्पताल भेज दिया गया।

एमबीएस में चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। छात्रा मूलतः बिहार जिले के मुजफ्फरपुर जिले के सरैया थाना के बकरा गांव निवासी थी। वह कोटा में रहकर मेडिकल एंट्रेंस परीक्षा नीट यूजी की तैयारी कर रही थी। वह इसी साल जनवरी में कोटा आई थी। छात्रा मुस्कान कोटा में विज्ञान नगर इलाके में इंदिरा कॉलोनी स्थित मकान में किराए से रह रही थी। इस मकान में ही उसके साथ रूम पार्टनर सलोनी भी थी। शुक्रवार रात को ही अचानक से उसने उल्टी शुरू की थी। इस संबंध में मृतक छात्रा के पिता देवकांत ब्राह्मण को फोन कर दिया है।

- पुलिस के अनुसार परिजनों ने बालिका की 6 साल की उम्र में ही ओपन हार्ट सर्जरी होने की बात कही है

हैड कांस्टेबल सत्येंद्र चावला ने बताया कि छात्रा की मौत के कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही होगा। इसके बाद ही क्लियर हो पाएगा कि क्या कारण रहे हैं। इसके लिए उसके परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है। हैड कांस्टेबल चावला ने बताया कि बालिका की मौत की सूचना एमबीएस अस्पताल से ही उन्हें मिली थी। जिसके बाद पीजी मालिक और चिकित्सकों से बातचीत की।

मुस्कान की रूममेट सलोनी से भी बातचीत की गई, जिसमें उसने अचानक से ही तबीयत बिगड़ने का जिक्र किया है। ऐसे में मुस्कान के पिता देवकांत से भी बातचीत की गई है। वे बिहार से कोटा के लिए रवाना हो गए हैं। हैड कांस्टेबल चावला का कहना है कि परिजनों ने बालिका की 6 साल की उम्र में ही ओपन हार्ट सर्जरी होने की बात कही है जिसमें बताया है कि बालिका को बचपन से ही हार्ट प्रॉब्लम थी। साल 2012 में चिकित्सकों की सलाह पर उसका ऑपरेशन करवाया गया था।

खेत में बनी डिग्गी में डूबने से दो भाईयों की मौत

बीदासर, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ढाणी रावली में गोमदाराम के खेत में बनी पानी की डिग्गी में दो सगे भाइयों की पानी में डूबने से मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ढाणी स्वामीयान का राजूराम मेघवाल ढाणी रावली में बने कृषि फार्म बुआई करने के लिये लिया था। शनिवार की सुबह राजूराम के पुत्र मनोज 13 वर्ष तथा रवि 10 वर्ष दोनों पानी की डिग्गी के पास खेलते-खेलते डिग्गी पर चढ़ गये तथा डिग्गी पर चढ़ने के बाद दोनों के पाँव फिसलने से डिग्गी में गिर गये। जिनको चैनाराम माली ने डिग्गी से बाहर निकाला और राजकीय सीएचसी लेकर आये, जहाँ चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक के ताऊ ओमप्रकाश की लिखित रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज कर राजकीय सीएचसी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

बिपरजॉय से प्रभावित पीड़ितों की पीड़ा को लेकर पूनियां ने सी.एम को लिखा पत्र

क्षतितग्रस्त मकान, जनहानि और पशुधन की हानि का जल्द सर्वे करवाकर मुआवजा देने की मांग

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने बाड़मेर, चौहटन, सांचोर का 22 जून को जमीनी दौरा कर शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर पीड़ित लोगों को आर्थिक मुआवजा देने एवं अन्य जरूरी सम्बल देने की मांग की है।

पत्र लिखकर पूनियां ने गहलोत से आग्रह किया कि, बिपरजॉय तूफान से विशेषकर पश्चिमी राजस्थान में जनहानि हुई है और कुछ जगह लोगों की आजीविका का सहारा पशुधन भी काल कवलित हो गया है, पूनियां ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि प्रभावित क्षेत्र के लोगों को हर तरीके की सहायता सहयोग अविलंब प्रदान करें। पूनियां ने गहलोत को पत्र में लिखा कि,जैसा कि आपके संज्ञान में है कि विगत दिनों आए बिपरजॉय तूफान से राजस्थान का विशेषकर पश्चिमी क्षेत्र बाड़मेर, जोधपुर, पाली जालौर, सिरोही तथा अजमेर विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं। आपने भी हवाई सर्वेक्षण किया है।

आपके प्रवास के तत्पश्चात् मैनें भी बाडमेर और जालौर के कुछ क्षेत्रों की जमीनी हकीकत जानने के लिए दौरा किया है। पूनियां ने लिखा कि चौहटन कस्बे सहित विरात्रा, भीलों की बस्ती, धनाऊ, गंगासरा तथा बावतलाई एवं जालौर जिले के वेडिया, सूंथडी, खासरवी, केसुरी, सरवाना एवं सांचौर कस्बे के एक दिवसीय प्रवास के दौरान तूफान प्रभावित स्थानों पर पहुंचकर लोगों से मिलकर जो वस्तुस्थिति देखी है वो साझा की है। मैं साथ ही इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि शासन-प्रशासन में आपदा प्रबन्धन तंत्र को और विकसित और सुदृढ़ किया जाए। आज रिमोट सेंसिंग काफी एडवांस हो गयी है, यदि मशीनरी सक्रिय होती तो पूर्वानुमान से काफी तैयारी की जा सकती थी कहीं-न-कही बिपरजॉय की आशंका से पूर्व तैयारी का अभाव एवं शिथिलता दिखी है। पूनियां ने आग्रह किया है कि राजस्थान के आपदा प्रबंधन तंत्र को और ज्यादा पुष्ट करने की आवश्यकता है। प्रदेश के बिपरजॉय प्रभावित क्षेत्रों को हर तरीके की सहायता सहयोग अविलम्ब दिया जाए।

नाबालिग के अपहरण का मामला : विधायक ने डी.एस.पी. से मुलाकात की

24 घंटे में नाबालिग को बरामद करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

चिड़ावा, (निसं)। श्योपुरा में एक घर में तोड़फोड़, मारपीट और एक नाबालिग को उठा ले जाने के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना जारी है। सुबह जहां आक्रोशित ग्रामीणों ने हाइवे जाम का फैसला लिया था लेकिन जाम का फ़ैसला एकबारगी टाल दिया गया है।

वहीं ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए विधायक जेपी चंदेलिया, भाजपा के जिला महामंत्री राजेश दहिया सहित अन्य नेता थाने पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश कर पुलिस को थोड़ा समय देने की बात कही। वहीं विधायक चंदेलिया ने डीएसपी शिवरतन गोदारा, पिलानी सीआई रणजीत सेवदा, चिड़ावा सीआई इंद्रप्रकाश यादव से अब तक की कार्रवाई को लेकर जानकारी ली। उन्होंने इस दौरान डीएसपी से कहा कि उनके साथ क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और सरपंच आएं है। सभी की एक ही मांग है कि जल्द से जल्द बच्ची को अपहरणकर्ताओं से छुड़ाकर लाया जाए और अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए। डीएसपी ने इस दौरान बताया कि पुलिस पूरे जिले के साथ ही पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि इलाकों में सर्च अभियान चला रही है। आरोपी बार-बार पुलिस को चकमा दे रहे हैं। लेकिन पुलिस ने उनका पीछा नहीं छोड़ा है। जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे। उन्होंने लोगों से थोड़ा संयम बनाए रखने की अपील की। वहीं इस मामले को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने राज्यपाल के नाम हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। तहसीलदार कमलदीप पूनिया ने धरना स्थल पर आकर ज्ञापन लिया और राज्यपाल तक ज्ञापन पहुंचाने का आश्वासन दिया।

जनप्रतिनिधियों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की।

- एसपी ने भी चिड़ावा पहुंचकर जल्द बरामदगी का आश्वासन दिया

इधर शाम को एसपी श्याम सिंह भी चिड़ावा थाने पहुंचे और ग्रामीण प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि पुलिस आरोपियों के निकट है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भारत-पाक बॉर्डर से 10 करोड़ की हेरोइन बरामद

अनूपगढ़, (निसं)। पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर अतंरराष्ट्रीय बॉर्डर पर ड्रोन से हेरोइन तस्करी की कोशिश की गई। श्रीगंगानगर के घड़साना में देर रात को आए ड्रोन पर बीएसएफ जवानों ने 10 से 12 राउंड फायरिंग की। जिसके बाद ड्रोन वापस चला गया। इसके बाद बीएसएफ जवानों ने सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान के दौरान दो पैकेट हेरोइन के मिले।

जानकारी के अनुसार नई मंडी घड़साना के बॉर्डर क्षेत्र 1 बीएसएफ बटालियन की बॉर्डर पोस्ट अशोका और जगदेवा के बीच देर रात एक बजे बीएसएफ के जवानों को ड्रोन की आवाज सुनाई दी। ड्रोन की आवाज सुनाई देते ही बीएसएफ जवानों ने ड्रोन पर 12 राउंड फायर किए और सर्च अभियान चलाया। बीएसएफ के द्वारा सर्च अभियान चलाए जाने पर जवानों को वहां दो पैकेट हेरोइन मिले। जिनका वजन 2 किलो था। हेरोइन की कीमत 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। बीएसएफ ने अभी भी क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया हुआ है।

- बीएसएफ जवानों ने 12 राउंड फायरिंग कर ड्रोन को खदेड़ा

मासूम बच्चे को मारा पत्थर, मौत

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर जिले में इन दिनों बेलगाम हो चुके पत्थरबाज रात्रि के समय आए दिन राहगीरों व बसों पर पथराव की वारदात को अंजाम देते थे, लेकिन अब शाम होने के बाद ही पत्थरबाज बेलगाम हो जाते हैं। गत दिन जब एक बाइक पर पति-पत्नी और एक 2 साल के बच्चा शादी समारोह से वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान बदमाशों ने बाइक पर पति-पत्नी पर पथराव कर दिया, जिससे एक पत्थर बाइक पर आगे बैठे मासूम बच्चे के सिर पर लगा जिससे उसकी मौत हो गई। मांडवा नवाघरा निवासी विक्रम परमार व उसकी पत्नी ओर दो साल बच्चा वरुण अपने साले की शादी समारोह से शिरकत कर बाइक पर घर लोट रहे थे।

गैंगरेप पीड़िता को अस्पताल लाने वाला कार ड्राइवर गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर के एक कस्बे में युवती के साथ गैंगरेप और मर्डर मामले में पुलिस ने उस कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने घटनास्थल से अस्पताल तक पहुंचाया था। पुलिस उसकी भूमिका की जांच कर रही है। माना जा रहा है कि वो भी मुख्य आरोपी दिनेश बिश्नोई का दोस्त है।

जानकारी के अनुसार दलित युवती को 19 जून दोपहर 12 बजे सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। आरोपी दिनेश जिस कार से आया था, उसे राकेश नामक युवक चला रहा था। पुलिस ने राकेश को गुरुवार को ही हिरासत में ले लिया था। ज्यादा दबाव बनने पर उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। राकेश की इस पूरे घटनाक्रम में भूमिका का पता लगाया जा रहा है। राकेश के अलावा ओमप्रकाश, जस्सू और कपिल नामक दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। इन तीनों की भूमिका स्पष्ट होने पर गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल इन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसमें एक पर कमरे में सफाई करने और ताला लगाने का आरोप है। जिसकी छानबीन की जा रही है।

पुलिस हिरासत में अब चार लोग हैं। इसमें कपिल, जस्सू, ओमप्रकाश और कॉन्स्टेबल भागीरथ है। इन चारों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। जस्सू नाई ने उक्त मकान किराए पर ले रखा था, जिसमें ये पूरा घटनाक्रम हुआ। इस पूरे घटनाक्रम में मुख्य अभियुक्त दिनेश बिश्नोई अब तक पुलिस के हाथ नहीं आया है। उसे गिरफ्तार करने के लिए जगह-जगह दबिश दी जा रही है, लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिल रही है। पुलिस ने सात बड़ी टीम बनाई है, जो दिनेश बिश्नोई को ढूंढ रही है। बीकानेर के अलावा राजस्थान के कई हिस्सों में उसकी पड़ताल हो रही है। उसके सभी रिश्तेदारों पर भी नजर रखी जा रही है। शातिर दिनेश बिश्नोई अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। आरपीएस स्तर के कई अफसर उसे ढूंढ़ने में लगे हुए हैं लेकिन वो नहीं मिल रहा है।

छात्रवृत्ति घोटाले का पर्दाफाश

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में लाखों की छात्रवृत्ति घोटाले का पुलिस ने पर्दाफाश कर चार आरोपियों को बैनकाब करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 जून को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अधिकारी मीना आर्य ने मानटाउन थाने में छात्रवृत्ति घोटाले के अंदेशे को लेकर मुकदमा दर्ज करवाया था। जिस पर पुलिस ने गहनता के साथ तफ्तीश करते हुए 4 आरोपियों को जांच पड़ताल के बाद धर दबोचा। इसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग का सूचना सहायक ऋषिकेश मीणा, ईमित्र संचालक अजय गुर्जर, श्याम लाल माली तथा महात्मा ज्योतिबा राव फूले यूनिवर्सिटी का कंप्यूटर ऑपरेटर मुकेश कुमार सैनी शामिल है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने लगभग 65 लाख रुपए के घोटाले को अंजाम दे दिया। आरोपियों ने 285 एंट्री फर्जी रूप से कर डाली। मामले में पुलिस अब अपनी अग्रिम कार्यवाही को अंजाम देने में जुटी हुई है।

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में लाखों का छात्रवृत्ति का घोटाला
- पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा

सांभर-फुलेरा जिला की मांग को लेकर महापड़ाव आज

फुलेरा विधानसभा के 200 से अधिक गांवों के लोग शामिल होंगे

सांभरझील, (निसं)। सांभर-फुलेरा को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर आम जनता की ओर से मोखमपुरा हाईवे पर रविवार को महापड़ाव में फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के 200 से अधिक गांवों के लोग भाग लेंगे।

फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक उम्मीदवार रहे विद्याधर चौधरी, भाजपा जिला देहात के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मानाराम ठोलिया, एडवोकेट कानाराम कुमावत, फुलेरा के पूर्व चेयरमैन मनोज अहूजा सहित अनेक कद्दावर नेताओं ने विधानसभा क्षेत्र की आम जनता, व्यापारिक बंधुओं, सरपंचों, सामाजिक संस्थाओं, किसानों, पंचायत समिति के सदस्यों, सभी 36 कोम के लोगों से रविवार को होने वाले महापड़ाव में शामिल होने का आव्हान करते हुए रैली निकाली।

- लोगों से रविवार को होने वाले महापड़ाव में शामिल होने का आव्हान करते हुए रैली निकाली

सांभर के सम्राट पृथ्वीराज चौहान सर्किल से रैली प्रमुख मार्गों से होते हुए पुरानी धानमंडी स्थित रामलीला रंगमंच पर सभा में तब्दील हुई। रैली में आसपास गांव से आए हजारों लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर विद्याधर चौधरी ने कहा कि, सरकार सांभर फुलेरा को संयुक्त रूप से जिला बनाए जाने की घोषणा करें अथवा इसे जयपुर जिले में यथावत रखा जाए। कुछ लोग इस महापड़ाव को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं उनके नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे, ऐसे लोग सांभर फुलेरा की जनता में फूट डालने का काम कर रहे हैं और फूट में भी जबरदस्त झूंठ का सहारा लिया जा रहा है।

डीडी कुमावत ने कहा कि सांभर फुलेरा की जनता अब गद्दारों को पहचान चुकी है, जिला बनाओ संघर्ष समिति ने विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ धोखाधड़ी कर सरकार की मुखबिरी का काम किया है, ऐसे लोगों का अब चेहरा उजागर हो गया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के मानाराम ठोलिया ने कहा कि या तो सांभर फुलेरा जिला बनेगा या फिर जयपुर जिले में ही हम यथावत रहेंगे लेकिन दूदू में किसी भी सूरत में सांभर फुलेरा की जनता शामिल नहीं होगी यह सरकार भी कान खोल कर सुन ले। फुलेरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन मनोज अहूजा ने आम सभा में सार्वजनिक तौर पर कहा कि हमने सांभर फुलेरा जिला बनाओ संघर्ष समिति का खुलकर हर प्रकार से योगदान दिया था लेकिन उन्होंने मुख्यमंत्री के पास जाकर सांभर दूदू जिला का प्रस्ताव रखवा दिया। संघर्ष समिति के लोगों ने हमारे चल रहे आंदोलन को कमजोर करने के लिए जो षड्यंत्र रचा है इसका व्यापार महासंघ की ओर से मैं कड़ी निंदा करता हूं तथा जिला संघर्ष समिति को दिया गया समर्थन हम वापस लेते हैं।

बून्दी में सात जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती कराया

मांगों को लेकर 21 जून से शुरु हुआ मैस का बहिष्कार शनिवार को भी जारी रहा

अस्पताल में जेल प्रहरी का उपचार शुरु किया।

बून्दी, (निसं)। लंबित मांगों को लेकर जेल प्रहरियों द्वारा किया जा रहा मैस का बहिष्कार शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। शनिवार को प्रदर्शन के दौरान सात जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ जाने के बाद उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने वार्ड में भर्ती कर ईलाज प्रारंभ किया।

- वेतन विसंगति दूर करने का आश्वासन पूरा नहीं हुआ

जानकारी के अनुसार शनिवार को सत्यनारायण, अशोक, कपिल, हरिसिंह, जीतराम, सुमेर सिंह और गब्बर सिंह तबीयत खराब हो गई, जिन्हें साथी कर्मचारी जिला अस्पताल लेकर आए। गौरतलब हैं कि जेल कर्मियों ने जनवरी 2023 में प्रदेश सरकार और जेल कर्मियों के मध्य हुए समझौते को लागू नहीं किए जाने के खिलाफ 21 जून से मैस का बहिष्कार कर रखा है। इनका कहना है कि वर्ष 2017 व जनवरी 2023 में सरकार द्वारा 1998 से चली आ रही वेतन विसंगति दूर करने का आश्वासन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। जब तक प्रदेश सरकार समझौता लागू नहीं करेगी तब तक मैस का बहिष्कार जारी रहेगा।

केन्द्रीय कारागृह जोधपुर में अनशन पर बैठे कार्मिक की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। प्रदेशभर की जेलों में प्रहरियों एवं कार्मिकों का प्रदर्शन जारी है। वेतन विसंगति सहित कई मांगों को लेकर जेल के कार्मिक कार्य बहिष्कार के साथ धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। जोधपुर केंद्रीय कारागार परिसर पर धरना प्रदर्शन कर रहे एक कार्मिक रेवतराम की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि उसकी तबीयत में सुधार बताया गया है।

जानकारी के अनुसार केन्द्रीय कारागृह जोधपुर के समस्त कर्मचारियों द्वारा वेतन विसंगति को लेकर 13 जून से लगाकर 20 जून तक काली पट्टी बांधकर ड्यूटी का निर्वहन किया गया। मांगें नहीं मानने पर 21 जून से लगातार आज चौथे दिन मैस बहिष्कार, भूखे रहकर ड्यूटी निर्वहन कर रहे हैं।

प्रदेश की सरकार की जेल कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करके राजस्थान पुलिस के समकक्ष करने की सहमति बनी थी। उसी आश्वासन पर जेल कर्मचारियों ने मैस बहिष्कार हड़ताल को समाप्त कर दिया था। मगर परिणामस्वरूप आज तक कोई आदेश नहीं हुआ जिससे जेल कर्मचारियों में रोष है की सरकार वादा करके भूल गई है। जोधपुर केंद्रीय कारागार पर आज सुबह कार्मिक रेवतरात की अचानक से तबीयत बिगड़ने पर एंबुलेंस 108 की मदद से अस्पताल भेजा गया। उसकी हालत में अब सुधार बताया गया है।

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mobile No. : 9829160606, 9460826362, 9413752492

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Public Administration, Environmental Science, Jyotish
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science
Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course** : Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Faculty of Commerce : Mobile No. : 9460492196, 9460372183, 9461180053

B.Com., B.B.A., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Ph. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology, Computer science

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), **Diploma and Certificate Courses in Astrology** (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 8209630249

B.A, BA (Additional), B.Lib MA (All Subjects), MA (Music)MA Education, M.Com, M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths), MA/M.Sc (Psychology), M.Lib PG Diploma in Guidance counseling, PG Diploma in Mental Health Counselling, B.Ed in Special Education (ID), B.Ed Special Education (HI) D.Ed. Special Education (IDD) D.Ed. Special Education (HI), D.Ed. Special Education (VI), (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2), DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation), DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation (subject to RCI approval), D.Lib, Diploma in Music

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Ph.: 9352500445

PhD. Yoga, M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, PhD. Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S), Diploma In Gym Instructor, Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year(Wrestling, Judo, Powerlifting, Yoga, Weight Lifting, Boxing, Wusu)

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1
Year (Hockey, Football, Kabaddi, Volleyball, Basketball, Badminton)

Department of Law - 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), Ph.D., PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law)
Diploma in Criminal Psychology

Department of Pharmacy - 9414869044

D. Pharma (Diploma in Pharmacy)

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Ph. : 0294-2490210, 9829009878, 9950304204

Diploma in Engineering - Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science.

Faculty of Computer Science and Information Technology
Ph. 2494227, 2494217, 9414737125

B.C.A., M.C.A., M.Sc.(CS), B.Sc. in Data Science, P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy - Ph. : 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation

Department of Nursing - Ph. 9414308252, 9782920126, 9772982280

B.Sc. Nursing
G.N.M. Nursing

Udaipur School of Social Work - Ph. 8118806319, 9829445889

Master of Social Work (MSW). PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR
Master of Social Work (MSW - Self Finance Evening Batch)

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies)
Ph. : 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology; PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology,
M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Ph. : 0294-2655327, 9694881447, 9079919960, 8209568068, 7014982037

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Ph. : 0294-2655974, 2655975, 9414156701, 9351343740

Diploma in Homoeopathic Pharmacy (DHP).

Faculty of Management Studies (FMS)
Ph. : 0294-2490632, 9460322351, 9414161889, 9636803729, 9782049628, 9001556306, 9928544749

B.B.A, M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri-Business / Family Business Management), M.H.R.M.

Department of Travel, Tourism & Hotel Management
Faculty of Management Studies - 9950489333

BBA, BBA (Tourism & Travel) Specialisation in Hotel Management
Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
Diploma in Hotel Management (Food Production)
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Pratapnagar, Udaipur, Mob. : 9928456341, 9929939963

B.A., B.Com, B.Sc. , M.A. Geography, Pol.Sc., Regular Special Classes for Competition exams

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok
Faculty of Education - Ph. : 8306182436, 0294-2655327

M.Ed., M.A. Education, B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), B.Ed. (Child Development), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

Note :

For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

जब मैंने वापसी की, विराट कोहली ने मेरा सपोर्ट किया। अगर उन्होंने मेरा समर्थन नहीं किया होता तो मैं वापसी नहीं कर पाता। लेकिन तब धोनी थे जिन्होंने मुझे 2019 को लेकर सही तस्वीर दिखाई। उन्होंने बताया कि चयनकर्ता उनके बारे में नहीं सोच रहे हैं। - युवराज सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, अपने कमबैक को लेकर खोला राज।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ यशस्वी जयसवाल

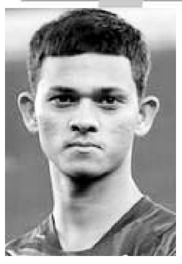

वेस्टइंडीज दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले बायें हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय टीम में चयन की संभावना को लेकर उन्हें घबराहट और रोमांच दोनों का अहसास था। उन्होंने कहा, " मुझे अच्छा महसूस हो रहा है और इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।" राजस्थान रॉयल्स के कोच कुमार संगकारा, इस टीम के उनके साथी ट्रेंट बोल्ट और जो रूट ऐसे दिग्गजों के अलावा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा राष्ट्रीय टीम में जायसवाल की दावेदारी का समर्थन कर चुके है।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट विश्व कप के इतिहास में पहली गेंद 7 जून 1975 को लार्ड्स के मैदान पर भारत के मदनलाल द्वारा इंग्लैण्ड के डैनिश एमिस को फेंकी गई थी।

जापान में 18वें स्थान पर रहे कवीन

मुराता (जापान), 24 जून। भारतीय राइडर कवीन समर क्विंटल ने यहां 2023 एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप (एआरआरसी) के तीसरे चरण में 18वां स्थान हासिल किया। स्पोर्ट्सलैण्ड सुगो सर्किट पर मौसम की चरम परिस्थितियों और ज़बरदस्त प्रतियोगिता के बीच क्विंटल ने एपी250सीसी में 20 मिनट 52.959 सेकंड के कुल लैप टाइम के साथ 18वें स्थान पर रेस खत्म की। आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले कवीन का सर्वश्रेष्ठ लैप एक मिनट 42.481 सेकंड में पूरा हुआ। इससे पहले आज के क्वालिफाइंग राउण्ड में कवीन ने एक मिनट 42.002 सेकंड का प्रभावशाली लैप समय दर्ज किया था। होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया के बिक्री एवं वाणिज्य निदेशक योगेश माथुर ने कहा, हम जापान में एशियाई रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे चरण में कवीन क्विंटल के प्रयासों की सराहना करते हैं। प्रतिस्पर्धा मुश्किल थी और सर्किट पर मैदान की परिस्थितियां अपने आप में चुनौती बनी हुई थीं। ज़बरदस्त मुकाबले और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने प्रतिबद्धता एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। आज का प्रदर्शन हमारी उम्मीदों से कुछ कम रहा, लेकिन इसने हमें एक टीम के रूप में सीखने का बेजोड़ अनुभव प्रदान किया। यह सबक हमें आगामी रेस में सुधार लाने के लिये प्रेरित करेगा।

इंग्लैंड ने पहली पारी 393 रन पर घोषित कर अति आक्रामकता दिखायीः पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर गीव्स

मेलबर्न, 24 जून। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट गीव्स का मानना है कि एशेज के दौरा इंग्लैंड का अति आक्रामकता भरा रवैया उस पर भारी पड़ सकता है। गीव्स ने कहा कि एजबेस्टन में पहले टेस्ट के पहली दिन ही पारी घोषित कर बेन स्टोक्स की टीम ने 'अति अंहकार' का संकेत दिया। इंग्लैंड ने पहली पारी आठ विकेट पर 393 रन पर घोषित कर दी थी जबकि जो रूट 118 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे और घरेलू टीम कुछ और रन आसानी से जुटा सकती थी जिससे उन्हें मनोवैज्ञानिक फायदा मिल जाता। कई विशेषज्ञों ने इंग्लैंड के इस तरह पारी घोषित करने के फैसले की आलोचना की थी और आस्ट्रेलिया ने दो विकेट से टेस्ट मैच जीत लिया था। नतीजा हासिल करने के लिए अति आक्रामक रूख अपनाने के इंग्लैंड के खेल को 'बाजबॉल' कहा जाता है और गीव्स का मानना है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उनका यह रवैया कारगर साबित नहीं होगा। गीव्स ने शनिवार को 'सेन रेडियो' से कहा, ''बाजबॉल की वजह से इंग्लैंड को असफलता मिली और मुझे लगता है कि अगर हम हार भी जाते हैं तो कम से कम हम सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल रहे हैं और वैसे भी हम पहले टेस्ट में जीत ही गये। ''

राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप का फाइनल 28 जून को

अमृतसर, 24 जून। पंजाब फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित हीरो 27वीं सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप का फाइनल मैच 28 जून को गुरु नानक देव स्टेडियम में खेला जायेगा। आयोजकों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अमृतसर फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप कुमार ने बताया कि 14 जून से शुरू हुई चैंपियनशिप के पूल-ए में से तमिलनाडु और ओडिशा ने जबकि पूल-बी से हरियाणा और रेलवे ने सेमीफाइनल में जगह बनायी है। कुमार ने बताया कि चैंपियनशिप के सेमीफाइनल मुकाबलों में हरियाणा का मुकाबला ओडिशा से और रेलवे का मुकाबला तमिलनाडु से होगा। सेमीफाइनल मुकाबले 26 जून को खेले जायेंगे और ये मैच जीतने वाली टीमें 28 जून को खिताब के लिये फाइनल में भिड़ेंगी। फाइनल के बाद अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे पुरस्कार वितरण करेंगे।

चिक्कारंगप्पा कोरिया ओपन में 28वें स्थान पर

चियोनान, 24 जून। भारतीय गोल्फर एस चिक्कारंगप्पा ने शनिवार को यहां कोलोन कोरिया ओपन के तीसरे दौर में छह ओवर 75 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 28वें स्थान पर चल रहे हैं। टूर्नामेंट में सात भारतीय गोल्फरों में से दो ही दूसरे दौर के बाद कट में जगह बना सके थे। चिक्कारंगप्पा (69-73-75) ने पहले दौर में दो अंडर 69 का कार्ड बनाया था जिससे वह पहले दिन शीर्ष पांच में शामिल थे। कट में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय हनी बेसोया (73-72-75) हैं जो सात ओवर से संयुक्त 41वें स्थान पर चल रहे हैं। विराज मदप्पा (74-76), एसएसपी चौरसिया (74-76), करणदीप कोच्चर (80-71), अजीतेश संधू (77-76) और राहिल गंगजी (76-77) कट में जगह बनाने से चूक गये।

ज्वेरेव को हराकर बुलबिक हाले ओपन के फाइनल में

हाले (जर्मनी), 24 जून। एलेक्सजैंडर बुलबिक ने शनिवार को यहां जर्मनी के एलेक्सजैंडर ज्वेरेव को 6-3, 7-5 से हराकर हाले ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। कजाखस्तान के इस 48वीं रैंकिंग के खिलाड़ी ने नौंवी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव को एक घंटे 27 मिनट में शिकस्त दी। ज्वेरेव 2016 और 2017 में हाले फाइनल में पहुंचे थे। अब फाइनल बुलबिक का सामना रोबर्टो बतिस्ता एगुट और आंद्रे रूबलेव के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

सैफ चैंपियनशिप : भारत ने नेपाल को 2-0 से हराया

बेंगलुरु, 24 जून। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने शनिवार को सैफ चैंपियनशिप के एकतरफा मुकाबले में नेपाल को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत कर लीं। श्री कांतीरवा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम के गोल कप्तान सुनील छेत्री (61वां मिनट) और महेश सिंह (70वां मिनट) ने किये। गुरप्रीत संधू ने पहले हाफ में नेपाल के एकमात्र अर्थपूर्ण प्रयास को रोककर क्लीन शीट बरकरार रखी। भारत इस जीत के साथ सैफ चैंपियनशिप की ग्रुप-ए तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसका अगला मुकाबला मंगलवार को तालिका में शीर्ष पर काबिज़ कुवैत से होगा, जो विशेष आमंत्रण पर चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहा है। नेपाल और भारत के बीच खेले गये मुकाबले के पहले हाफ में 17वें मिनट के अलावा कोई खास मौका नहीं बना। लाकेन लिंबू ने 17वें मिनट में नेपाल के लिये कॉर्नर लिया। भारतीय डिफेंडर ने गोल के पास आती बॉल को हेडर मारकर हटा दिया, हालांकि वह नेपाल के अलिक बिस्ता के सामने जा गिरी। बिस्ता ने टप्पे पर शानदार किक मारी लेकिन भारतीय गोलकीपर संधू ने दर्शनीय प्रयास के साथ नेपाल को बढ़त लेने से रोक दिया।

भारत को 31वें मिनट में फ्री किक मिली जिसे सुनील छेत्री डिफेंडर अनंत तमांग के पार नहीं पहुंचा सके। भारत 40वें मिनट में भी बढ़त बना सकता था लेकिन उदांता का प्रयास नेपाल के कप्तान और गोलकीपर किरण लिंबू ने सफल नहीं होने दिया। नेपाल हाफ टाइम से ठीक पहले बिस्ता की जगह आवेश लमिछान्ने को पिच पर लेकर आयी लेकिन दोनों ही टीमों को पहले हाफ में शून्य गोल से संतोष करना पड़ा। भारत ने दूसरे हाफ में गेंद को अपने अर्द्ध में रखकर फ्लैंक की ओर से आक्रमण करने की योजना बनायी। कुछेक मौके असफल होने के बाद भारत ने खाता तब खोला जब महेश लेफ्ट फ्लैंक पर गेंद को लेकर नेपाल के गोलपोस्ट की ओर दौड़ पड़े और छेत्री ने उनके क्रॉस की मदद से गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

नेपाल इस गोल से संभला ही था कि भारत ने एक बार फिर फ्लैंक से हमला करने की योजना बनायी। इस बार छेत्री की किक पर गेंद क्रॉसबार से लगकर नीचे गिर गयी, लेकिन वहीं खड़े महेश ने गेंद को नेट में पहुंचाने में कोई गलती नहीं की। मैच के 76वें मिनट में भी भारत के लिये एक मौका बना, लेकिन इसे गंवाने के बावजूद छेत्री की टीम 2-0 से मुकाबला जीत गयी।

कुवैत ने पाकिस्तान को 4-0 से पीटा

बेंगलुरु, 24 जून। कुवैत ने मुबारक अल-फनैनी के दो गोलों के दम पर सैफ चैंपियनशिप के ग्रुप-ए मुकाबले में पाकिस्तान को 4-0 से पीटकर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ा लिया। श्री कांतीरवा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में फनैनी (17वां, 45 1वां मिनट) ने कुवैत के लिये दो गोल किये। हसन अल एनेज़ी (10वां मिनट) और ईद नासर अल राशिदी (69वां मिनट) ने एक-एक गोल का योगदान दिया।

कुवैत जहां नेपाल और पाकिस्तान को हराकर ग्रुप-ए के शीर्ष पर है, वहीं पाकिस्तान भारत और कुवैत के विरुद्ध दोनों मुकाबले हारने के बाद तालिका में सबसे नीचे पहुंच गया है। टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत के बाद आत्मविश्वास से लबरेज़ कुवैत शुरू से ही फ्रंटफुट पर रहा और उसने बढ़त लेने का दृढ़ संकल्प दिखाया। सफलता के लिए उनके शुरुआती प्रयास का लाभ तब मिला जब हसन ने 10वें मिनट में बॉल को नेट में पहुंचाया। उन्होंने दाएं फ्लैंक से एक लंबे क्रॉस का पीछा किया और अपना समय लेने के बाद गेंद को अंदर डाल दिया।

कुवैत ने 1-0 की बढ़त लेने के बाद भी अपना दबदबा बनाये रखा और गेंद पर कब्ज़ा रखा। उन्हें आधे घंटे से पहले एक और सफलता मिली जब अलराशिदी को काउंटर पर ड्रिबल करने के लिए पर्याप्त जगह मिली। अलराशिदी ने अल-फनैनी को अंतिम पास दिया, जिन्होंने कुवैत की बढ़त दोगुनी करने में कोई गलती नहीं की। दूसरी ओर, पाकिस्तान 38वें मिनट में खाता खोलने के करीब आया जब हारुन हामिद ने बॉक्स के अंदर एक आकर्षक क्रॉस दिया। उनका कोई भी साथी हालांकि बॉल को नेट में पहुंचाने के लिये सही जगह पर नहीं था।

अलराशिदी ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में कुवैत की बढ़त 3-0 कर पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दीं। भारी बढ़त लेने के बावजूद कुवैत ने अपनी आक्रामकता कम नहीं की। आखिरकार अलराशिदी ने 69वें मिनट में अपना दूसरा और कुवैत का चौथा गोल कर दिया। कुवैत अब मंगलवार को अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मुकाबले में मेजबान भारत से भिड़ेगा, जबकि पाकिस्तान का सामना नेपाल से होगा।

हमने ट्रायल्स में छूट की मांग नहीं की, सिर्फ तैयारी का समय मांगा था: पहलवान

नयी दिल्ली, 24 जून। एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के ट्रायल्स से छूट मिलने के लिए साथी पहलवानों के विरोध का सामना कर रहे आंदोलनकारी पहलवानों ने आईओए से इस तरह की छूट की मांग से इनकार किया और कहा कि अगर यह साबित हो गया तो वे कुश्ती छोड़ देंगे।

लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त ने शुक्रवार को सवाल उठाये थे कि क्या ये पहलवान इस तरह की छूट हासिल करने के लिए ही विरोध कर रहे थे और उन्होंने जूनियर पहलवानों, उनके कोचों और अभिभावकों से इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही थी। साक्षी ने सोशल मीडिया पर लाइव चैट में कहा, ''हमने ट्रायल्स में छूट नहीं मांगी थी, बस तैयारी के लिए समय मांगा था।'' बजरंग ने कहा, ''अगर आपको एक मुकाबले के ट्रायल से परेशानी थी तो आपको खेल मंत्री के पास जाना चाहिए था। लेकिन आपने सोशल मीडिया के जरिए जहर फैलाने का फैसला किया।'' उन्होंने साथ ही कहा, ''अगर यह साबित हो जाए कि हमने छूट मांगी थी तो हम कुश्ती छोड़ने को तैयार हैं। हमने छूट के लिए कभी कोई पत्र नहीं लिखा।'' इन पहलवानों ने अपनी लड़ाई जारी रखने की कसम भी खायी।

विनेश ने कहा, ''बृज भूषण शरण सिंह को सजा मिलने तक हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे, हम आरोप पत्र दाखिल होने का इंतजार कर रहे हैं।'' साक्षी, बजरंग और विनेश फोगाट महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

अगस्त तक मैदान में वापसी कर सकते हैं बुमराह

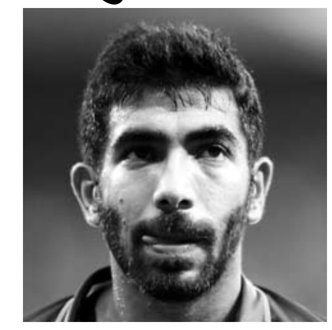

बेंगलुरु, 24 जून। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अगस्त में भारत और आयरलैंड के बीच होने वाली टी20 शृंखला के जरिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं। क्रिकबज की ओर से शनिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अगले महीने कुछ मैच खेलेंगे। इन मैचों के जरिए बुमराह की स्थिति का आकलन किया जाएगा। बुमराह की देखरेख के जिम्मेदार लोग देखना चाहते हैं कि मैच के अगले दिन वह कैसा महसूस करते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एनसीए के मैचों के बाद ही बुमराह की आयरलैंड शृंखला में खिलाने पर फैसला लिया जाएगा, जिसके मैच 18, 20 और 23 अगस्त को आयोजित होने हैं। बुमराह की वापसी का अंतिम लक्ष्य उन्हें अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए तैयार करना है। इसके लिए भारतीय टीम पहले टी20 में उनकी क्षमता का परीक्षण करना चाहता है। आयरलैंड शृंखला भारतीय टीम, चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में उनके संचालकों और बीसीसीआई की योजना के अनुरूप है, जो सामूहिक रूप से चाहते हैं कि वह धीरे-धीरे मैच फिटनेस हासिल करें, जिसकी शुरुआत चार ओवर के स्पेल वाले टी20 मैच से हो।

उल्लेखनीय है कि शुरुआत में पीठ की समस्या और बाद में पीठ की सर्जरी के कारण बुमराह पिछले साल सितंबर से मैदान से बाहर हैं। वह वर्तमान में बेंगलुरु में एनसीए में रीहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वह 70 प्रतिशत ठीक हो चुके हैं। आयरलैंड के मैच लगभग दो महीने दूर होने के कारण, थिंक-टैंक को उम्मीद है कि वह डबलिन में होने वाले मुकाबलों के लिए तैयार रहेंगे।

जूनियर विश्व कप 2023 के पूल सी में भारत

नयी दिल्ली, 24 जून। मलेशिया के कुआलालंपुर में पांच से 16 दिसंबर के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के लिए भारत को पूल सी में रखा गया है। एफआईएच ने शनिवार को इसकी घोषणा की। पूल सी में भारतीय टीम कनाडा, कोरिया और स्पेन के साथ है। भारत का अभियान पांच दिसंबर को कोरिया के खिलाफ शुरू होगा, जबकि वह सात दिसंबर को अपने दूसरे पूल गेम में स्पेन से भिड़ेगा। अपने तीसरे और आखिरी पूल मुकाबले में भारत नौ दिसंबर को कनाडा का सामना करेगा।

एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप 2023 प्रारूप के अनुसार पूल चरण में प्रत्येक टीम अपने संबंधित पूल में अन्य तीन टीमों से एक बार खेलेगी। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इसी बीच, एफआईएच ने नई जूनियर टीम रैंकिंग की घोषणा भी की, जिसके अनुसार भारत विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है।

भारतीय जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, हमें बेहद खुशी है कि हम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। यह नई रैंकिंग पिछले कुछ सालों में हमारी मेहनत और दृढ़ता दिखाती है। उन्होंने कहा, विश्व कप के पूल ड्रॉ ने हमें कठिन प्रतिद्वंदिता के लिए तैयार कर दिया है। हम इतने बड़े टूर्नामेंट का हिस्सा बनने को लेकर रोमांचित हैं और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपने आप को आजमाने के लिए तैयार हैं। हमारा लक्ष्य अपने देश को गौरवान्वित करना और अपनी छाप छोड़ना है।

भारतीय जूनियर टीम के कोच सीआर कुमार ने कहा कि जूनियर विश्व कप के शुरू होने में सिर्फ 164 दिन बचे हैं, जहां भारत विश्व कप में तीसरी बार चैंपियन बनने का स्वाद चखना चाहेगा। सफर लंबा है और इन खिलाड़ियों के पास एक बार फिर शीर्ष खिताब हासिल करने की क्षमता है। हमारे पास पिछले विश्व कप से पांच खिलाड़ी हैं जो इस बार केंद्रीय भूमिका निभाएंगे। अन्य खिलाड़ी उनके अनुभव से सीख रहे हैं। हाल ही में ओमान में पुरुष जूनियर एशिया कप 2023 में विजयी होने के बाद भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम आत्मविश्वास के साथ एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप 2023 में उतरेगी। भारत ने इससे पहले 2001 और 2016 में जीता है, जबकि 1997 में उसने रजत पदक जीता था।

नेपाल को हराकर सुपर-6 में नीदरलैंड

हरारे, 24 जून। नीदरलैंड ने लोगन वैन बीक (24/4) की शानदार गेंदबाजी के बाद मैक्स ओडाउड (90) के तूफानी अर्द्धशतक की मदद से विश्व कप क्वालीफायर के पहले चरण में शनिवार को नेपाल को सात विकेट से हराकर सुपर-6 चरण में जगह बना ली। नीदरलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हुए नेपाल को 167 रन पर ऑलआउट कर दिया। ओडाउड ने बास डी लीड (41 नाबाद) और विक्रमजीत सिंह (30) की मदद से डच टीम को 27.1 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। वेस्ट इंडीज और ज़िम्बाब्वे के बाद नीदरलैंड ग्रुप-ए से सुपर-6 में पहुंचने वाली तीसरी टीम है। नेपाल के खिलाफ टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का उसका फैसला शुरुआत से ही सही साबित हुआ और वैन बीक ने सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख को शून्य रन पर पवेलियन लौटा दिया। विक्रमजीत ने पांव जमा चुके कुशल भुर्तेल (42 गेंद, 27 रन) को आउट करने के बाद आरिफ शेख (छह) का भी विकेट निकाला, जबकि क्लेटन फ्लॉयड ने भीम (56 गेंद, 22 रन) का संघर्ष समाप्त किया। नेपाल के लिये कप्तान रोहित ने 55 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ सर्वाधिक 33 रन बनाये। वैन बीक ने रोहित का विकेट चटकाने के बाद दीपेंद्र सिंह (14) और संदीप लामिछन्ने (33 गेंद, 27 रन) के भी विकेट निकाले।

जयपुर बैडमिंटन में आराध्या जोधा का धमाका

जयपुर, 24 जून। जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी की आराध्या जोधा ने 15 वर्ष बालिका वर्ग में स्टार खिलाड़ी अन्वी राठौड़ को सेमीफाइनल में तीन गेमों में 10-21, 21-15, 21-13 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई वही उसका मुकाबला उसकी डबल पार्टनर में जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी की देशना जैन से होगा। सुबह खेले गए 13 लड़कियों डबल्स फाइनल में देशना जैन व आराध्य जोधा की जोड़ी ने अदा व मानसी को फाइनल में परास्त किया। गर्ल्स सिंगल से एकल फाइनल में 17 वर्ष में नव्या अरोड़ा ने प्रतीक्षा शाह को 21-19 21-11 से हरा फाइनल में जगह बनाई लड़कों के अंडर 15 सेमी फाइनल में मानस परवाल ने रुद्राक्ष मिड्ढा को 21-5, 21-11 से हरा फाइनल में जगह बना ली है जहां उनका मुकाबला दिव्यांश तोमर से होगा।

मिक्स डबल्स में जयकुमार घटक व अदविका अठावाल ने फाइनल में जगह बनाई उनका मुकाबला प्रेक्षा हुरकत हरसिल से होगा से होगा। लड़कों के 17 वर्षीय के कल में शौर्य सिंह शेखावत का मुकाबला आहन गुप्ता से होगा। लड़कियों के 17 गर्ल्स डबल्स फाइनल में प्रियांशी सैनी वे तनिष्का यादव ने फाइनल में जगह बनाई।

शीर्ष क्रम में दो खब्बू बल्लेबाज देखना चाहते हैं शास्त्री

नयी दिल्ली, 24 जून। भारत के पूर्व कोच और कॉमेंटेटर रवि शास्त्री इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिये भारतीय टीम में दो वामहस्त बल्लेबाजों को देखना चाहते हैं। शास्त्री ने द वीक पत्रिका को दिये गये साक्षात्कार में कहा, आपको सही संतुलन ढूंढने की जरूरत है। क्या आपको लगता है कि एक बाएं हाथ का खिलाड़ी शीर्ष क्रम में अंतर पैदा करेगा? जरूरी नहीं कि वह ओपनर ही हो, बल्कि शीर्ष तीन या चार में से भी कोई हो सकता है। आपको उन सभी विकल्पों पर विचार करना होगा। आदर्श रूप से, मैं शीर्ष छह में दो बाएं हाथ के खिलाड़ियों को देखना चाहूंगा।

कार दुर्घटना में घायल होने के कारण इस साल ऋषभ पंत के कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलने से भारत ने एकदिवसीय क्रिकेट में एक प्रमुख बाएं हाथ का खिलाड़ी खो दिया है। टीम प्रबंधन ने कई मौकों पर ईशान किशन को मौका दिया है। रवींद्र जडेजा एक और विकल्प हैं लेकिन उन्हें शीर्ष छह में बल्लेबाजी करने का ज्यादा अनुभव नहीं है। यशस्वी जयसवाल को वेस्टइंडीज सीरीज के लिये भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली, लेकिन एकदिवसीय स्क्वाड से उनका नाम गायब रहा।

शास्त्री ने कहा, आपके पास ईशान किशन हैं। विकेटकीपिंग विभाग में, आपके पास संजू (सैमसन) हैं, लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाजों में, आपके पास (यशस्वी) जायसवाल, तिलक वर्मा हैं। हमारे पास बाएं हाथ की पर्याप्त प्रतिभा है जो इस समय किसी भी वरिष्ठ खिलाड़ी की जगह ले सकती है। शास्त्री ने इस अवसर पर संजू सैमसन की भी तारीफ की और कहा कि वह अभी तक अपनी पूरी प्रतिभा का प्रयोग नहीं कर सके हैं।

आपको सही संतुलन ढूंढने की जरूरत है। क्या आपको लगता है कि एक बाएं हाथ का खिलाड़ी शीर्ष क्रम में अंतर पैदा करेगा? जरूरी नहीं कि वह ओपनर ही हो, बल्कि शीर्ष तीन या चार में से भी कोई हो सकता है। आपको उन सभी विकल्पों पर विचार करना होगा। आदर्श रूप से, मैं शीर्ष छह में दो बाएं हाथ के खिलाड़ियों को देखना चाहूंगा।

शास्त्री ने कहा, मेरा मानना है कि संजू (सैमसन) है, जिसे अभी तक अपनी क्षमता का एहसास नहीं हुआ है। वह एक मैच जिताऊ खिलाड़ी है। अगर वह अपना करियर अच्छे प्रदर्शन के साथ समाप्त नहीं करता है तो मुझे निराशा होगी। यह जैसे जब मैं कोच था, तब मुझे निराशा होती अगर रोहित शर्मा नियमित टेस्ट खिलाड़ी के रूप में मेरी टीम में नहीं खेलते। इसलिए, वह बल्लेबाजी की शुरुआत करते हैं। मैं संजू के साथ भी ऐसा ही महसूस करता हूं। विश्व कप की ओर बढ़ते हुए शास्त्री ने सुझाव दिया कि खिलाड़ियों के चोटग्रस्त होने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन को 15-20 खिलाड़ियों का एक समूह तैयार करना चाहिये।

उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं। जायसवाल, तिलक वर्मा, नेहाल वढेरा। वहां (साई) सुदर्शन हैं, जिन्होंने (आईपीएल) फाइनल में बहुत अच्छा खेला। जितेश शर्मा हैं। गेंदबाजों में, युवा तेज गेंदबाजों की एक फौज है। नाम अभी मेरे दिमाग में नहीं आ रहे हैं। लेकिन, कम से कम चार या पांच ऐसे हैं जिन्हें उस 135-140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के आसपास तैयार किया जा सकता है। इसलिए मैं सफेद गेंद में प्रतिभा के बारे में चिंतित नहीं हूं। उन्होंने कहा, इन दिनों आप देख सकते हैं (खिलाड़ियों को) बहुत चोटें लग रही हैं। मुझे हमेशा 15-20 (खिलाड़ियों) का समूह पसंद है। आपको हमेशा तैयार रहना चाहिए, आपके पास प्लान बी, प्लान सी होना चाहिए।

मुंबई सिटी एफसी में पक्के हुए विनीत राय

मुंबई, 24 जून। मुंबई सिटी एफसी ने मिडफील्डर विनीत राय के साथ एक साल का आधिकारिक अनुबंध किया है। क्लब ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुंबई ने 25 वर्षीय विनीत को जनवरी 2022 में ओडिशा एफसी से ऋण पर लिया था। मुंबई सिटी एफसी के ऐतिहासिक 2022 एएफसी चैंपियंस लीग अभियान सहित सभी प्रतियोगिताओं में विनीत कुल 14 बार क्लब के लिये मैदान पर उतरे। मुंबई सिटी ने विनीत को एक और साल के लिये ऋण पर लिया और वह 2022-23 सीज़न के लिये भी क्लब का हिस्सा रहे। उन्होंने मुंबई सिटी की रिकॉर्ड-तोड़ आईएसएल शील्ड जीत में प्रभावशाली भूमिका निभाते हुए चेन्नईयिन एफसी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ दो शानदार गोल भी किये।

टाटा फुटबॉल अकादमी से निकले विनीत ने 2016 में अपने हीरो आईएसएल करियर की शुरुआत की और अब तक कुल 90 लीग मैच खेले हैं। उन्होंने मुंबई में शामिल होने से पहले केरल ब्लास्टर्स, दिल्ली डायनामोज और ओडिशा एफसी में भी समय बिताया। विनीत ने क्लब के साथ आधिकारिक अनुबंध पर कहा, मैं मुंबई सिटी के साथ अपनी यात्रा को एक और साल के लिये बढ़ाने को लेकर रोमांचित हूं। यहां बिताये समय के दौरान मैंने जो सीखा और अनुभव किया, उससे मुझे आगे बढ़ने में काफी मदद मिली। कोच डेस, उनके स्टाफ और यहां मौजूद सभी लोगों ने मुझे पूरे दिल से समर्थन दिया है और मैं क्लब को पिछले सीजन की तरह ही सफलता हासिल करने में मदद करने के लिये प्रतिबद्ध हूं। मैं इस उल्लेखनीय टीम का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस करता हूं। मैं इस टीम और हमारे प्रशंसकों के लिये कड़ी मेहनत करना जारी रखने के लिये तैयार हूं। मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कोच डेस बकिंघम ने कहा, विनीत ने पिछले दो सीज़न में हमारे साथ अपने गुण दिखाए हैं। अगले सीज़न में वह हमारे लिये एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे।

रूस में तख्तापलट व गृहयुद्ध की स्थिति, वैगनर लड़कों ने मॉस्को की तरफ बढ़ना शुरु किया

- पुतिन ने वैगनर ग्रुप को मॉस्को की तरफ बढ़ने से रोकने के लिए बम, टैंक तथा हर प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई की स्वीकृति दी
- आपको बता दें कि, रूस में वैगनर ग्रुप के लड़ाकों के रूप में जेल में बंद कैदियों को तैयार किया जाता हैं। रूस की सरकार ने यूक्रेन युद्ध लड़ने के लिए वैगनर लड़ाकों की फौज तैयार की थी।

मॉस्को, 24 जून। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। रूस के वैगनर ग्रुप के मुखिया येवगेनी प्रिगोझिन ने रूसी रक्षा मंत्रालय के खिलाफ बगावत कर दी है। वैगनर ग्रुप के लड़ाके रूस की राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़कर तख्तापलट करने की कोशिशों में जुट गये हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने वैगनर ग्रुप के लड़ाकों को मास्को की ओर बढ़ने से रोकने के लिए उन पर हर प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई के आदेश दिये हैं।

पुतिन ने शनिवार को रूसी सशस्त्र बलों को वैगनर निजी सैन्य समूह के सशस्त्र विद्रोह करने वालों को बेअसर करने का आदेश दिया। आपको बता दें कि, रूस में वैगनर ग्रुप के लड़ाकों के रूप में जेल में बंद कैदियों को तैयार किया जाता हैं। रूस की सरकार ने यूक्रेन युद्ध लड़ने के लिए वैगनर लड़कों की फौज तैयार की थी। रूस की सरकार के लिए ये वैगनर लड़ाके एक प्रकार से किराये के सैनिक होते हैं जो अब खुद राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत कर चुके हैं।

पुतिन ने टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए वैगनर निजी सैन्य समूह को बेअसर करने की बात कही है। उन्होंने कहा यह रूस और हमारे लोगों के लिए एक झटका है और मातृभूमि को ऐसे खतरे से बचाने के लिए हमारे कार्य बल माकूल जवाब देने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए कुछ वीडियो में वैगनर ग्रुप के मुखिया प्रिगोझिन ने रूस के रक्षा मंत्री को पद से हटाने का एलान किया है। इसके अलावा, उन्होंने रूसी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय रोस्तोव-ऑन-डॉन पर कब्जा करने के लिए अपने लड़ाकों को भी रवाना कर दिया है।

पुतिन ने कहा, वे सभी जो जानबूझकर विश्वासघात के रास्ते पर चल रहे है, जो सशस्त्र विद्रोह की तैयारी में लगे है तथा ब्लैकमेल करने और आतंकवादी रास्ते पर चल रहे है। उन्हें अपरिहार्य सजा भुगतनी होगी और कानून के सामने तथा हमारे लोगों के सामने जवाब देना होगा।

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, मैं उन लोगों से आग्रह करता हूं जिन्हें इस अपराध में घसीटा जा रहा है, वे सभी इस तरह की गलती न करें, बल्कि एकमात्र सही विकल्प चुनें - आपराधिक कृत्यों में भाग लेना बंद करें।

रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी समिति ने आज घोषणा की कि वैगनर निजी सैन्य समूह पर सशस्त्र संगठित करने की कोशिश करने का आरोप लगने के बाद संभावित आतंकवादी कृत्यों को रोकने के लिए मॉस्को शहर, मॉस्को क्षेत्र और वोरोनिश क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन शुरू किया गया है।

इमरान प्रतापगढ़ी देश के सबसे लोकप्रिय मुस्लिम नेता

हैदराबाद, 24 जून। कांग्रेस सांसद और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी को एक ट्विटर पोल के अनुसार भारत में सबसे लोकप्रिय मुस्लिम नेता घोषित किया गया है। जुबैर मेमन (जुबैर मीडिया) द्वारा ट्विटर पर कराए गए सर्वेक्षण में उपयोगकर्ताओं से वर्तमान में भारत के प्रमुख मुस्लिम राजनीतिक नेता के लिए वोट करने को कहा गया। विकल्पों में एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन औवेसी, एआईयूडीएफ के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल, समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का नाम दिया गया था।

शनिवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि आजम खान और बदरुद्दीन अजमल को क्रमशः केवल 1.9 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत वोट मिले। ट्विटर पोल नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुये तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष शेख अब्दुल्ला सोहेल ने कहा कि परिणाम स्पष्ट रूप से मुस्लिम समुदाय के बीच कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

यूरोप की नजरें रूस पर टिकीं, मौके का फायदा उठाने की फिराक में

यूरोपीय देश जी-7 के साथ सम्पर्क में हैं, जरूरत के मुताबिक रूस के खिलाफ नया मोर्चा खड़ा कर सकते हैं यूरोपीय देश

- रूस इस समय गृहयुद्ध की स्थिति में फंस गया है, राष्ट्रपति पुतिन के लिए काम करने वाले वैगनर लड़ाकों ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ ही जंग छेड़ दी है।

मॉस्को, 24 जून। रूस इस समय गृहयुद्ध की स्थिति में फंस गया है, राष्ट्रपति पुतिन के लिए काम करने वाले वैगनर लड़ाकों ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ ही जंग छेड़ दी है। वैगनर लड़ाकों को रोकने के लिए राष्ट्रपति पुतिन अपने ही देश में बम हमले करवा रहे हैं ताकि वैगनर लड़ाकों को रूस की ओर बढ़ने से रोका जा सके। वहीं इस पूरी स्थिति का यूरोप व पश्चिमी देश फायदा उठाने की फिराक में हैं। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने शनिवार को कहा कि वह रूस की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और यूरोपीय संघ के नेताओं और जी-7 भागीदारों के संपर्क में हैं।

मिशेल ने ट्विटर पर कहा, रूस में सामने आ रही स्थिति पर करीब से नजर रख रहा हूं। यूरोपीय नेताओं और जी-7 भागीदारों के संपर्क में हूं। यह स्पष्ट रूप से एक आंतरिक रूसी मुद्दा है।

फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने रूस की स्थिति के बारे में अपने एस्टोनियाई और लातवियाई समकक्षों, काजा कैलास और क्रिस्जनिस कैरिन्स के साथ फोन पर बातचीत की। ओर्पो ने ट्वीट किया, तीनों प्रधानमंत्रियों ने करीबी सहयोग पर सहमति जताई। फिनलैंड के राष्ट्रपति साउली निनिस्तो ने भी रूस के घटनाक्रम पर टिप्पणी की। वहां की न्यूज एजेंसी (एसटीटी) ने निनिस्तो के हवाले से कहा, रूस में स्थिति स्पष्ट नहीं है, और बहुत सारी अपुष्ट जानकारी प्रसारित हो रही है। ये आंतरिक रूसी मामले हैं, जिन पर फिनलैंड और अन्य देशों द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही है । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के संबोधन में स्थिति की गंभीरताको दर्शाया गया है।

मॉस्को में फिनलैंड के दूतावास का अनुमान है कि रूस में लगभग 200 फ़िनिश नागरिक हैं। नॉर्डिक देश का विदेश मंत्रालय अपने नागरिकों से रोस्तोव, वोरोनिश और बेलगोरोड क्षेत्रों को तुरंत छोड़ने का आग्रह कर रहा है, जबकि रूस की सभी यात्रा से बचने की उसकी सिफारिश मार्च 2022 से प्रभावी है। रूस के आपातकालीन मंत्रालय की क्षेत्रीय शाखा ने रोस्तोव क्षेत्र में कर्फ्यू लगाए जाने के संबंधित खबरों को निराधार बताया है और कहा है कि सोशल मीडिया पर फैलाई गई जानकारी झूठी है। रोस्तोव क्षेत्र के लिए रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के मुख्य निदेशालय की ओर से टेलीग्राम संदेश में कहा गया, क्षेत्र में कर्फ्यू की लगाये के बारे में जानकारी प्रकाशित की जा रही है।

खड़गे की नई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिनिधित्व देकर अपनी नई टीम बनाएंगे। वे विपक्षी दलों के पटना कॉन्क्लेव का इंतज़ार कर रहे थे। नई टीम का गठन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों और उसके बाद होने वाले लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि, जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं उनमें अनुभवी एवं वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेवारी दी जाएगी। बजाय ऐसे नए नेताओं को जिम्मेवारी देने के, जिन्हें राज्य की राजनीति को समझने में समय लगेगा।

सूत्रों ने कहा कि, पार्टी के आधा दर्जन राज्य अध्यक्षों के नामों पर अंतिम निर्णय हो चुका है, जिनमें महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु शामिल हैं तथा ये नाम शीघ्र घोषित कर दिए जाएंगे।

सूत्रों ने कहा कि, पचास से कम उम्र के युवाओं को 50 प्रतिशत पद देना मुश्किल है, लेकिन, महिला पदाधिकारियों की संख्या में इज़ाफा होगा।

कर्नाटक के बाद तमिलनाडू भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावों से पहले की इस अवधि में, केन्द्र द्वारा इन नीति का अपनाना केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिये बहुत अच्छा प्रतीत नहीं हो रहा है। कांग्रेस केन्द्र के इस रूख को राजनैतिक मुद्दे का रूप दे ही चुकी है तथा उसने इसे जनता तक पहुँचा दिया हैं तथा भाजपा को चुनाव में हरा देने वाले लोगों के मूड को देखते हुये, यह कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर, वे लोग कांग्रेस के आरोपों पर पूरा-पूरा ध्यान देंगे।

तमिलनाडु में, जहाँ भाजपा अभी अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है तथा राज्य के वोटरों तक पहुँने के लिये जबरदस्त प्रयास कर रही है, द्रमुक, भाजपा को पछाड़ने के मामले में इस सामान्य तथा वैध आर्थिक कारण को एक हथियार के रूप में काम में ले सकती है।

राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी, भाजपा को जनता के सामने ऐसे रूप में प्रस्तुत कर रही है कि यह उत्तर भारतीय हिंदी भाषी पार्टी है, जो तमिल एवं तमिलनाडु की भावनाओं के खिलाफ काम करती है, ऐसी स्थिति में, एफ.सी.आई. द्वारा राज्य को चावल बेचने से इंकार कर देने की बात को चर्चा का विषय बनाकर भाजपा को खलनायक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

अमेरिका के प्यू रिसर्च सैन्टर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ा है, वहीं 11 प्रतिशत का मत है कि भारत का प्रभाव बढ़ा है। महिलाओं की तुलना में पुरूष इस राय से ज्यादा सहमत हैं कि भारत का प्रभाव बढ़ा है। कॉलेज डिग्री की तुलना में स्नातक या उससे अधिक शिक्षा वाले पुरूष भी मानते है कि भारत का प्रभाव बढ़ा हैं। अमेरिका में महिलाओं की तुलना में ज्यादा पुरूषों ने इस सवाल का जवाब दिया। अमेरिकन वयस्क जो अन्तर्राष्ट्रीय खबरों पर नज़र रखते है, उनका भी मत है कि भारत की ताकत बढ़ रही है।

अमेरिकन ड्रोन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साल पहले तक, विवादित सीमा पर नज़र रखने के लिए भारत इंसानी गश्ती दलों पर निर्भर था। लेकिन, उस युग में दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों में तनाव कम था।

तथापि, 2020 में दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच हुई घातक मुठभेड़ के बाद नई दिल्ली को झटका लगा तथा दोनों देशों के संबंधों में गहरी दरार आ गई और परिणामस्वरुप दोनों ने ही सीमा पर सैन्य बल, हथियार एवं निगरानी के उपकरणों की संख्या बढ़ा दी।

हरियाणा में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं भाजपा अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने, सिरसा में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली के बाद हुई तीन घंटे की बैठक के बाद यह निर्णय लिया। पार्टी ने महसूस किया कि जे.जे.पी. मंत्रियों के कारण पार्टी की छवि गिरी है।

केजरीवाल ''कॉर्नर्ड'' हुए पटना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि ''बड़ी पार्टियों को उदारता एवं बड़प्पन दिखाना चाहिये। कांग्रेस को सीट-शेयरिंग व्यवस्था में खुलापन व लचीला रूख दिखाना चाहिए।'' नैशनलिस्ट पार्टी के दिग्गज नेता शरद पवार ने कहा कि विपक्ष को, सिर्फ चुनावों की खातिर नहीं बल्कि ''लोकतंत्र को बचाने'' के लिये मिलकर काम करना चाहिये।

बंगाल की मुख्यमंत्री तथा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा के खिलाफ संयुक्त विपक्ष का केवल एक ही उम्मीदवार होना चाहिये क्योंकि यह लड़ाई भारत की जनता बनाम मोदी होगी।

तमिलनाडू के मुख्यमंत्री तथा द्रमुक (डी.एम.के.) के प्रमुख एम.के. स्टालिन ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के लिये अलग-अलग फॉर्मूला होना चाहिये। उन्होंने राज्य की सबसे मजबूत पार्टी के नेतृत्व में राज्य वार गठबंधनों का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन नहीं हो तो या तो सीट शेयरिंग हो या फिर भाजपा के खिलाफ विपक्ष का साझा उम्मीदवार चुनाव में उतरे। शिव सेना (यू.टी.बी.) नेता उद्धव ठाकरे ने अगले लोकसभा चुनावों को तानाशाही बनाम लोकतंत्र की लड़ाई की संज्ञा दी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा आप प्रमुख अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी विस्तृत विपक्षी एकता के हित में अन्य राज्यों में अपना विस्तार नहीं करने के लिये वचनबद्ध है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस दिल्ली अध्यादेश पर अपने निर्णय की घोषणा आज ही करे। पी.डी.पी. प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिये जाने तथा जम्मू-कश्मीर के दो हिस्से करके केन्द्र शासित प्रदेश बना दिये जाने का जिक्र करते हुये कहा कि जो कुछ कश्मीर में हुआ, वह केवल कश्मीर तक ही सीमित नहीं है, भाजपा ऐसा ही अन्य राज्यों में भी करेगी।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी पार्टी एक बड़े राज्य की पार्टी है, इसलिये ''हम बड़ा दिल रखेंगे।''

उन्होंने कहा, ''हम सीट शेयरिंग या संयुक्त उम्मीदवार के मामले में उदार हैं। हम कांग्रेस विरोधी नहीं हैं। लड़ाई भाजपा से है।'' झारखंड के मुख्यमंत्री तथा जे.एम.एम. प्रमुख हेमंत सोरेन ने कहा कि पूरे देश में संयुक्त प्रचार अभियान होना चाहिये।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस समान विचार वाली पार्टियों के साथ खड़े होने के मामले में उदार है। लेकिन उन्होंने मीटिंग में कुछ मिनट पहले के आप प्रवक्ता के विवादास्पद बयान पर सवाल भी खड़ा किया। उन्होंने कहा, ''संसद के सत्र के दौरान, विपक्षी दल नियमित रूप से मिलते हैं तथा संयुक्त रणनीति तैयार करते हैं। आप पार्टी उन मीटिंगों में शामिल रही है, तो फिर इस अध्यादेश के लिये अलग किस्म का उपक्रम क्यों हो? भाजपा से लड़ने वाले गठबंधन के लिये यह पूर्व शर्त नहीं हो सकती।''

इसके बाद आप और कांग्रेस के बीच उत्तेजनापूर्ण कहा सुनी शुरू हो गई, जिसमें ममता बनर्जी तथा अन्य नेताओं ने हस्तक्षेप किया। कई नेताओं ने केजरीवाल को घेर लिया। उन्होंने अध्यादेश को लेकर कांग्रेस के रूख पर आप प्रमुख द्वारा इतना जोर दिये जाने पर सवाल खड़े किये।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन के बारे में उनकी पार्टी की खुली विचारधारा है हम अतीत को भूलने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम पुरानी पसंद-नापसंदों को एक तरफ रख कर खुले मन से यहां आए हैं। हम सभी लचीले रहेंगे। हमें इस लड़ाई के लिये एक होना बहुत जरूरी है, भले ही इसके लिये कुछ भी करना पड़े।''

अंत में यह निर्णय लिया गया कि अगली मीटिंग शिमला में होगी तथा इसका आयोजन एवं अध्यक्षता कांग्रेस करेगी। शिमला की मीटिंग में इन पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग की प्रक्रिया एवं क्रिया विधि पर चर्चा होगी तथा समान विचार वाले और भी दल आमंत्रित किये जायेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908